SHIVAJI COLLEGE

PROSPECTUS

2025-2026

SHIVAJI COLLEGE

UNIVERSITY OF DELHI

ACCREDITED BY NAAC WITH 'A' GRADE

NIRF RANK 49

DBT STAR COLLEGE

PROSPECTUS 2025-2026

EDITORIAL COMMITTEE 2025-2026

Convener: Dr. Ankita Dua
Co-Convener (Prospectus): Dr. Ritu Madan

Left To Right (standing): Dr. Ritu Madan, Dr. Shvetambri, Dr. Saumya Singh, Ms. Sonika, Dr. Debosmita Paul, Dr. Aeshna Nigam, Dr. Usha Yadav, Dr. Arvinder Kaur. Left To Right (sitting): Dr. Sunita (Mathematics), Dr. Reena Kumari, Ms. Tamanna, Dr. Reeta, Dr. Ankita Dua, Prof. Virender Bhardwaj (Principal), Ms. Anshula Upadhyay, Dr. Kanchan, Dr. Seema Talwar, Mr. Mahesh Kumar, Dr. Gunjan Sirohi.

प्राचार्य संदेश

प्रिय विद्यार्थियों,

मैं दिल्ली विश्वविद्यालय और शिवाजी कॉलेज में आपका स्वागत करता हूँ। दिल्ली विश्वविद्यालय भारत के प्रमुख विश्वविद्यालयों में से एक है और इसकी अंतरराष्ट्रीय ख्याति है | शिवाजी कॉलेज विश्वविद्यालय का एक प्रतिष्ठित कॉलेज है और इसके अग्रणी कॉलेजों में से एक है। 1961 में स्थापित शिवाजी कॉलेज भारत सरकार में तत्कालीन केंद्रीय कृषि मंत्री श्री पंजाबराव देशमुख द्वारा देखे गए एक सपने की पूर्ति थी और यह महान छत्रपति शिवाजी महाराज के मूल्यों का प्रतीक है। कॉलेज छात्रों के समग्र विकास की दिशा में काम करता है और शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए हर साल ठोस कदम उठाता है। कॉलेज को NAAC द्वारा "A" ग्रेड दिया गया है। शिवाजी कॉलेज ने पिछले वर्ष NIRF रैंक 71 से 49 रैंक तक पहुँचने में भी महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इंडिया टुडे-एमडीआरए के अखिल भारतीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ कॉलेज सर्वेक्षण 2025 में शिवाजी कॉलेज को कला और वाणिज्य स्ट्रीम में 23वां स्थान, विज्ञान स्ट्रीम में 32वां स्थान और मानविकी में 36वां स्थान मिला है। इंडिया टुडे-एमडीआरए सर्वेक्षण के अनुसार, दिल्ली के कॉलेजों में हमारी रैंकिंग वाणिज्य में 14वीं, विज्ञान में 15वीं और मानविकी स्ट्रीम में 16वीं है। इंडिया टुडे-एमडीआरए सर्वेक्षण में बी.ए (विशेष) हिंदी में 8वीं रैंक प्राप्त करना एक और उपलब्धि है।

शिवाजी कॉलेज ने हाल ही में स्थायी आधार पर लगभग 100 संकाय सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी कर ली है और दिल्ली विश्वविद्यालय के विनियमों के अनुसार मौजूदा संकाय सदस्यों को उच्च पदों पर पदोन्नत किया है। वर्तमान में, हमारे पास 15 शोध परियोजनाएं बाह्य और आंतरिक योजनाओं के हिस्से के रूप में चल रही हैं । 2024-25 में शुरू की गई प्रिंसिपल इंटर्नशिप योजना, छात्रों को प्रशासनिक कामकाज के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करती है । हाल ही में नए ऑडिटोरियम, साइंस लैब, जीजाबाई एकेडमिक ब्लॉक और स्पेशल स्किल सेंटर को जोड़ने के साथ, एन ई पी के व्यापक कार्यान्वयन के लिए कॉलेज यू जी सी एफ पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष को लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है |

हमारे छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर खेल की दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। हमारे कॉलेज के विशाल और सुव्यवस्थित खेल मैदान में एक फुटबॉल कोर्ट, एक वॉलीबॉल कोर्ट, एक बास्केटबॉल कोर्ट और एक क्रिकेट मैदान है। कॉलेज में एक जीवंत सांस्कृतिक वातावरण भी है । विभिन्न छात्र समितियां भारतीय परंपरा को बढ़ावा देती हैं और छात्रों को देशभक्ति के मूल्य सिखाती हैं । वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव वाइब्रेशन, सामाजिक उत्थान में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वालों के लिए वार्षिक जीजाबाई पुरस्कार, शिवाजी जयंती समारोह और ऐसे कई कार्यक्रमों ने छात्रों को अपनी प्रतिभा सीखने और प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान किए हैं । इसके अलावा, कॉलेज के एन एस एस और एन सी सी (छात्र और छात्राएं) विंग राष्ट्र धर्म के मूल्यों के प्रति युवा मस्तिष्क को उन्मुख करने में योगदान देते हैं |

मुझे विश्वास है कि शिवाजी कॉलेज में आपका समय समृद्ध होगा और यह कॉलेज वास्तव में आपके जीवन को बदलने में सहायक होगा।

शुभकामनाएँ
प्रो वीरेंद्र भारद्वाज

शिवाजी कॉलेज का प्रतीक

भारतीय संस्कृति में निहित और उपनिषदों के शाश्वत ज्ञान द्वारा निर्देशित, शिवाजी कॉलेज मूल्य-आधारित, समावेशी और परिवर्तनकारी शिक्षा के माध्यम से प्रबुद्ध, सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिकों को विकसित करने के लिए समर्पित है । इसका आदर्श वाक्य - "अमृतम तू विद्या" (ज्ञान अमर है) - मुंडक उपनिषद (1.2.12: "विद्यया अमृतमश्नुते") से लिया गया है जो ज्ञान के साथ शिक्षार्थियों को सशक्त बनाने के लिए संस्था की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो भौतिक सीमाओं से परे है और चरित्र, नेतृत्व और दृष्टि का निर्माण करता है।

शिवाजी कॉलेज का प्रतीक इसके मूलभूत दर्शन और शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति के प्रति प्रतिबद्धता को समाहित करता है । इसके केंद्र में उगता सूरज चमकता है, जो ज्ञान और ज्ञान के प्रकाश का प्रतीक है जो अज्ञानता के अंधेरे को दूर करता है और मानव चेतना को जागृत करता है। यह चमक कॉलेज के मार्गदर्शक सिद्धांत को दर्शाती है: "अमृतम तू विद्या" - "ज्ञान अमर है।

प्रतीक में कमल है, जो कला, संस्कृति और सुंदरता का प्रतिनिधित्व करता है, और विपरीत परिस्थितियों के बीच शुद्धता का प्रतीक है। यह बुराई के खिलाफ संघर्ष का भी प्रतीक है - छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत में एक मुख्य आदर्श, जिनके नाम पर कॉलेज का नाम रखा गया है. आधार पर गेहूं के दो सुनहरे डंठल फलदायी, समृद्धि और पूर्णता का प्रतीक हैं, जो समग्र मानव विकास और आत्मनिर्भरता के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता की ओर इशारा करते हैं।

साथ में, ये तत्व एक शक्तिशाली दृश्य पहचान में समा जाते हैं जो अकादमिक ज्ञान, सांस्कृतिक गरिमा और पूरी मानवता के लिए समृद्ध जीवन की दृष्टि का प्रतिनिधित्व करता है । अपने आदर्श वाक्य और भारतीय संस्कृति के व्यापक आदर्शों के अनुरूप, प्रतीक इस बात की पुष्टि करता है कि सच्चा मोक्ष ज्ञान में निहित है और शिक्षा मुक्ति और सेवा का उच्चतम मार्ग है ।

विषय सूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
1.	शिवाजी कॉलेज के बारे में	4
2.	कॉलेज का विजन और मिशन	8
3.	कॉलेज का बुनियादी ढांचा	11
4.	शिक्षा से परे जीवन - समितियां	14
5.	प्रवेश 2025-26 के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रम और स्वीकृत संख्या	22
6.	यूजीसीएफ 2025-26 के तहत प्रवेश के लिए सामान्य दिशानिर्देश	24
7.	विभिन्न यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संयोजन	26
8.	दिल्ली विश्वविद्यालय अधिसंख्या कोटा के माध्यम से प्रवेश	28
9.	प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेजों की सूची	29
10.	प्रवेश संबंधी समितियां	30
11.	खेल और ईसीए सीट मैट्रिक्स	31
12.	यूजीसीएफ संरचना 2025-26	32
13.	सेमेस्टर एक के लिए मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम एवं सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम की पेशकश	32
14.	विभाग	33
15.	प्रभारी-शिक्षकों की सूची 2025-26	47
16.	प्रशासन	47
17.	छात्रवृत्ति	48
18.	अध्यादेश/नियम	49
19.	पहचान पत्र	58
20	शैक्षणिक सत्र 2025-26 की शुल्क संरचना	59

शिवाजी कॉलेज के बारे में

डॉ पंजाबराव देशमुख

शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रमुख सह-शिक्षा घटक महाविद्यालय, 1961 में शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में और प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और दूरदर्शी, भारत के पहले कृषि मंत्री डॉ पंजाबराव देशमुख के विज़न के अनुसार स्थापित किया गया था । महान मराठा योद्धा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर, कॉलेज वीरता, ज्ञान और सांस्कृतिक स्थिरता के लिए एक श्रद्धांजलि के रूप में खड़ा है । दशकों से, यह अकादमिक उत्कृष्टता और समग्र छात्र विकास के एक गतिशील केंद्र के रूप में विकसित हुआ है, जो दृढ़ता से भारतीय संस्कृति के लोकाचार पर आधारित है ।

राजा गार्डन, नई दिल्ली में 10.35 एकड़ के शांत परिसर में स्थित, शिवाजी कॉलेज विज्ञान, मानविकी और वाणिज्य जैसे विषयों में 20 स्नातक और 3 स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें 4000 से अधिक छात्र पढ़ते है और कॉलेज 150 से अधिक समर्पित संकाय सदस्यों द्वारा समर्थित है । कॉलेज व्यापक रूप से अपने अभिनव शिक्षाशास्त्र, अंतःविषय पाठ्यक्रम, और सामाजिक इक्विटी, पारिस्थितिक स्थिरता, और मूल्य आधारित शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के लिए मान्यता प्राप्त है । इसका आदर्श वाक्य, "अमृतम तू विद्या" (ज्ञान अमर है), मुंडक उपनिषद से लिया गया है, जो चरित्र निर्माण और राष्ट्र-निर्माण के साधन के रूप में शिक्षा के अपने दृष्टिकोण को समाहित करता है।

शिवाजी कॉलेज अकादमिक और संस्थागत नवाचार में सबसे आगे है । पिछले दो वर्षों में, कॉलेज ने गुणवत्ता वृद्धि के लिए कई नई योजनाएं और उपाय शुरू किए हैं। प्रिंसिपल इंटर्नशिप स्कीम (पी आई एस), दिल्ली विश्वविद्यालय की कुलपति इंटर्नशिप योजना के बाद तैयार की गई थी, जिसे 2024-25 में छात्रों को संस्थागत प्रक्रियाओं और वास्तविक दुनिया के कामकाज के लिए व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए शुरू किया गया था । पचास छात्रों ने ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप (24 जून - 31 जुलाई, 2024) को सफलतापूर्वक पूरा किया, जबकि 28 छात्रों ने 20 सितंबर, 2024 से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र के दौरान विस्तारित इंटर्नशिप की।

छत्रपति शिवाजी महाराज की 350 वीं राज्याभिषेक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, कॉलेज ने 25 साल की समर्पित सेवा का सम्मान करने के लिए शिवराज भूषण पुरस्कार की स्थापना की । 6 जून, 2024 को, यह पुरस्कार 20 शिक्षण स्टाफ सदस्यों को प्रदान किया गया—जिनमें प्रिंसिपल प्रोफेसर वीरेंद्र भारद्वाज—और 28 गैर-शिक्षण स्टाफ सदस्य शामिल थे, जो संस्थान की ईमानदारी और विरासत के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाता है।

पर्यावरणीय स्थिरता कॉलेज की पहचान है । परिसर में सालाना 95,000 किलोवाट से अधिक सौर ऊर्जा संयंत्र, प्रति वर्ष 27,62,162.16 लीटर प्रसंस्करण करने वाला एक सीवेज उपचार संयंत्र (दिल्ली विश्वविद्यालय में अपनी तरह का पहला), और सालाना 1.2 लाख लीटर की क्षमता वाली वर्षा जल संचयन इकाइयां हैं। इसके अतिरिक्त, जैव-खाद सुविधाएं प्रति वर्ष 2,080 किलोग्राम खाद का उत्पादन करती हैं, और परिसर 450+ पेड़ों के साथ वृक्षारोपण अभियान का रखरखाव करता है। कॉलेज कागज और खाद्य अपशिष्ट रीसाइक्लिंग सिस्टम के साथ-साथ परिचालन मधुमक्खियों के साथ एक पुनर्जीवित हर्बल उद्यान भी आयोजित करता है, एकल-उपयोग प्लास्टिक, एलईडी प्रकाश व्यवस्था और एक वाहन-मुक्त ग्रीन ज़ोन पर सख्त प्रतिबंध, सामूहिक रूप से पारिस्थितिक सद्भाव सुनिश्चित करता है ।

अनुसंधान और नवाचार कॉलेज के मूलभूत स्तंभ हैं। 2024-25 में, इंट्राम्यूरल रिसर्च स्कीम ने पांच नई बहु-विषयक परियोजनाओं को वित्त पोषित किया, जिसमें प्रति परियोजना ₹30,000 से ₹1,00,000 तक की फंडिंग बढ़ गई । परियोजनाओं में भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बहाल करना और एकीकृत करना: एक भगवद गीता परिप्रेक्ष्य; कला और साहित्य के माध्यम से भारत के विभाजन का पुनरीक्षण; कोल जनजाति का सामाजिक-आर्थिक विकास और सांस्कृतिक पहचान (चित्रकूट, म.प्र.) बेसिलस एन्थ्रेसिस म्यूटेंट का उपयोग करके एंथ्रेक्स वैक्सीन विकास; और प्यूरीन एनालॉग्स के माइक्रोवेव-असिस्टेड संश्लेषण आदि है । जीजाबाई एकेडमिक ब्लॉक में समर्पित अनुसंधान प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं, जबकि शिवराज 350: मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल के शुभारंभ ने कॉलेज की शोध साख को और मजबूत किया है।

मूल्य वर्धित शिक्षा कई ऐड-ऑन और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्राथमिकता बनी हुई है, जिसमें पोल्ट्री फार्मिंग: ए कम्प्लीट गाइड, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में पौधों की भूमिका, मानसिक क्षमता और तार्किक तर्क, उन्नत चुनावी अध्ययन और वोटिंग व्यवहार विश्लेषण, डेटा विश्लेषण और विज़ुअलाइज़ेशन के लिए एक्सेल और पायथन जैसे अंतःविषय और अंतर-कॉलेज कार्यक्रम शामिल हैं , वित्तीय साक्षरता पर शुरुआती मॉड्यूल, सॉफ्टवेयर, डिजिटल फोरेंसिक और साइबर इंटेलिजेंस के माध्यम से रसायन विज्ञान को समझना, और अकादमिक लेखन के लिए लाटेक्स। **IIT** बॉम्बे के स्पोकन ट्यूटोरियल के साथ सहयोग पायथन, LaTeX और Arduino में प्रमाणपत्र प्रदान करता है । कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग के माध्यम से फ्रेंच और जर्मन में अंशकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और समर्थ भारत के सहयोग से उधमोदय शिवाजी कॉलेज के तहत स्पंदन का उपयोग करके ऐप डेवलपमेंट नामक एक उद्यमिता पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है।

महिला विकास प्रकोष्ठ (**WDC),** सामुदायिक उत्थान, स्थिरता और संस्कृति में उत्कृष्टता के लिए 2010 से प्रतिवर्ष प्रदान किए जा रहे जीजाबाई अचीवर्स पुरस्कारों के अलावा, 2024-25 में दो नए पुरस्कार पेश किए: जीजाबाई यंग अचीवर्स अवार्ड और जीजाबाई कर्मचारी मान्यता पुरस्कार ।

151 छात्रों को प्रदान की गई कुल 11,97,200/- रु की पर्याप्त शुल्क रियायतों के माध्यम से छात्र कल्याण को और सुदृढ़ किया जाता है | जिसमें 85 छात्रों (30 विकलांग व्यक्ति, 52 अनाथ और 3 मेधावी विद्याथयों) के लिए पूर्ण छूट शामिल है । दक्षिण कोरिया से हाना छात्रवृत्ति ने 16 योग्य छात्रों में से प्रत्येक को ₹42,358 प्रदान किए छात्रों ।

कॉलेज लगातार विभिन्न पहलों के माध्यम से अपने विजन और मिशन को प्रभावी ढंग से लागू करने का प्रयास करता है। विशेष रूप से, औद्योगिक विकास योजना (आईडीपी) को कॉलेज के भीतर सक्रिय रूप से लागू किया जाता है, जिसका उद्देश्य अकादमिक संवर्धन और समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्यों के साथ संस्थागत विकास को संरेखित करना है । यह योजना अपने समुदाय को सशक्त बनाने, नवीन प्रथाओं को बढ़ावा देने और सीखने और व्यक्तिगत विकास का समर्थन करने वाले गतिशील वातावरण का पोषण करने के लिए कॉलेज के समर्पण को दर्शाती है।

कॉलेज के बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण विस्तार देखा गया है । जीजाबाई अकादमिक ब्लॉक में वातानुकूलित विभागीय कमरे और जैव रसायन, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, अंग्रेजी और राजनीति विज्ञान के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं हैं । भौतिकी और पर्यावरण विज्ञान विभागों को पुराने भवन में स्थानांतरित कर दिया गया है । जैव रसायन, रसायन विज्ञान, प्राणि विज्ञान और कंप्यूटर विज्ञान (उन्नत आई सी टी उपकरणों से लैस) में नई प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं, और भूगोल विभाग में एक जी आई एस प्रयोगशाला स्थापित की गई है। जीजाबाई ब्लॉक के भूतल पर स्थित नव स्थापित कौशल संवर्धन केंद्र समाज के लिए कुशल और रोजगार परक छात्र तैयार करने की दिशा में काम करेगा ।

कॉलेज में पांच नए नामति सभागार- चाणक्य सभागार, तानाजी मालुसरे सभागार, छत्रपति संभाजी सभागार, पेशवा बाजीराव सभागार, और समर्थ गुरु रामदास हॉल हैं, जिनका उद्घाटन शिवाजी जयंती 2025 के दौरान श्रीमती विजया रहाटकर, अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा किया गया था।pus.

प्रमुख स्थानों (पुस्तकालय, स्टाफरूम, बर्सर कार्यालय, जीजाबाई सभागार और विभागीय कमरे) में स्थापित 10 नए वाई-फाई राउटर, जीजाबाई ब्लॉक की दूसरी और तीसरी मंजिल पर लैन कनेक्टिविटी, 21 नए कंप्यूटर और पूरे परिसर में स्थापित 10 प्रोजेक्टर स्क्रीन के साथ आई सी टी बुनियादी ढांचे में काफी वृद्धि की गई है ।

छात्र सुविधाओं को भी उन्नत किया गया है: गर्ल्स कॉमन रूम में अब एसी, एक सैनिटरी पैड डिस्पेंसर और एक रेफ्रिजरेटर शामिल है | बॉयज़ कॉमन रूम नया सुसज्जित है, कैंटीन में एक पुनर्निर्मित रसोईघर और वाशिंग क्षेत्र है | आठ नए वाटर कूलर लगाए गए हैं | एक नवीकृत बास्केटबॉल कोर्ट और एक नए वॉलीबाल कोर्ट के साथ खेल सुविधाओं में सुधार किया गया है; और दृश्यता और ब्रांडिंग के लिए तीन नए होडग लगाए गए हैं।

भूषण ग्रंथालय पुस्तकालय ने 2024-25 में 1,386 नई पुस्तकों के साथ अपने संग्रह का विस्तार किया, जिससे 7 शोध पत्रिकाओं, 18 पत्रिकाओं और छत्रपति शिवाजी महाराज पर एक समर्पित अनुभाग के साथ कुल 83,983 पुस्तकें हो गईं ।

शिवाजी कॉलेज, शिवाजी कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन (एस सी ए ए) के माध्यम से अपने जीवंत पूर्व छात्रों के नेटवर्क पर भी गर्व करता है, जो आधिकारिक तौर पर 17 सितंबर, 2024 को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत है । इसके विशिष्ट सदस्यों में श्री डीके शर्मा, आईजी (सेवानिवृत्त) और दिल्ली विश्वविद्यालय के अकादमिक नेतृत्व करने वाले पेशेवर शामिल हैं । विकसित भारत @ 2047 की राष्ट्रीय दृष्टि के साथ संरेखण में, शिवाजी कॉलेज कल के विचारकों, नवप्रवर्तकों और परिवर्तन निर्माताओं को आकार देने वाली एक परिवर्तनकारी संस्था के रूप में अपनी भूमिका की कल्पना करता है। परंपरा और आधुनिकता, छात्रवृत्ति और सेवा, शिक्षाशास्त्र और प्रैक्सिस के एक सहज मिश्रण के माध्यम से, कॉलेज स्वदेशी ज्ञान प्रणाली, सतत विकास, अनुसंधान-संचालित शिक्षाशास्त्र और समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखता है । भारतीय संस्कृति में गहराई से निहित और समग्र शिक्षा के आदर्शों द्वारा निर्देशित, शिवाजी कॉलेज 2047 तक एक लचीला, न्यायसंगत और प्रबुद्ध भारत के निर्माण के लिए समर्पित है ।

कॉलेज का विजन और मिशन

विजन

कॉलेज के आदर्श वाक्य "अमृतम तू विद्या" (ज्ञान शाश्वत है) के सार को ध्यान में रखते हुए, शिवाजी कॉलेज को उच्च शिक्षा और समग्र विकास के एक गतिशील केंद्र के रूप में देखा गया है। शिवाजी कॉलेज एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में खड़ा है जो भारतीय संस्कृति और ज्ञान, ज्ञान, चरित्र-निर्माण और आत्म-साक्षात्कार की पवित्र खोज में गहराई से निहित है, जो उपनिषद शिक्षण को प्रतिध्वनित करता है:

"विद्ययाअमृतमश्नुते। "(मुंडक उपनिषद 1.2.12)
"ज्ञान के माध्यम से, व्यक्ति अमरत्व प्राप्त करता है "

भारतीय संस्कृति में सच्ची विद्या को भौतिक संसार को पार करने और बौद्धिक, स्वैच्छिक (इच्छा), और आध्यात्मिक पूर्ति प्राप्त करने के साधन के रूप में सम्मानित किया जाता है । इस दर्शन में निहित, शिवाजी कॉलेज ज्ञान (ज्ञान), कर्म (कार्य), इच्छा (आकांक्षा), और धर्म (धार्मिक कर्तव्य) के सामंजस्य के लिए प्रतिबद्ध है , अकादमिक उत्कृष्टता, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय और नैतिक जिम्मेदारी की गहन भावना को बढ़ावा देता है ।

संस्था नवाचार और रचनात्मकता के लिए अनुकूल पोषण, प्रगतिशील और अनुकूल वातावरण बनाती है, जहां विचार, अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक स्थिरता की स्वतंत्रता पनपती है । यह आशावादी, संसाधनपूर्ण, प्रतिबद्ध, भावुक और नैतिक रूप से आधारित भविष्य के नेताओं की पीढ़ी दर पीढ़ी का उत्पादन करने का लगातार प्रयास करता है जो समाज और राष्ट्र को हर मामले में सकारात्मक रूप से बदल सकते हैं।

मिशन

अपनी दृष्टि के साथ संरेखित, कॉलेज का मिशन पारंपरिक सीमाओं से परे सीखने का विस्तार करना है | निम्नलिखित मुख्य उद्देश्यों के माध्यम से बौद्धिक रूप से उत्सुक, पर्यावरण के प्रति जागरूक और नैतिक रूप से जिम्मेदार व्यक्तियों का निर्माण करने के उद्देश्य से अनुभवात्मक, अंतःविषय और सामाजिक रूप से व्यस्त शिक्षा प्रदान करना है:

अकादमिक उत्कृष्टता और पूछताछ-संचालित पर्यावरण:

समकालीन वैज्ञानिक प्रगति के साथ अनुसंधान, अंतःविषय शिक्षा और भारतीय ज्ञान प्रणालियों के एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए एक कठोर, पूछताछ-संचालित शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देना। कॉलेज वर्तमान में 18 विभागों में 20 स्नातक और 3 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो 4087 से अधिक छात्रों की सेवा करता है।

समावेशिता,लोकतंत्र और सांस्कृतिक विविधता:

लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक समावेशिता और सांस्कृतिक विविधता के प्रति सम्मान का पोषण करने के लिये लक्षित कार्यक्रमों और वित्तीय सहायता के माध्यम से उन छात्रों के लिये समान अवसर सुनिश्चित करना जो विकलांग हैं या आर्थिक रूप से कमज़ोर / हाशिए की पृष्ठभूमि से हैं।

लैंगिक संवेदनशीलता और प्रतिच्छेदन:

लैंगिक मुद्दों और प्रतिच्छेदन के प्रति संवेदनशीलता पैदा करने के लिए, कॉलेज जीजाबाई पुरस्कार, महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यूडीसी) और समान अवसर कार्यक्रमों जैसी पहलों के माध्यम से महिलाओं और कम प्रतिनिधित्व वाले समुदायों के प्रतिनिधित्व और सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करता है।

पारिस्थितिक स्थिरता:

पारिस्थितिक चेतना और स्थिरता को स्थापित करने के लिए, कॉलेज एक सौर ऊर्जा संयंत्र, एक 27 लाख+ लीटर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, आरओ अपशिष्ट जल रीसाइक्लिंग, खाद और वर्मीकम्पोस्टिंग इकाइयों, हर्बल गार्डन में मधुमक्खी के छत्ते की शुरूआत, ऊर्जा-कुशल एलईडी प्रकाश व्यवस्था, जिम्मेदार ई-कचरा निपटान, और एक वाहन-मुक्त क्षेत्र बनाए रखने सहित पर्याप्त परिसर पहल करता है।

सह-पाठयक्रम और सांस्कृतिक जुड़ाव:

जीवंत सह-पाठयक्रम जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के लिए, कॉलेज नियमित रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे वाइब्रेशन 2025, राज्याभिषेक महोत्सव और शिवाजी जयंती का आयोजन करता है, जो छात्र-नेतृत्व वाले समुदायों, अंतर-विभागीय त्योहारों और व्यापक खेल टूर्नामेंटों द्वारा पूरक हैं।

अनुभवात्मक और उद्योग-उन्मुख शिक्षा:

सिद्धांत और व्यवहार के बीच की खाई को पाटने के लिए, कॉलेज प्रिंसिपल इंटर्नशिप स्कीम (2024-25 में 43 छात्रों को गर्मियों और साल भर की इंटर्नशिप से लाभान्वित करना), अंतःविषय मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (इको-फ्रेंडली प्रैक्टिसेज, डेटा एनालिसिस, पोल्ट्री फार्मिंग, ड्रोन टेक्नोलॉजी) और करियर डेवलपमेंट के तहत समर्थ भारत जैसे संस्थानों के साथ उद्योग-उन्मुख समझौता ज्ञापनों जैसी सहयोगी पहलों को प्रोत्साहित करता है (ख) केन्द्रीय (सीडीसी) और उद्यमिता प्रकोष्ठ, उधमोदय शिवाजी कॉलेज।

अनुसंधान, नवाचार और बौद्धिक विनिमय:

अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए, कॉलेज ने इंट्राम्यूरल रिसर्च फंडिंग (₹30,000 से ₹1,00,000 तक) को बढ़ाया है, सालाना 5 नई अंतःविषय अनुसंधान परियोजनाओं का समर्थन करता है, प्रतिष्ठित एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित 4 बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन कर रहा है | एआई-संचालित एनालिटिक्स, IoT और नैनो टेक्नोलॉजी में पेटेंट हासिल कर रहा है, और विद्वानों के प्रवचन के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में शिवराज 350: मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल लॉन्च किया है |

बुनियादी ढांचा विकास और तकनीकी प्रगति:

शैक्षणिक और प्रशासनिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना। इस दिशा में नवीनतम उपाय प्रयोगशालाओं (भूगोल और जैव रसायन) के आधुनिकीकरण, आईसीटी-सक्षम कक्षाओं के उन्नयन, अतिरिक्त वाई-फाई राउटर, निगरानी कैमरे स्थापित करने, संकाय के लिए एडोब क्रिएटिव क्लाउड लाइसेंस प्राप्त करने और भूषण ग्रंथालय में छत्रपति शिवाजी महाराज के सम्मान में समर्पित स्थानों की स्थापना की दिशा में हैं। इसके अतिरिक्त, कॉलेज ने महान ऐतिहासिक व्यक्तित्वों- चाणक्य, पेशवा बाजीराव, छत्रपति संभाजी, तानाजी मालुसरे और समर्थ गुरु रामदास के नाम पर पांच अत्याधुनिक सभागारों का नाम औपचारिक रूप से रखा है। कॉलेज में कार्यान्वित अवसंरचनात्मक विकास योजना (आईडीपी) कॉलेज के विजन और मिशन के साथ पूर्ण संरेखण में कार्य करती है।

छात्र वित्तीय सहायता और छात्रवृत्ति:

कॉलेज लगातार छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस दिशा में कुछ प्रयास 696 छात्रों (2023-24) को छात्रवृत्ति में दिए गए ₹29,04,690 और 151 छात्रों (2024-25) को ₹11,97,200 के रूप में दिए गए हैं, जिसमें अलग-अलग, अनाथ, या उच्च प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए पूर्ण छूट शामिल है, साथ ही दक्षिण कोरिया के हाना फाइनेंशियल ग्रुप जैसे अंतरराष्ट्रीय लाभार्थियों और उमराव सिंह सुशीला देवी छात्रवृत्ति जैसे स्थानीय प्रबंध भी इसमें शामिल हैं |

छात्र और पूर्व छात्रों की मान्यता:

महत्वपूर्ण छात्र और पूर्व छात्रों की उपलब्धियों का उत्सव मनाने के लिए, कॉलेज ने हाल ही में कॉमर्स गोल्ड मेडलिस्ट आशुतोष को प्रतिष्ठित 'शिवाजी रत्न', आईआईटी जैम अचीवर प्रियांशु (एआईआर -18), डीयू इंटर-कॉलेज चैंपियनशिप में स्पोर्ट्स चैंपियन, धनगार्ड दुबई में ₹24 एलपीए तक की पेशकश और फोटोथॉन 2025 में ₹1,00,000 का पुरस्कार जैसे महत्वपूर्ण सम्मान हासिल करने के लिए सम्मानित किया।

संकाय उन्नति और संस्थागत नेतृत्व:

निरंतर व्यावसायिक विकास का समर्थन करने के लिए, कॉलेज नियमित रूप से यूजीसी मानदंडों के अनुसार शिक्षकों को बढ़ावा देता है, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में संकाय भागीदारी को प्रोत्साहित करता है, संकाय को दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर विशिष्ट नेतृत्व की स्थिति लेने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे संस्थागत प्रतिष्ठा और प्रभाव बढ़ता है ।

सामुदायिक जुड़ाव और सामाजिक उत्तरदायित्व:

कॉलेज सक्रिय रूप से राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के माध्यम से छात्रों को संलग्न करता है, गणतंत्र दिवस परेड, नेतृत्व शिविर जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता, स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रीय गौरव पर केंद्रित व्यापक सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करता है।

सहयोगात्मक शैक्षणिक पहल:

कॉलेज लगातार प्रभावशाली शैक्षणिक पहल करता है, जिसमें "विकसित भारत @ 2047" और शैक्षिक फाउंडेशन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 जैसे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शामिल हैं, जो भारतीय ज्ञानमीमांसा, स्वदेशी ज्ञान प्रणाली, नवाचार और स्थिरता को मजबूत करते हैं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों को आकर्षित करते हैं ।

खेल, कल्याण और परिसर सुविधाएं:

एक समावेशी और सहायक सीखने के माहौल को बढ़ावा देने के लिए शिवाजी कॉलेज खेल सुविधाओं (बास्केटबॉल कोर्ट, क्रिकेट टूर्नामेंट, एथलेटिक्स मीट) का नवीनीकरण करके, कॉमन रूम (सैनिटरी डिस्पेंसर और रेफ्रिजरेटर के साथ गर्ल्स कॉमन रूम, बॉयज कॉमन रूम) को अपग्रेड करके, स्वच्छ पेयजल सुविधाएं स्थापित करके और कैंटीन स्वच्छता में सुधार करके परिसर की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास शील है ।जैसे-जैसे शिवाजी कॉलेज अपनी ग्रेड 'ए' नैक मान्यता और एन आई आर एफ रैंकिंग में प्रभावशाली 49वीं रैंक के साथ आगे बढ़ रहा है, वैसे ही यह अकादमिक उत्कृष्टता, नवीन अनुसंधान, समग्र छात्र विकास, सामुदायिक जुड़ाव और पारिस्थितिक नेतृत्व की अपनी विरासत पर निर्माण करना जारी रखता है। संस्थान उच्च शिक्षा और अनुसंधान में अनुकरणीय मानक स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो लगातार अपनी गहन दार्शनिक दृष्टि और विशाल, दूरंदेशी मिशन द्वारा निर्देशित है।

कॉलेज की पहल और बुनियादी ढांचा

प्रतिष्ठित संकाय

शिवाजी कॉलेज में एक समर्पित और गतिशील संकाय है जो छात्रों को पाठ्यपुस्तकों से परे सोचने और वास्तविक दुनिया के मुद्दों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करके समग्र विकास को बढ़ावा देता है। कई संकाय सदस्य पीएचडी के विद्यार्थियों का निर्देशन करते हैं और यूजीसी द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान और विश्वविद्यालय प्रायोजित नवाचार परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं । आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) शैक्षणिक मानकों को बनाए रखने और छात्र प्रगति की जांच करने, शिक्षण में निरंतर सुधार और उत्कृष्टता की संस्कृति सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भूषण ग्रंथालय: कॉलेज लाइब्रेरी

कॉलेज के पुस्तकालय में 82,575 पुस्तकें हैं और 7 प्रिंट पत्रिकाओं की सदस्यता भी पुस्तकालय में ली गई है। सभी पुस्तकें बार-कोडेड हैं और इनमें RFID टैग हैं। पुस्तकालय में 2019 से KOHA लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर है। इसमें छात्रों के लिए एक रीडिंग हॉल (90 की बैठने की क्षमता), और कंप्यूटर सुविधाओं के साथ दो हॉल हैं: एक छात्रों के लिए (बैठने की क्षमता 75) और दूसरा संकाय के लिए (15 की बैठने की क्षमता)। दृष्टिबाधित छात्रों के लिए 3 एंगल (टॉकिंग डिजिटल पोर्टेबल डेज़ी प्लेयर), 29 टेप रिकॉर्डर, 9 आई-पीओडी, 2 ब्रेल किट, 1 लेक्स एयर (पोर्टेबल कैमरा रीडिंग सिस्टम), और नोटबुक कंप्यूटर हैं।

पुस्तकालय https://nlist.infibnet.ac.in/ पर 6000 से अधिक ई-पत्रिकाओं और 1,99,500 से अधिक ई-पुस्तकों, राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय पर 6,00,000 ई-पुस्तकों, डेलनेट पर 14,378 ई-पत्रिकाओं और 1,16,991 ई-पुस्तकों तक पहुंच प्रदान करता है, और www.du.ac.in पोर्टलों पर कई और ई-पुस्तकों और डेटाबेस तक पहुंच प्रदान करता है।

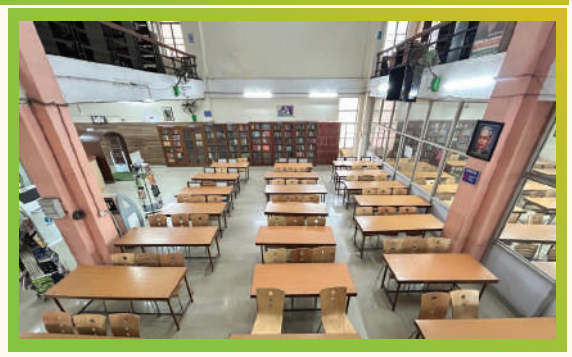

खेल और क्रीड़ा

शिवाजी कॉलेज में विविध प्रकार के खेल और खेल सुविधाएं हैं जो अपने छात्रों की जरूरतों को पूरा करती हैं। कॉलेज एक खेल परिसर से सुसज्जित है जिसमें एक फुटबॉल मैदान, बास्केटबॉल कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, टेनिस कोर्ट, क्रिकेट ग्राउंड और शतरंज के लिए इनडोर सुविधाएं शामिल हैं। फ्लड लाइट, लॉकर/चेंजिंग रूम, स्टोर रूम, ग्राउंड-मैन रूम और वॉशरूम जैसी अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। छात्र सक्रिय रूप से विभिन्न इंटर-कॉलेज और इंट्रा-कॉलेज टूर्नामेंट में भाग लेते हैं, अपने कौशल और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हैं। कॉलेज शिक्षाविदों और खेल के बीच एक स्वस्थ संतुलन को प्रोत्साहित करता है, छात्रों को मैदान पर और बाहर दोनों जगह अपने चुने हुए विषयों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के अवसर प्रदान करता है। फ्लड लाइट, लॉकर/चेंजिंग रूम, स्टोर रूम, ग्राउंड-मैन रूम और वॉशरूम जैसी अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं ।

कॉलेज कैफेटेरिया

कॉलेज कैफेटेरिया एक लोकप्रिय छात्र हैंगआउट है जो जीवंत माहौल में स्वच्छ, किफायती भोजन पेश करता है। परिसर में एक ब्रू कियोस्क और एक वाडीलाल बूथ है | जिनमें विविध प्रकार के स्नेक्स और पेय पदार्थ उपलब्ध हैं |

अवकाश और मनोरंजन

कॉलेज छात्र कल्याण के लिए पूरी तरह से सुसज्जित है और वातानुकूलित छात्र और छात्राओं के कॉमन रूम प्रदान करता है। ये स्थान छात्रों को आराम करने, बातचीत करने और अनौपचारिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए एक आरामदायक वातावरण प्रदान करते हैं ।

प्रयोगशालाएँ

कॉलेज विज्ञान और मानविकी पाठ्यक्रमों के लिए आधुनिक और कुशलतापूर्वक प्रबंधित प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है, जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, जूलॉजी, भूगोल, जैव रसायन और वनस्पति विज्ञान प्रयोगशाला। पुरानी इमारत में 9 प्रयोगशालाएं हैं। भूगोल विभाग में दो प्रयोगशालाएं हैं: जीआईएस और रिमोट सेंसिंग प्रयोगशाला से लैस और मानचित्र बनाने और स्थानिक दृश्य के लिए एक राज्य कार्टोग्राफी प्रयोगशाला। चार इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशालाएं हैं, वनस्पति विज्ञान, जैव रसायन, रसायन विज्ञान और भौतिकी विभागों में एक-एक, और जूलॉजी विभाग में एक संग्रहालय है। इनके अलावा, चार कंप्यूटर प्रयोगशालाएं हैं। सभी प्रयोगशालाएं वाई-फाई सक्षम हैं और प्रोजेक्टर से लैस हैं। इसके अतिरिक्त, जीजाबाई अकादमिक ब्लॉक में नवीनतम अत्याधुनिक कंप्यूटरों के साथ जैव रसायन, रसायन विज्ञान, जूलॉजी और कंप्यूटर विज्ञान विभागों को नई प्रयोगशालाएं सौंपी गईं ।

पत्रिका

कॉलेज पत्रिका, शिवराज, युवा दिमागों को अपने अनुभव, विचार और राय साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। पत्रिका अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत में छात्रों और शिक्षकों के योगदान प्रकाशित करती है। लेख, कविताएँ, निबंध और कहानियाँ विभिन्न विषयों में छात्रों के साहित्यिक कौशल को प्रदर्शित करती हैं। छात्रों की भागीदारी को एक कवर डिजाइन प्रतियोगिता आयोजित करके सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाता है, जो पत्रिका को बाहर लाने में रचनात्मक इनपुट प्रदान करता है |

कॉलेज ऑडिटोरियम

कॉलेज में चार सभागार हैं: पेशवा बाजीराव सभागार, छत्रपति संभाजी सभागार, और तानाजी मालुसरे सभागार नए भवन में है, और पुराने भवन में चाणक्य सभागार है । सभागार एक अत्याधुनिक ऑडियो-विजुअल सिस्टम, एक प्रोजेक्टर और स्टेज लाइटिंग व्यवस्था से सुसज्जित हैं। वे विभिन्न पाठ्येतर, सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों जैसे सेमिनार, वार्ता, वाद-विवाद, नाटक, फिल्म स्क्रीनिंग और विभागीय त्योहारों के केंद्र हैं। कई छात्रों के लिए, सभागार वह मंच प्रदान करते हैं जहां वे अपने मंच के डर को दूर करते हैं और अपने कॉलेज जीवन में अपना पहला प्रदर्शन देना सीखते हैं।

अनुसंधान की नई दिशाएं और अवसर

कॉलेज नवाचार परियोजनाओं के माध्यम से अंतःविषय और ट्रांसडिसिप्लिनरी अनुसंधान को बढ़ावा देता है जो अनुसंधान अनुदान को पूरा करता है। नए जीजाबाई अकादमिक ब्लॉक में अनुसंधान प्रयोगशालाएं भी हैं। मुफ्त वाई-फाई लॉगिन यह सुनिश्चित करता है कि छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सब्सक्राइब किए गए ई-पत्रिकाओं और ऑनलाइन डेटाबेस तक पहुंचें।

जर्मन और फ्रेंच में विदेशी भाषा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

शिवाजी कॉलेज की ऐड-ऑन और मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम समिति का गठन उन पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए किया गया था जो छात्रों को उनके नियमित पाठ्यक्रम से परे सीखने के अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। पाठ्यक्रम पारंपरिक शैक्षणिक दायरे से परे जाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जो अमूल्य अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक कौशल प्रदान करते हैं।

कॉलेज जर्मन और फ्रेंच में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो सभी धाराओं के छात्रों के लिए खुले हैं। यह कोर्स दो सेमेस्टर की अवधि के लिए है, और कक्षाएं सप्ताह में तीन बार आयोजित की जाती हैं। इस पाठ्यक्रम में शामिल होने वाले छात्रों को अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में

बैठने के लिए 66 प्रतिशत उपस्थिति मानदंडों को पूरा करना होता है। दो सेमेस्टर के सफल समापन पर, छात्र को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एक प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाता है।

छात्र सूचना प्रणाली

शिवाजी प्लेटफॉर्म फॉर एकेडमिक कनेक्ट एंड एम्पावरमेंट (SPACE) एक अत्याधुनिक ERP प्रणाली है। यह सभी छात्रों के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो उपस्थिति और आंतरिक मूल्यांकन की निगरानी के लिए ऑनलाइन पहुंच प्रदान करता है।

बैंकिंग सुविधा

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की कॉलेज परिसर के भीतर एक शाखा है। कर्मचारी और छात्र खाते खोल सकते हैं और अन्य बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

ज़ेरॉक्स सुविधा

कॉलेज के भीतर दो ज़ेरॉक्स केंद्र हैं, जहां छात्र मामूली दर पर फोटोकॉपी और बुकबाइंडिंग सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं। एक फोटोकॉपी आउटलेट मुख्य द्वार से सटा हुआ है, और दूसरा पुस्तकालय परिसर से संचालित होता है।

विश्व विश्वविद्यालय सेवा (WUS) स्वास्थ्य केंद्र

कॉलेज में छात्रों और विश्वविद्यालय के सदस्यों के लिए परिसर में एक डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केंद्र है। छात्र 120 रुपये वार्षिक की मामूली दर पर स्वास्थ्य सुविधाओं - आपातकालीन सेवाओं, मुफ्त परामर्श और मुफ्त चिकित्सा लाभ का लाभ उठा सकते हैं।

आईसीटी-सशक्त भविष्य के लिए तैयार परिसर

शिवाजी कॉलेज शिक्षा और परिसर संचालन में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के लिए प्रतिबद्ध है। कॉलेज ने अपने आईसीटी बुनियादी ढांचे को नए स्थापित और नवीनीकृत प्रोजेक्टर, उन्नत प्रस्तुति प्रणाली और 21 नए कंप्यूटरों के आगामी जोड़ के साथ अपग्रेड किया है। कई मंजिलों में राउटर और लैन एक्सेस की स्थापना के साथ वाईफाई कनेक्टिविटी को काफी बढ़ाया गया है, जिससे निर्बाध इंटरनेट एक्सेस सुनिश्चित होता है। सीसीटीवी कैमरों का एक नेटवर्क परिसर की सुरक्षा को मजबूत करता है, जिससे कॉलेज डिजिटल रूप से सशक्त भविष्य के लिए तैयार होता है।

हरित पहल

शिवाजी कॉलेज कंपोस्टिंग इकाइयों, अपशिष्ट पुनर्चक्रण, एक सौर ऊर्जा संयंत्र और एक अत्याधुनिक सीवेज उपचार प्रणाली के माध्यम से स्थिरता में अग्रणी है। परिसर में आरओ अपशिष्ट-जल पुन: उपयोग, हर्बल गार्डन में एक मधुमक्खी का छत्ता, एलईडी प्रकाश व्यवस्था, ई-कचरा निपटान, और एक वाहन-मुक्त क्षेत्र है - जो एक हरे, पर्यावरण के अनुकूल वातावरण के लिए अपनी मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सामंजस्यपूर्ण वातावरण

कॉलेज प्रशासन ने प्रिंसिपल के कार्यालय के बाहर छात्रों के लिए एक शिकायत बॉक्स लगाया है, जहां यौन उत्पीड़न, रैगिंग और छेड़छाड़ से संबंधित शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं। कॉलेज परिसर एक धूम्रपान मुक्त और वाहन मुक्त क्षेत्र है, जो छात्रों की भलाई के लिए एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करता है।

शिक्षा से परे जीवन - समितियां

ऐड-ऑन और मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम समिति

शिवाजी कॉलेज में ऐड-ऑन और मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम समिति ऐसे कार्यक्रम प्रदान करती है जो पारंपरिक शैक्षणिक पाठ्यक्रम से परे हैं, छात्रों को मूल्यवान अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक कौशल से लैस करते हैं। 2024-25 शैक्षणिक सत्र के दौरान, कॉलेज ने सफलतापूर्वक आठ अंतःविषय और अंतर-कॉलेज ऐड-ऑन पाठ्यक्रम आयोजित किए। आईआईटी बॉम्बे द्वारा स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट के एक अकादमिक भागीदार के रूप में, शिवाजी कॉलेज ने छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए छः स्व-पुस्तक पाठ्यक्रम (पायथन, लाटेक्स, अरुडिनो, आर, ग्नुप्लॉट और एवोगैड्रो) की सुविधा प्रदान की।

इसके अतिरिक्त, इस सहयोग के तहत MOODLE LMS पर एक स्व-पुस्तक राष्ट्रीय स्तर के संकाय विकास कार्यक्रम (FDP) का आयोजन किया गया था। कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग के सहयोग से फ्रेंच और जर्मन में अंशकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी प्रदान किए।

पूर्व छात्र संबंध समिति

पूर्व छात्र संबंध समिति (ए आर सी) की स्थापना कॉलेज के पूर्व छात्रों और वर्तमान छात्रों के बीच संपर्क के रूप में की गई है। यह एक जीवंत और व्यस्त पूर्व छात्र नेटवर्क को बढ़ावा देने में मदद करता है जो छात्र विकास के हितों, अवसरों, सूचनाओं और संसाधनों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है। इसके लिए, एआरसी व्याख्यान श्रृंखला जैसी विभिन्न पहलों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है, जहां प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों को अपने भविष्य की आकांक्षाओं में छात्रों को प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने के लिए अपने अनुभव और ज्ञान साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है; स्टूडेंट मेंटरशिप प्रोग्राम, जिसके तहत उल्लेखनीय पूर्व छात्र विशिष्ट विषयों पर छात्रों को सलाह देते हैं, जिसमें सरकारी फैलोशिप और आगे की शिक्षा कार्यक्रम शामिल हैं | सोशल मीडिया श्रृंखला 'ह्यूमन ऑफ शिवाजी' में युवा पूर्व छात्रों के साथ बातचीत शामिल है, और 'इंटर्नशिप के साथ मेरा अनुभव' उन छात्रों के अनुभवों को पेश करता है जो अपनी स्नातक शिक्षा के दौरान इंटर्नशिप कार्यक्रमों में संलग्न होते हैं। हमारा वार्षिक कार्यक्रम, 'एलुमनी मीट', पूर्व छात्रों को अपने पूर्व संस्थान के साथ फिर से जुड़ने, रिश्तों को गहरा करने और वर्तमान छात्रों को प्रोत्साहित करने की अनुमति देता है।

17 सितंबर, 2024 को शिवाजी कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 (पंजीकरण संख्या 1860) के तहत बनाया गया था। सोसाइटी/वेस्ट/2024/8902807)। पूर्व छात्र संबंध समिति और शिवाजी कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन (एससीएए) वित्त जुटाने और कॉलेज कल्याण और प्रगति को बढ़ावा देने के लिए सहयोग करते हैं।

पर्यावरण और आपदा प्रबंधन समिति केंद्र

शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में पर्यावरण और आपदा प्रबंधन केंद्र (सीईडीएम), पर्यावरणीय स्थिरता और आपदा लचीलापन में अनुसंधान, शिक्षा और प्रथाओं को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित एक महत्वपूर्ण केंद्र है। सी ई डी एम पर्यावरणीय चुनौतियों और आपदा जोखिमों को दबाने के लिए अंतःविषय दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करता है, मानव गतिविधियों और प्राकृतिक प्रणालियों के बीच परस्पर क्रिया की व्यापक समझ को बढ़ावा देता है। अपनी पहल के माध्यम से, केंद्र का उद्देश्य जागरूकता पैदा करना, स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना और प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए रणनीति विकसित करना है । केंद्र का मानना है कि आपदा जोखिम में कमी केवल सभी हितधारकों को शामिल करते हुए एक "रोकथाम की संस्कृति" को बढ़ावा देने के माध्यम से संभव है। छात्रों, शिक्षकों और व्यापक समुदाय को शामिल करके, सीईडीएम एक जानकार और सक्रिय समाज बनाने का प्रयास करता है जो पर्यावरणीय मुद्दों को कम करने और आपदा तैयारियों और प्रतिक्रिया को बढ़ाने में सक्षम है ।

कॉलेज रिसर्च एंड इनोवेशन सेल

शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में कॉलेज रिसर्च एंड इनोवेशन सेल (सीआरआईसी) एक गतिशील पहल है जो संकाय और छात्रों को अंतःविषय अनुसंधान और अभिनव परियोजनाओं में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करके एक मजबूत अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देता है।

प्रमुख पहलों में शामिल हैं

- वार्षिक अनुसंधान उत्सव-सृजन: सीआरआईसी का प्रमुख कार्यक्रम, सृजन, छात्रों और शिक्षकों को अपने शोध निष्कर्षों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- लघु अनुसंधान परियोजनाएँ: शैक्षणिक सत्र 2024-25 में, प्रकोष्ठ ने इंट्राम्यूरल रिसर्च स्कीम के तहत पाँच लघु अनुसंधान परियोजनाओं को मंज़ूरी दी, जिसमें प्रत्येक परियोजना को 1 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ। यह पहल छात्रों के साथ-साथ प्रभावशाली अनुसंधान प्रयासों को आगे बढ़ाने में संकाय सदस्यों का समर्थन करती है।
- 'शिवराज 350: मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल' का प्रकाशन: अकादमिक उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने के लिए, CRIC ने शिवराज 350 लॉन्च किया है, जो एक बहु-विषयक पत्रिका है जिसका उद्देश्य अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों में अत्याधुनिक शोध प्रकाशित करना है।

सी आर आई सी नियमित रूप से प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों को समकालीन अनुसंधान चुनौतियों और अवसरों पर अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए आमंत्रित करता है। अंतःविषय सहयोग को बढ़ावा देकर, धन सहायता की पेशकश करके, और ज्ञान-साझाकरण कार्यक्रमों का आयोजन करके, सेल संस्थान के भीतर अकादमिक अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सांस्कृतिक समिति

कॉलेज की सांस्कृतिक समिति कलात्मक और सौंदर्य अभिव्यक्ति का एक माध्यम है, जो छात्रों को अपने साथ गतिशील समितियों के अंतर्गत अपनी विविध प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के प्रचुर अवसर प्रदान करती है। पूरे शैक्षणिक वर्ष के दौरान, सांस्कृतिक समिति विभिन्न प्रकार के समृद्ध कार्यक्रमों का आयोजन करती है, जिसकी शुरुआत ओरिएंटेशन प्रोग्राम से होती है, जिसे कॉलेज समुदाय में फ्रेशर्स को मूल रूप से एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए देशभक्ति और मनोरंजक प्रदर्शन एक साथ रखे जाते हैं। स्पिक मैके के साथ साझेदारी में, कॉलेज छात्रों को भारत की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत में डुबो देता है, जिसमें शास्त्रीय नृत्य और संगीत प्रदर्शन शामिल हैं

सांस्कृतिक समिति की गतिविधियों का शिखर वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, वाइब्रेशन है। यह उत्सव विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागियों को आकर्षित करता है जो एक उत्साही और सहायक वातावरण में वाद-विवाद, संगीत, फैशन, नृत्य, ललित कला, फोटोग्राफी और थिएटर में फैले कार्यक्रमों में प्रतिस्पर्धा करते हैं। फेस्टिवल का समापन ग्रैंड स्टार-नाइट फिनाले में होता है। सांस्कृतिक समिति के भीतर प्रत्येक समिति शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में नए सदस्यों के लिए ऑडिशन आयोजित करता है। समितियां इस प्रकार हैं:

बिज़ार - फैशन सोसायटी

बिज़ार फैशन सोसायटी व्यापक छात्र भागीदारी को आकर्षित और प्रदर्शित करती है | फैशन प्रस्तुतियों को सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों के साथ बुना जाता है, जो व्यापक प्रशंसा प्राप्त करते हैं। समिति "पनाचे" का आयोजन करती है, जो कई टीमों को आकर्षित करने वाला एक प्रमुख प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम है। बिज़ार को इंट्रा और इंटर-यूनिवर्सिटी प्रतियोगिताओं दोनों में अत्यधिक सम्मानित किया जाता है।

डिक्टम - द पब्लिक स्पीकिंग सोसाइटी

डिक्टम छात्रों को अंग्रेजी और हिंदी दोनों में संसदीय और पारंपरिक वाद-विवाद प्रारूपों के माध्यम से विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है। सोसाइटी प्रतिष्ठित वार्षिक प्रतियोगिताओं की मेजबानी करती है, जैसे "शिवाजी भोंसले वाद-विवाद प्रतियोगिता", "जीजाबाई वाद-विवाद प्रतियोगिता" और "एथेना", जो विश्वविद्यालय सर्किट के भीतर उच्च लोकप्रियता का आनंद लेते हैं, एक उच्च मतदान प्राप्त करते हैं और उत्साही प्रतिक्रिया प्राप्त करते हैं।

शटरबग्स - फोटोग्राफी और फिल्म निर्माण सोसायटी

शटरबग्स, फोटोग्राफी और फिल्म मेकिंग सोसाइटी, अपने सदस्यों के कौशल को पेशेवर स्तर पर विकसित करती है, उनके काम को कई स्तरों और क्षेत्रों में प्रशंसा मिलती है। सोसायटी उन्नत पोस्ट-प्रोसेसिंग तकनीकों पर काम करता है, देश भर में फोटोग्राफी यात्राएं आयोजित करता है, और अनुभवी फोटोग्राफरों और फिल्म निर्माताओं के साथ इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करता है। शटरबग्स का वार्षिक उत्सव, "सिनेड्रोम", विभिन्न प्रकार की प्रतिस्पर्धी गतिविधियां पेश करता है ।

वयम - द थिएटर सोसाइटी

वयम दिल्ली विश्वविद्यालय में सबसे प्रतिष्ठित थिएटर समूहों में से एक है, जिसमें पुरस्कारों की एक प्रभावशाली श्रृंखला है। सोसायटी को सर्वश्रेष्ठ टीम प्रदर्शन, पटकथा, निर्देशन, संगीत और अभिनय के लिए मान्यता दी गई है, वयम ने एनएसडी, पृथ्वी थिएटर, सिरी फोर्ट

ऑडिटोरियम और कमानी ऑडिटोरियम जैसे प्रसिद्ध स्थानों पर प्रदर्शन किया है। वयम अपने वार्षिक कार्यक्रम "उद्घोष" का आयोजन करता है और पर्याप्त मीडिया कवरेज प्राप्त करता है ।

विबग्योर - द फाइन आर्ट्स सोसाइटी

विबग्योर कलात्मक रूप से इच्छुक छात्रों को अपनी प्रतिभा विकसित करने के लिए एक असाधारण मंच प्रदान करता है। सोसायटी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर अंतर-कॉलेज समारोहों में सक्रिय रूप से भाग लिया है और एक ही शैक्षणिक वर्ष में लगभग सौ पुरस्कार जीते हैं। विबग्योर कलाकारों के एक जीवंत समुदाय को बढ़ावा देने के लिए सालाना कई प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों का आयोजन करता है ।

TEDx शिवाजी कॉलेज

TEDx शिवाजी कॉलेज उन विचारों के साथ वक्ताओं को जोड़ता है जो दृष्टिकोण बदलते हैं और आकर्षक, विचारोत्तेजक बातचीत को बढ़ावा देते हैं । TEDx इवेंट्स में नई संभावनाओं को प्रेरित करने और स्थानीय कार्रवाई को चलाने के लिए TED टॉक वीडियो और लाइव प्रस्तुतियों का संयोजन होता है। TEDx का वैश्विक आदर्श वाक्य, "आइडियाज वर्थ स्प्रेडिंग," शिवाजी कॉलेज के मिशन के साथ संरेखित है - "एक जीवन को बदलें, राष्ट्र को बदलें । विशेष रूप से, दिल्ली विश्वविद्यालय के केवल कुछ चुनिंदा कॉलेजों ने TEDx कार्यक्रमों की सफलतापूर्वक मेजबानी की है।

इस वर्ष, यह कार्यक्रम "बहुरूपदर्शक-अनंत संभावनाओं के लेंस के माध्यम से" विषय पर आयोजित किया गया था। एक बहुरूपदर्शक की तरह जो हर मोड़ के साथ नए पैटर्न प्रकट करता है, इस घटना ने नए विचारों और परिवर्तन को प्रेरित करने के लिए एक साथ आने वाले विविध दृष्टिकोणों का जश्न मनाया ।

पर्यावरण और स्थिरता समिति

शिवाजी कॉलेज की पर्यावरण और स्थिरता समिति पर्यावरणीय जिम्मेदारी और सतत विकास के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता की आधारशिला है । कॉलेज इको क्लब के साथ घनिष्ठ समन्वय में काम करने वाली समिति, छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच पारिस्थितिक जागरूकता और हरित प्रथाओं को सक्रिय रूप से बढ़ावा देती है । इसकी व्यापक जिम्मेदारियों में अवसंरचनात्मक और समुदाय-आधारित स्थिरता की पहल दोनों शामिल हैं, जो शिवाजी कॉलेज को दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर एक मॉडल ग्रीन कैंपस के रूप में स्थापित करते हैं। समिति की एक प्रमुख जिम्मेदारी कॉलेज के 130 केएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और 10 केएलडी एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) का संचालन और रखरखाव है, जो एक साथ परिसर में उत्पन्न अपशिष्ट जल के कुशल उपचार और पुनर्चक्रण को सुनिश्चित करते हैं । उपचारित जल का पुन: उपयोग बागवानी प्रयोजनों के लिए किया जाता है, मीठे पानी के संसाधनों पर निर्भरता को कम करता है और परिपत्र जल प्रबंधन को बढ़ावा देता है ।

कॉलेज को 75 केवीए रूफटॉप सौर ऊर्जा प्रणाली के रखरखाव के माध्यम से अक्षय ऊर्जा द्वारा भी संचालित किया जाता है। यह न केवल संस्थान के कार्बन उत्सर्जन में कटौती करने में मदद करता है बल्कि समग्र बिजली व्यय को भी कम करता है। अपशिष्ट प्रबंधन के संदर्भ में, समिति एक एकीकृत प्रणाली की देखरेख करती है जिसमें भोजन और जैविक कचरे को पोषक तत्वों से भरपूर खाद में बदलने के लिए एक जैव-खाद इकाई, वर्मी-कंपोस्टिंग पिट और बायो-बिन शामिल हैं। इस खाद का प्रभावी ढंग से कॉलेज के बगीचों और हरे भरे स्थानों को बनाए रखने में उपयोग किया जाता है, जिससे जैविक कचरे पर लूप बंद हो जाता है। जैव विविधता संरक्षण समिति का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य है। कॉलेज खूबसूरती से भू-भाग वाले लॉन, पेड़ प्रजातियों की एक विस्तृत विविधता और औषधीय पौधों की 40 से अधिक प्रजातियों की विशेषता वाला एक समर्पित हर्बल उद्यान रखता है। ये हरे भरे स्थान न केवल परिसर की सौंदर्य अपील को बढ़ाते हैं बल्कि पर्यावरण सीखने और जागरूकता के लिए लाइव प्रयोगशालाओं के रूप में भी काम करते हैं। समिति परिसर के पर्यावरणीय प्रदर्शन का आकलन और लगातार सुधार करने के लिए प्रमाणित एजेंसियों के माध्यम से नियमित रूप से ग्रीन ऑडिट और ऊर्जा ऑडिट आयोजित करने की व्यवस्था करती है। ये ऑडिट अंतराल की पहचान करने, बेंचमार्क सेट करने और भविष्य की स्थिरता पहलों का मार्गदर्शन करने में मदद करते हैं। अपने निरंतर और अभिनव प्रयासों के माध्यम से, पर्यावरण और स्थिरता समिति शिवाजी कॉलेज में स्थिरता की संस्कृति के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती है, हितधारकों को सशक्त बनाती है।

समावेशन समिति

शिवाजी कॉलेज की समावेशन समिति परिसर में समावेशिता के विचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता को पूरा करती है। समर्थकारी इकाई, पूर्वोत्तर प्रकोष्ठ और समावेशन संवर्धन केन्द्र संयुक्त रूप से समावेशन समिति के अंतर्गत मिलकर कार्य करते हैं। समिति के छात्रों और संकाय सदस्यों के संयुक्त प्रयास से परिसर और उसके बाहर समानता, सहानुभूति और विविधताओं की स्वीकृति का एक संवेदनशील वातावरण बनाने में मदद मिलती है। समिति परिसर में अधिक सूचित और संवेदनशील स्थान बनाने के लिए लगातार जागरूकता का पोषण करने की दिशा में छात्रों और संकाय के दिमाग को प्रोत्साहित करने के लिए सक्रिय रूप से विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस)

कॉलेज का एन एस एस शिक्षकों और छात्रों की क्षमता का मिश्रण है, जो बौद्धिक, सामाजिक और नैतिक रूप से विकसित होने के लिए मिलकर काम करते हैं। यह एक बहु-आयामी रणनीति का अनुसरण करता है। विश्वविद्यालय को प्राप्त सूचनाओं के अनुसार, एक स्तर पर, राज्य के निर्देशों को छात्रों द्वारा नई ऊर्जा के साथ संबोधित किया जाता है। एक अन्य स्तर पर इकाई इसी तरह, एनएसएस पंजीकृत स्वयंसेवकों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के आयोजन में विश्वास करती है, चाहे वह छात्र प्रतियोगिताएं हों, आउटरीच अभ्यास, भ्रमण, ऑनलाइन अभियान, या नाटक हों। शिवाजी कॉलेज में एनएसएस का आदर्श वाक्य निष्काम कर्म है, और प्रिंसिपल, प्रो वीरेंद्र भारद्वाज के अथक प्रयास, इसकी गतिविधियों में नई ऊर्जा का संचार करते हैं।

नेशनल कैडेट कोर (एन. सी. सी.)

नेशनल कैडेट कोर (एन. सी. सी.) शिवाजी कॉलेज की इकाई में नेतृत्व, अनुशासन और सेवा में प्रशिक्षित छात्रों का एक प्रतिबद्ध समूह शामिल है। लड़कों का विंग दूसरी दिल्ली बटालियन, आईटीआई पूसा, नई दिल्ली से जुड़ा हुआ है और लड़कियों का विंग 7वीं दिल्ली गर्ल्स बटालियन, कीर्ति नगर के अंतर्गत आता है। हमारे कैडेट विभिन्न क्षेत्रीय और राष्ट्रीय शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और लगातार प्रशंसा अर्जित करते हैं, जिससे कॉलेज को सम्मान मिलता है। वे गणतंत्र दिवस शिविर, सेना अनुलग्नक शिविर, थल सेना शिविर, पर्वतारोहण, ट्रेकिंग अभियान और पैरासेलिंग शिविरों जैसे प्रतिष्ठित प्रशिक्षण अवसरों से परिचित होते हैं।

एन.सी.सी. प्रशिक्षण सशस्त्र बलों में करियर के लिए एक महत्वपूर्ण द्वार के रूप में भी कार्य करता है। जो कैडेट प्रतिष्ठित 'सी' प्रमाणपत्र प्राप्त करते हैं, वे सेवाओं की चयन बोर्ड (एस.एस.बी.) साक्षात्कार में सीधे प्रवेश के पात्र होते हैं। इसके साथ ही, भारतीय सैन्य अकादमी (आई. एम.ए.) और अधिकारियों का प्रशिक्षण अकादमी (ओ.टी.ए.) में आरक्षित सीटें भी उपलब्ध होती हैं। इसके अतिरिक्त, 'सी' प्रमाणपत्र धारकों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) जैसे बीएसएफ, सीआरपीएफ और आईटीबीपी में भर्ती के लिए प्राथमिकता दी जाती है। उन्हें यूपीएससी (सीडीएस), राज्य लोक सेवा आयोगों, पुलिस सेवाओं और अन्य केंद्र और राज्य सरकार के नौकरी क्षेत्रों द्वारा आयोजित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में बोनस अंक या वेटेज भी प्रदान किया जाता है।

इसके अलावा, एन. सी. सी. कैडेट अपने अनुशासन, नेतृत्व और सेवा प्रतिबद्धता के कारण कई सरकारी छात्रवृत्ति के पात्र होते हैं। शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में चिकित्सकीय रूप से फिट रहने वाले छात्रों के लिए नामांकन खुला रहता है। इच्छुक छात्र नामांकन प्रक्रिया के लिए एन. सी. सी. प्रभारी लेफ्टिनेंट प्रो. राजिंदर सिंह (बॉयज़ डिवीजन) और लेफ्टिनेंट डॉ. दीप्ति (गर्ल्स विंग) से संपर्क कर सकते हैं।

प्लेसमेंट एंड इंटर्नशिप प्रकोष्ठ

शिवाजी कॉलेज में एक बहुत ही सक्रिय प्लेसमेंट और इंटर्नशिप प्रकोष्ठ है जो अपने छात्रों को इंटर्नशिप और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए साल भर काम करता है। यह प्रकोष्ठ भारत और विदेशों में रोजगार और भविष्य के कैरियर विकल्पों के लिए सॉफ्ट स्किल, स्ववृत्त लेखन, व्यक्तित्व विकास, साक्षात्कार कौशल और अन्य कौशल जैसे विभिन्न विषयों पर कौशल विकास कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का भी आयोजन करता है। ये कार्यशालाएं और सेमिनार छात्रों को वर्तमान नौकरी बाजार में प्रचलित परिदृश्यों के बारे में पर्याप्त जानकारी भी देते हैं। छात्र कॉलेज की वेबसाइट पर दिए गए लिंक के माध्यम से प्लेसमेंट/इंटर्नशिप के लिए खुद को पंजीकृत कर सकते हैं। यह प्रकोष्ठ दिल्ली विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के साथ भी समन्वय करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों की विश्वविद्यालय परिसर में आने वाली कंपनियों द्वारा प्रदान किए गए अवसरों तक भी पहुंच हो। सत्र 2024-25 में आयोजित विभिन्न ऑन कैंपस अभियानों में हमारे छात्रों को डेलॉयट, एक्सेंचर, कॉग्निजन इनोवेशन, डीई शॉ इंडिया, वेस्पायर एडटेक प्राइवेट लिमिटेड, एस्ट्रोटॉक, क्यूएक्स ग्लोबल ग्रुप, ईजी ट्रिप प्लानर्स (ईजमीट्रिप), बजाज कैपिटल, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड और कई अन्य कंपनियों में रखा गया था। इस वर्ष प्लेसमेंट और इंटर्नशिप मेले में **100** से अधिक कंपनियों ने भाग लिया। प्लेसमेंट एंड इंटर्नशिप सेल छात्रों को गर्मियों की छुट्टी के दौरान इंटर्नशिप लेने के लिए प्रोत्साहित करती है क्योंकि यह उन्हें उद्योग का अनुभव देती है और उन्हें प्लेसमेंट के लिए तैयार करती है। प्रकोष्ठ हर साल कॉलेज में प्लेसमेंट और इंटर्नशिप मेले का आयोजन करता है जो छात्रों को पर्याप्त अवसर प्रदान करता है।

प्रिंसिपल इंटर्नशिप स्कीम 2024-25

समर इंटर्नशिप 2024

शिवाजी कॉलेज ने प्रिंसिपल इंटर्नशिप स्कीम (पीआईएस) **2024-25** के रूप में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप **2024** का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य छात्रों को उनकी गर्मियों की छुट्टियों के दौरान व्यावहारिक और अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करना था। आवेदकों के एक समूह से, **50** स्नातक छात्रों को शुरू में उनके सी. जी. पी. ए. के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया गया था और बाद में एम. सी. क्यू. परीक्षण, समूह चर्चा और साक्षात्कार सहित एक चयन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा, जिससे अंततः **15** प्रशिक्षुओं का चयन हुआ। इन चयनित छात्रों को प्रशासन, लेखा और पुस्तकालय विभागों में कार्य सौंपे गए थे। इंटर्नशिप, जिसने **120** घंटे के काम के लिए प्रति छात्र **6,000** रुपये के पारिश्रमिक की पेशकश की, **24** जून, **2024** को शुरू हुई, और **31** जुलाई, **2024** को सफलतापूर्वक समाप्त हुई, जिसमें सभी **15** प्रशिक्षुओं ने अपना कार्य पूरा किया।

अकादमिक सत्र इंटर्नशिप 2024-25

पीआईएस **2024-25** के तहत अकादमिक सत्र इंटर्नशिप **20** सितंबर, **2024** को शुरू हुई, जिसमें विभिन्न शैक्षणिक धाराओं के कुल **28** छात्र शामिल हुए। इस इंटर्नशिप में कॉलेज कार्यालय में **8** इंटर्नशिप शामिल थीं, जिन्हें एक आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से भरा गया था, और **20** विभागीय इंटर्नशिप शामिल थीं, और संबंधित विभागों की सिफारिशों के आधार पर भरा गया था। शैक्षणिक सत्र इंटर्नशिप के लिए अंतिम चयन सी. जी. पी. ए., एम. सी. क्यू. परीक्षा और व्यक्तिगत साक्षात्कार द्वारा निर्धारित किया गया था। इन प्रशिक्षुओं ने **31** मार्च, **2025** तक अपने **200** घंटे के कार्य पूरे कर लिए, जिनमें से प्रत्येक को **12,000** रुपये का पारिश्रमिक प्राप्त हुआ। कुल मिलाकर, दोनों इंटर्नशिप कार्यक्रम सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटने में महत्वपूर्ण साबित हुए, जिससे छात्र अपनी शिक्षा को वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में लागू कर सके। इसके अलावा, इंटर्नशिप ने संचार, टीम वर्क और समस्या-समाधान सहित महत्वपूर्ण तकनीकी और सॉफ्ट कौशल के विकास को बढ़ावा दिया, जिससे प्रशिक्षुओं के रिज्यूम (बायोडेटा) में वृद्धि हुई और उनकी रोजगार क्षमता में सुधार हुआ। प्रिंसिपल इंटर्नशिप स्कीम सालाना छात्रों को ग्रीष्मकालीन और शैक्षणिक सत्र इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करती है।

राजभाषा समिति

शिवाजी कॉलेज में राजभाषा कार्यान्वयन समिति या राजभाषा समिति महाविद्यालय के भीतर राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए एक जिम्मेदार निकाय के रूप में कार्य करती है। यह शिवाजी कॉलेज के शिक्षकों, छात्रों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के बीच राजभाषा के कार्यान्वयन का मूल्यांकन करता है और गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने में भी अग्रणी भूमिका निभाता है।

उल्लेखनीय है कि शिवाजी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के उन चुनिंदा कॉलेजों में से एक है जिन्होंने दो साल के कार्यकाल के साथ माननीय सांसद श्री भर्तुहरि महताब की अध्यक्षता वाली प्रतिष्ठित संसदीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति के समक्ष अपना निरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और उन्हें प्रतिष्ठित संसदीय समिति से कुछ महत्वपूर्ण निर्देश और सुझाव मिले हैं।

शिवाजी कॉलेज की राजभाषा समिति को दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों के बीच नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति का सदस्य होने पर गर्व है। यह समिति छात्रों, शिक्षकों और संस्थान के कर्मचारियों के बीच राजभाषा के कार्यान्वयन को लगातार प्रोत्साहित करती है। हमारे प्राचार्य प्रोफेसर वीरेंद्र भारद्वाज के नेतृत्व में, राजभाषा समिति राजभाषा हिंदी पर केंद्रित महत्वपूर्ण वार्षिक कार्यक्रमों का आयोजन करती है, जिसमें लेखन प्रतियोगिताएं, वेबसाइट के माध्यम से हिंदी भाषा शिक्षण, कार्यशालाएं और हिंदी हस्ताक्षर अभियान शामिल हैं। इन गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट नियमित रूप से कॉलेज की वेबसाइट और नरकास दिल्ली मध्य के साथ साझा की जाती है।

पिछले साल, शिवाजी कॉलेज ने माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में पुणे में आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की थी। **26** मई **2025** को, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर मजहर आसिफ की अध्यक्षता में नारकास दिल्ली मध्य की महत्वपूर्ण बैठक में शिवाजी कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय के एकमात्र प्रतिनिधि कॉलेज के रूप में भाग लिया। बैठक के दौरान, राजभाषा समिति के नोडल अधिकारी और संयोजक ने शिवाजी कॉलेज में राजभाषा के कार्यान्वयन पर अर्ध-वर्षीय रिपोर्ट माननीय अध्यक्ष और गृह मंत्रालय के राजभाषा अभियान के संयुक्त निदेशक को प्रस्तुत की।

राष्ट्र निर्माण के इस महान प्रयास में, शिवाजी कॉलेज में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का प्रत्येक सदस्य-चाहे वह शिक्षक हो, छात्र हो या कर्मचारी-राजभाषा कार्यान्वयन की मशाल को प्रज्वलित करने में उत्साहपूर्वक योगदान देता है। वे यह सुनिश्चित करते हैं कि आने वाली पीढ़ियाँ अपनी भाषाई विरासत से जुड़ी रहें और दूसरों के बीच इस चेतना को जगाने के लिए उत्साह के साथ प्रयास करें।

उपचारात्मक प्रकोष्ठ

शिवाजी कॉलेज का उपचारात्मक प्रकोष्ठ उन छात्रों को अकादमिक सहायता प्रदान करने के लिए एक समर्पित पहल है जो अपने पाठ्यक्रम से निपटने में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। यह प्रकोष्ठ छात्रों की विविध शिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने और यह सुनिश्चित करके समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कि शैक्षणिक कठिनाइयों के कारण कोई भी शिक्षार्थी पीछे न रहे। उपचारात्मक प्रकोष्ठ छात्रों को विषयों की उनकी समझ में सुधार करने और उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ाने में मदद करने के लिए विशेष कक्षाओं, संदेह-समाशोधन सत्रों और मार्गदर्शन कार्यक्रमों का आयोजन करता है। ये सत्र अनुभवी संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित किए जाते हैं और इन्हें मुख्य अवधारणाओं, पाठ्यक्रम के संशोधन और परीक्षाओं की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार किया जाता है। अकादमिक मार्गदर्शन के अलावा, यह प्रकोष्ठ छात्रों को आत्मविश्वास पैदा करने और सीखने की चुनौतियों से उबरने में मदद करने के लिए परामर्श और प्रेरणा भी प्रदान करता है।उपचारात्मक प्रकोष्ठ सभी विभागों और कॉलेज के शैक्षणिक निकायों के साथ निकट समन्वय में काम करता है ताकि जरूरतमंद छात्रों की पहचान की जा सके और उन्हें समय पर सहायता प्रदान की जा सके। अपने छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से, **उपचारात्मक प्रकोष्ठ** एक सहायक और न्यायसंगत सीखने के वातावरण को बढ़ावा देने के कॉलेज के मिशन में योगदान देता है, जिससे सभी छात्र अपनी शैक्षणिक क्षमता का एहसास कर सकते हैं।

शिवाजी अकादमिक संवर्धन केंद्र (एसएईसी)

कॉलेज के शिवाजी अकादमिक संवर्धन केंद्र का उद्देश्य सीखने के अवसरों को बढ़ाकर और आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमताओं को बढ़ावा देकर छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देना है। वर्ष भर, एसएईसी ऐसी गतिविधियों का आयोजन करता है जो अपनी तीन उपसमितियोंः दिशा, स्पैड और लिटरेरी सोसाइटी के तहत छात्रों को शामिल करती हैं और प्रेरित करती हैं।

दिशा सिविल सर्विसेज सोसाइटी ऑफ शिवाजी कॉलेज सिविल सर्विसेज के उम्मीदवारों को उनकी परीक्षा की तैयारी में सहायता करने और छात्रों को वर्तमान मामलों के बारे में सूचित रखने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करती है। यह अनुभवी सिविल सेवकों और विषय विशेषज्ञों के नेतृत्व में व्याख्यानों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए समर्पित है। दिशा यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्रदान करती है। दिशा की पहलों का उद्देश्य राष्ट्र के प्रशासन और विकास में योगदान देने के लिए तैयार जानकार, प्रेरित और सामाजिक रूप से जिम्मेदार व्यक्तियों के समुदाय को विकसित करना ह

स्पैड, सोसाइटी फॉर प्रैक्टिकल एप्लीकेशन एंड डेवलपमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, अकादमिक कठोरता के साथ विभिन्न सामाजिक-आर्थिक मुद्दों की खोज और विश्लेषण करती है। समाज विविध कार्यशालाओं, व्याख्यानों की श्रृंखला, संवादात्मक सत्रों और संगोष्ठियों के माध्यम से अनुप्रयोग आधारित और अनुसंधान-उन्मुख कौशल विकास को बढ़ावा देता है। समाज का उद्देश्य व्यावहारिक अनुप्रयोगों को बढ़ावा देना और कई आर्थिक मुद्दों पर विश्लेषणात्मक क्षमताओं, रचनात्मकता और गहन ज्ञान का समावेश करना है।

लिटरेरी सोसाइटी छात्रों के बीच साहित्यिक प्रशंसा, आलोचनात्मक सोच और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने के लक्ष्य के साथ पढ़ने और लिखने के जुनून को पोषित करने के लिए समर्पित है। यह छात्रों को उनके लिखित और बोले गए संचार कौशल को बढ़ाने के लिए विभिन्न मंच प्रदान करता है। समाज बहस, फिल्म प्रदर्शन, कविता स्लैम, पुस्तक चर्चा, साहित्यिक प्रश्नोत्तरी और लेखन कार्यशालाओं सहित कई कार्यक्रमों की मेजबानी करता है। इसके वार्षिक कार्यक्रम अभिव्यक्ति में अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला शामिल है जो साहित्यिक प्रतिभा का जश्न मनाती है। अपनी पहलों के माध्यम से, समाज एक समावेशी वातावरण विकसित करता है जहाँ विविध दृष्टिकोणों और आवाजों को प्रोत्साहित किया जाता है, उनका सम्मान किया जाता है और उनका मूल्य बढ़ाया जाता है।

उधमोदय फाउंडेशन समिति

उधमोदय फाउंडेशन समिति और एनेक्टस शिवाजी कॉलेज की एक गतिशील सहयोगी पहल है, जो परिसर में उद्यमिता और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देने वाली प्रमुख सोसायटी है। इस समिति की दृष्टि परिवर्तन का उत्प्रेरक बनकर एक गतिशील उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने की है, जिससे एक ऐसा भविष्य तैयार हो सके जहां हर जीवन मूल्यवान, सम्मानित और सशक्त हो।

यह समिति छात्रों को उनके नवीन विचारों को सफल व्यवसायों में बदलने में मदद करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है। उनका प्राथमिक मिशन उद्यमशीलता कौशल विकसित करने, स्टार्टअप का समर्थन करने और युवाओं को नौकरी सृजक बनने के लिए प्रेरित करने के इर्द-गिर्द घूमता है। समिति विभिन्न प्रकार की कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, प्रतियोगिताओं और कुशल उद्यमियों, उद्योग विशेषज्ञों और सलाहकारों के साथ संवादात्मक सत्रों की मेजबानी करती है। ये आयोजन छात्रों को उद्यमिता पर मूल्यवान दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, जिसका उद्देश्य उनकी व्यावसायिक अंतर्दृष्टि, समस्या-समाधान क्षमताओं, नेतृत्व गुणों और नवीन सोच को बढ़ावा देना है। इसके अतिरिक्त, समिति अपने वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम, बी-प्लान प्रतियोगिता की मेजबानी करती है, जिससे पूरे भारत के प्रतिभागियों को समान विचारधारा वाले व्यक्तियों के साथ अपनी स्टार्टअप अवधारणाओं और नेटवर्क को प्रस्तुत करने की अनुमति मिलती है। ये व्यावहारिक सीखने के अनुभव छात्रों को वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करने और प्रतिस्पर्धी उद्यमशीलता के माहौल में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं।

समिति ने विकसित भारत, विकसित स्टार्टअप (पैनल डिस्कशन, बिजनेस प्लान प्रतियोगिता और नेटवर्किंग सत्रों की विशेषता वाला प्रमुखता), विश्व उद्यमिता दिवस और ऐप डेवलपमेंट यूजिंग फ्लटर (स्किल ओरिएंटेड कोर्स) सहित छात्रों के बीच नवाचार, कौशल, उद्यमिता और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने वाले 2024-25 सत्र के दौरान प्रभावशाली कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

विद्या विस्तार स्कीम

दिल्ली विश्वविद्यालय की आउटरीच पहल के तहत शिवाजी कॉलेज की विद्या विस्तार योजना (वी2एस), आपसी सम्मान, सहयोग और साझा शैक्षणिक विकास पर आधारित न्यायसंगत संस्थागत साझेदारी को बढ़ावा देती है। कॉलेज नियमित आभासी आदान-प्रदान के माध्यम से सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज, बुर्टुक और हिमालय डिग्री कॉलेज, राजौरी (जे एंड के) के साथ सक्रिय शैक्षणिक जुड़ाव बनाए रखता है। अगस्त 2025 में, वी2एस आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करेगा जिसका शीर्षक होगा " बिरसा मुंडा का जीवन, नेतृत्व और विरासत: राष्ट्रीय भावना और आदिवासी सशक्तिकरण"।

महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यूडीसी)

शिवाजी कॉलेज की महिला विकास प्रकोष्ठ(डब्ल्यू. डी. सी.),लैंगिक संवेदनशीलता और एक अधिक न्यायपूर्ण एवं समतामूलक समाज के निर्माण के प्रति प्रतिबद्ध है। यह प्रकोष्ठ इस बात को पहचानता है कि लैंगिक असमानता केवल प्रत्यक्ष ही नहीं, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से भी असहिष्णुता और दमन का आधार बनती है। अतः यह हमारी दैनिक ज़िंदगी में लैंगिक भूमिकाओं की जटिलताओं को रचनात्मक तरीकों से उजागर करने और उनका समाधान खोजने का प्रयास करता है।

डब्ल्यूडीसी जिज्ञासा, संवाद और रचनात्मक जुड़ाव का वातावरण बनाने के लिए सभी लिंगों के छात्रों और शिक्षकों के साथ काम करता है। प्रकोष्ठ नियमित रूप से कॉलेज में लिंग संवेदीकरण, कानूनी जागरूकता और आत्मरक्षा पर सेमिनार, कार्यशालाएं और आउटरीच गतिविधियों का आयोजन करता है। इसके अलावा, पूरे वर्ष कई छात्र प्रदर्शन और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं।

पिछले एक दशक से भी अधिक समय से, शिवाजी कॉलेज की महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यू. डी. सी.), ने परिवर्तन लाने वाले व्यक्तित्वों का सम्मान करने हेतु 'जीजाबाई अचीवर्स अवॉर्ड्स' का वार्षिक आयोजन किया है। ये पुरस्कार महान नेता और योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की माता जीजाबाई के नाम पर स्थापित किए गए थे। इनका उद्देश्य उन व्यक्तियों को पहचान और सम्मान देना है, जो महिलाओं, किशोरियों, बच्चों तथा वंचित वर्गों के सशक्तिकरण हेतु असाधारण कार्य कर रहे हैं।

इन पुरस्कार विजेताओं की जीवन यात्राएँ छात्रों के लिए आश्चर्य, प्रेरणा और आशा का स्रोत बनती हैं। वर्ष 2024-25 में (डब्ल्यू. डी. सी.), ने दो नए पुरस्कार आरंभ किए।'जीजाबाई यंग अचीवर्स अवॉर्ड' और 'जीजाबाई कर्मचारी सम्मान पुरस्कार', ताकि शिवाजी कॉलेज के छात्रों और कर्मचारियों को भी इस सम्मान में सम्मिलित किया जा सके।

जीजाबाई पुरस्कारों के साथ, डब्ल्यूडीसी शिवाजी कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तक के रूप में एक वार्षिक प्रकाशन भी प्रकाशित करता है। विशिष्ट विषयों के बारे में विचारों, अनुसंधान, प्रश्नों और समकालीन बहसों पर प्रकाश डालते हुए, ये पुस्तकें लिंग जागरूकता और परिवर्तन के प्रति संस्थान की गौरवपूर्ण प्रतिबद्धता को मूर्त रूप देती हैं।

विभागीय समितियाँ

विभाग का नाम	समिति का नाम
बी. ए. (प्रो.)	चाणक्य
जैव रसायन विज्ञान	चैपरोन
वनस्पति विज्ञान	फ्रेगरेंस
व्यावसायिक अर्थशास्त्र	इनोवॉक
रसायन विज्ञान	रसतंत्रम
वाणिज्य	काइज़ेन
कंप्यूटर साइंस	वेबस्टर्स
अर्थशास्त्र	एपिटोम
अंग्रेज़ी	पांडेमोनियम
भूगोल	शिवालिक
इतिहास	इतिहास
हिंदी	साहित्य संगम
प्राणी शास्त्र विभाग	अरण्यम
गणित	टेसेरैक्ट
भौतिक विज्ञान	इनवेनियो
राजनीति विज्ञान	द डेमोक्रेट्स
संस्कृत	निःश्रेयस
प्राणी विज्ञान	ऑयस्टर

प्रवेश के लिए उपलब्ध और स्वीकृत संख्या वाले पाठ्यक्रम 2025- 26

Courses Available and Sanctioned Strength for Admission 2025-26 प्रवेश के लिए उपलब्ध और स्वीकृत संख्या वाले पाठ्यक्रम 2025-26						
पाठ्यक्रम की पेशकश (यूजी- प्रवेश आधारित) **Course Offered (UG- Entrance Based)**	कुल सीटें	सामान्य	एस सी	एसटी	ओबीसी	ई डब्ल्यू एस
विज्ञान-स्नातक (विशेष) गणित Bachelor of Science (Honours) Mathematics	115	46	17	9	31	12
वाणिज्य-स्नातक (विशेष) Bachelor of Commerce (Honours)	115	46	17	9	31	12
वाणिज्य-स्नातक [प्रो] Bachelor of Commerce (Prog.)	115	46	17	9	31	12
कला–स्नातक (विशेष) अर्थशास्त्र Bachelor of Arts (Honours) Economics	57	23	9	4	15	6

Courses Available and Sanctioned Strength for Admission 2025-26 प्रवेश के लिए उपलब्ध और स्वीकृत संख्या वाले पाठ्यक्रम 2025-26						
कला–स्नातक (विशेष)भूगोल Bachelor of Arts (Honours) Geography	57	23	9	4	15	6
कला–स्नातक (विशेष) हिन्दी Bachelor of Arts (Honours) Hindi	57	23	9	4	15	6
कला–स्नातक (विशेष)इतिहास Bachelor of Arts (Honours) History	57	23	9	4	15	6
कला–स्नातक (विशेष) राजनीति शास्त्र Bachelor of ArtsS (Honours) Political Science	57	23	9	4	15	6
कला-स्नातक (प्रो) Bachelor of Arts (PROG.)	231	93	35	17	63	23
कला–स्नातक (विशेष) अंग्रेजी Bachelor of Arts (Honours) English	57	23	9	4	15	6
कला–स्नातक (विशेष) संस्कृत Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit	57	23	9	4	15	6
विज्ञान-स्नातक (रसायन विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान) Bachelor of Science (Physical Science with Chemis-try)	39	16	6	3	10	4
विज्ञान-स्नातक (जीव विज्ञान) Bachelor of Science (Life Science)	115	46	17	9	31	12
विज्ञान-स्नातक (कंप्यूटर विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान) Bachelor of Science (Physical Science with Comput-er Science)	78	31	12	6	21	8
विज्ञान-स्नातक (विशेष) जीव रसायन Bachelor of Science (Honours) Biochemistry	39	16	6	3	10	4
विज्ञान-स्नातक (विशेष) वनस्पति विज्ञान Bachelor of Science (Honours) Botany	39	16	6	3	10	4
विज्ञान-स्नातक (विशेष) रसायन विज्ञान Bachelor of Science (Honours) Chemistry	39	16	6	3	10	4
विज्ञान-स्नातक (विशेष) भौतिकी Bachelor of Science (Honours) Physics	78	31	12	6	21	8
विज्ञान-स्नातक (विशेष)प्राणि विज्ञान Bachelor of Science (Honours) Zoology	39	16	6	3	10	4
कला–स्नातक (विशेष)) व्यवसाय अर्थशास्त्र Bachelor of Arts (Honours) Business Economics	78	31	12	6	21	8

पाठ्यक्रम की पेशकश (पीजी- प्रवेश आधारित) Course Offered (PG- Entrance Based)	कुल सीटें	सामान्य	एस सी	एसटी	ओबीसी	ईडब्ल्यू एस
कला-निष्णात (हिन्दी) MASTER OF ARTS (HINDI)	14	05	2	1	4	2
कला-निष्णात (राजनीति शास्त्र) MASTER OF ARTS (POLITICAL SCIENCE)	12	04	2	1	4	1
कला-निष्णात (संस्कृत) MASTER OF ARTS (SANSKRIT)	15	06	2	2	4	1

यूजीसीएफ 2025-26 के तहत प्रवेश के लिए सामान्य दिशा निर्देश

महत्वपूर्ण बिंदु

सीयूईटी (यूजी) - 2025 की आवश्यकताएँ:

- दिल्ली विश्वविद्यालय में सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश सी. यू. ई. टी. (यू. जी.) 2025 में प्राप्त अंकों पर आधारित है, जिसमें (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एस. ओ. एल.), गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एन. सी. डब्ल्यू. ई. बी.) और विदेशी नागरिकों के प्रवेश को छोड़कर)

पात्रता मानदंड

- *उम्मीदवारों को किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा की परीक्षा या इसके समकक्ष अध्ययन और उत्तीर्ण होना चाहिए।
- *उम्मीदवार को भारत में किसी भी बोर्ड/विश्वविद्यालय, या भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) द्वारा 10+2 प्रणाली के समकक्ष मान्यता प्राप्त किसी भी विदेशी देश से बारहवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण और अध्ययन किया हुआ होना चाहिए।
- *दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए, उम्मीदवार को उन विषयों में सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उपस्थित होना अनिवार्य है जिनमें उन्होंने बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की है।
- *यदि बारहवीं कक्षा में अध्ययन किए गए विषय का सीयूईटी (यूजी) - 2025 में उल्लेख नहीं किया गया है, तो उम्मीदवार को उस विषय में उपस्थित होना होगा जो बारहवीं कक्षा में पढ़े गए विषय के समान/निकट रूप से संबंधित है। (कम से कम 50% पाठ्यक्रम मेल खाना चाहिए।) विश्वविद्यालय समानता स्थापित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

प्रवेश प्रक्रिया

- आवंटन और प्रवेश केवल भाषाओं, डोमेन विशिष्ट विषयों या सामान्य योग्यता परीक्षा (जी. ए. टी.) के संयोजन पर आधारित होगा जिसमें एक उम्मीदवार संबंधित कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रता के अनुसार सी. यू. ई. टी. (यू. जी.) - 2025 में उपस्थित हुआ है।
- शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में प्रवेश के लिए केवल सीयूईटी (यूजी) - 2025 में प्राप्त अंकों पर ही विचार किया जाएगा।
- *उम्मीदवारों को कार्यक्रम-विशिष्ट आवश्यकताओं का सावधानी पूर्वक अध्ययन करना चाहिए और फिर सीयूईटी 2025 के विषय / या डोमेन विशिष्ट विषयों में उपस्थित होना चाहिए।

आवेदन और प्रवेश दिशानिर्देश

- दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों को दिल्ली विश्वविद्यालय की सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (यूजी)-2025 में भी आवेदन करना होगा। सीएसएएस (यूजी)-2025 आदि के माध्यम से आवंटन और प्रवेश से संबंधित विवरण दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अलग से अधिसूचित किए जाएंगे।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी)-2025 फॉर्म भरते समय सावधान रहना चाहिए क्योंकि उम्मीदवार का नाम, हस्ताक्षर और फोटो जैसे कुछ क्षेत्रों को बाद में सीयूईटी (यूजी)-2025 से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वतः एकीकृत किया जाएगा। ये क्षेत्र गैर-संपादन योग्य होंगे।
- आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम उम्मीदवार के नाम से मेल खाना चाहिए क्योंकि यह उसके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्रों और सी. यू. ई. टी. (यू. जी.)-2025 में दिखाई देता है। इसी तरह, माता-पिता के नाम भी प्रमाणपत्रों में मेल खाने चाहिए।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश-I के अनुसार, विश्वविद्यालय और उसके कॉलेजों में स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोई न्यूनतम आयु सीमा नहीं है, सिवाय उन कार्यक्रमों के जहां संबंधित नियामक निकाय, जैसे कि मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई),

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई), नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई), डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीआई), आदि ने अपने नियमों में न्यूनतम आयु की आवश्यकता निर्धारित की है।

☞ स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के उद्देश्य से गैप ईयर कोई बाधा नहीं होगी। हालाँकि, ऐसे उम्मीदवारों को शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी) - 2025 में भी उपस्थित होना होगा।

जिम्मेदारियाँ और आवश्यकताएँ

☞ उम्मीदवार नियमित रूप से सी. यू. ई. टी. (यू. जी.)-2025 और प्रवेश से संबंधित नीतियों से संबंधित अपडेट के लिए एन. टी. ए. और दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइटों और प्रवेश पोर्टलों की जांच करने के लिए जिम्मेदार हैं। इस बुलेटिन और वेबसाइटों को न देखने से उत्पन्न शिकायतों पर विचार नहीं किया जाएगा।

☞ सीयूईटी (यूजी) -2025 के लिए पंजीकरण करने से पहले, उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वह बुलेटिन ऑफ इन्फॉर्मेशन (बीओआई) 2025-26 को ध्यान से पढ़ें और दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, 1922 और विधियों से परामर्श लें। दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश, नियम और विनियम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है जो उन पर बाध्यकारी होंगे।

दस्तावेज़ सत्यापन और अनुपालन

☞ प्रवेश के लिए किसी भी आवश्यकता का अनुपालन न करने में संबंधित दस्तावेजों को जमा न करना और निर्धारित तिथि और समय के भीतर शुल्क का भुगतान न करना शामिल है। ऐसी स्थिति में प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा।

☞ यदि किसी भी स्तर पर, उम्मीदवार के प्रवेश से संबंधित मूल दस्तावेज नकली/गैर-वास्तविक या मनगढ़ंत पाए जाते हैं, तो संबंधित उम्मीदवार को प्रवेश नहीं दिया जाएगा और यदि पहले से ही प्रवेश ले लिया है, तो प्रवेश बिना किसी पूर्व सूचना के रद्द कर दिया जाएगा। ऐसे मामलों में कोई शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। यदि पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद ऐसा पाया जाता है, तो उम्मीदवार की डिग्री रद्द कर दी जाएगी और उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नीति और प्रक्रिया अद्यतन

☞ दिल्ली विश्वविद्यालय के पास बिना किसी पूर्व सूचना के इस बुलेटिन के किसी भी हिस्से को संशोधित करने, अद्यतन करने या हटाने का अधिकार सुरक्षित है। इस प्रकार किए गए किसी भी परिवर्तन को यूजी प्रवेश वेबसाइट पर अपडेट किया जाएगा और यह पोस्ट किए जाने की तारीख से प्रभावी हो जाएगा।

☞ दिल्ली विश्वविद्यालय सीयूईटी (यूजी) - 2025 से संबंधित प्रश्नपत्रों/संरचना/परीक्षाओं के तरीके/तिथियों/शिकायतों में किसी भी बदलाव/संशोधन के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

☞ दिल्ली विश्वविद्यालय बिना किसी पूर्व सूचना के कभी भी अपनी प्रवेश नीतियों और प्रक्रियाओं को बदलने/संशोधित करने के लिए उत्तरदायी है। नवीनतम और अद्यतन जानकारी दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

सामान्य टिप्पणियां

☞ सीयूईटी (यूजी) में उचित अनुपात - 2025 स्कोर जहां भी आवश्यक हो (अतिसंख्यक सहित) किया जाएगा।

☞ सी. यू. ई. टी. (यू. जी.)-2025 या आवश्यक भाषा, डोमेन विशिष्ट विषयों और/या सामान्य परीक्षा में गैर-उपस्थिति से संबंधित शिकायतों पर विचार नहीं किया जाएगा।

☞ सूचना का यह बुलेटिन एनटीए और विभिन्न संकायों, विभागों, केंद्रों, कॉलेजों, दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य संस्थानों और संबंधित स्रोतों से एकत्रित और एकत्रित किए गए इनपुट का एक संग्रह है। जहां तक संभव हो इस बुलेटिन में नियमों और विनियमों के प्रामाणिक, आधिकारिक संस्करण और अतिरिक्त प्रासंगिक जानकारी को पुनः प्रस्तुत करने के लिए उचित सावधानी बरती गई है। हालाँकि, इसे किसी भी मामले में, एक वारंटी के रूप में नहीं माना जाना चाहिए, जो एक तैयार संदर्भ के रूप में प्रदान की गई जानकारी की पूर्णता और सटीकता के संबंध में व्यक्त या निहित है।

☞ दिल्ली विश्वविद्यालय बुलेटिन में दी गई जानकारी के आधार पर की गई किसी भी कार्रवाई से उत्पन्न होने वाली किसी भी क्षति या क्षति के लिए किसी भी व्यक्ति के प्रति किसी भी दायित्व को अस्वीकार करता है। बुलेटिन में कोई भी त्रुटि, यदि पाई जाती है, तो यह अनजाने में चूक, लिपिक संबंधी गलतियों या किसी अन्य कारण से हो सकती है।

विभिन्न यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संयोजन

कोर्स	पात्रता
बी. ए. (प्रो)	उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः संयोजन I: सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी से कोई तीन विषय या फिर संयोजन II: सूची ए से कोई दो भाषाएँ + सूची बी से कोई दो विषय। या फिर संयोजन III: सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी + सामान्य योग्यता परीक्षा से कोई एक विषय। योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सी. यू. ई. टी. स्कोर पर आधारित होगी। नोटः चूंकि सी. यू. ई. टी. अनुभागों का वेटेज समान नहीं है, इसलिए उचित अनुपातिकता की जाएगी। बी.ए.(प्रो) संयोजन, जहां गणित/सांख्यिकी/कंप्यूटर अनुप्रयोग/कंप्यूटर विज्ञान दो मुख्य विषयों में से एक है, यह अनिवार्य है कि उम्मीदवार ने बारहवीं कक्षा की परीक्षा में गणित का अध्ययन किया होगा और उत्तीर्ण किया होगा। इसी तरह, जहां भी किसी भाषा को दो विषयों में से एक के रूप में पेश किया जा रहा है, उम्मीदवार को उस भाषा का कार्यसाधक ज्ञान होना चाहिए।
बी. ए. (विशेष) अर्थशास्त्र	उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः संयोजन I: सूची ए+ गणित/अनुप्रयुक्त गणित + से कोई एक भाषा सूची बी मेरिट से कोई भी दो विषय विषयों के उपर्युक्त किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सी यू ई टी अंकों पर आधारित होंगे।
बी. ए. (विशेष) अंग्रेज़ी	उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः सूची ए से अंग्रेजी + सूची बी या अंग्रेजी से कोई तीन विषय और सूची ए से एक भाषा + सूची बी से कोई दो विषय। योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सी. यू. ई. टी. स्कोर पर आधारित होगी।
बी. ए. (विशेष) हिंदी	उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः संयोजन I: सूची ए से हिंदी + सूची बी से कोई तीन विषय। या फिर संयोजन II: सूची ए से हिंदी और एक भाषा + सूची बी मेरिट से कोई भी दो विषय विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सी. यू. ई. टी. स्कोर पर आधारित होंगे।
बी. ए. (विशेष) भूगोल	उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः संयोजन I: सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी से कोई तीन विषय या फिर संयोजन II: सूची ए से कोई दो भाषाएँ + सूची बी से कोई दो विषय। योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सी. यू. ई. टी. अंकों पर आधारित होगी।
बी. ए. (विशेष) इतिहास	उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः संयोजन **I:** सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी से कोई तीन विषय या फिर संयोजन **II:** सूची ए + से कोई भी दो भाषाएँ सूची बी मेरिट से कोई भी दो विषय विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सी यू ई टी अंकों पर आधारित होंगे।
बी. ए. (विशेष) राजनीति विज्ञान	उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः संयोजन **I:** सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी से कोई तीन विषय या फिर संयोजन **II:** सूची ए से कोई दो भाषाएँ + सूची बी से कोई दो विषय। योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सी. यू. ई. टी. अंकों पर आधारित होगी।
बी. ए. (विशेष) संस्कृत	उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः संयोजन **I:** सूची ए से कोई एक भाषा + सूची ए से संस्कृत + सूची बी से कोई दो विषय। या फिर संयोजन **II:** सूची ए से संस्कृत + सूची बी से कोई तीन विषय। या फिर

कोर्स	पात्रता
	संयोजन **III:** सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी से कोई तीन विषय। या फिर संयोजन **IV:** सूची ए से कोई दो भाषाएँ + सूची बी से कोई दो विषय। योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सी. यू. ई. टी. स्कोर पर आधारित होगी। जिन उम्मीदवारों ने प्रवेश के लिए संयोजन **III** और **IV** का विकल्प चुना है, उन्हें संयोजन **I, II** का विकल्प चुनने वाले सभी उम्मीदवारों पर विचार करने के बाद केवल तभी माना जाएगा जब सीटें खाली रहती हैं।
बी. कॉम. (विशेष)	उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः संयोजन **I:** सूची ए + गणित/अनुप्रयुक्त गणित से कोई एक भाषा + सूची बी से कोई भी दो विषय संयोजन **II:** सूची ए + लेखा/पुस्तक रखने की कोई एक भाषा + सूची बी से कोई दो विषय। योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सी. यू. ई. टी. अंकों पर आधारित होगी।
बी. कॉम. (प्रोग)	उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः संयोजन **I:** सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी से कोई तीन विषय या फिर संयोजन **II:** सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी + सामान्य योग्यता परीक्षा से कोई एक विषय। योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सी. यू. ई. टी. अंकों पर आधारित होगी। नोटः चूंकि सी. यू. ई. टी. अनुभागों का वेटेज समान नहीं है, इसलिए उचित प्रोरेशन किया जाएगा।
बी. एस सी (विशेष) जैव रसायन विज्ञान	उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः संयोजन **I:** रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव प्रौद्योगिकी/जैव रसायन विज्ञान + भौतिकी या संयोजन **II:** रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/जैविक प्रौद्योगिकी/जैविक रसायन विज्ञान + गणित/अनुप्रयुक्त गणित योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सी. यू. ई. टी. अंकों पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को सी यू ई टी में लिस्ट ए से किसी एक भाषा में उपस्थित होना चाहिए।
बी. एससी (विशेष) बोटनी	उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः भौतिकी + रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/जैविक प्रौद्योगिकी/जैविक रसायन विज्ञान। योग्यता उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सी. यू. ई. टी. अंकों पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को सी यू ई टी में लिस्ट ए से किसी एक भाषा में उपस्थित होना चाहिए।
बी. एससी (विशेष) रसायन विज्ञान	उम्मीदवारों के लिए यह अनिवार्य है कि वे उन विषयों में सीयूईटी (यूजी)-**2025** में उपस्थित हों जिनमें एस (वह) बारहवीं कक्षा में उपस्थित हो रहा है/ उत्तीर्ण हो चुका है। उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजनों में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः भौतिकी + रसायन विज्ञान + गणित/अनुप्रयुक्त गणित। योग्यता उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सी. यू. ई. टी. अंकों पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को सी यू ई टी में लिस्ट ए से किसी एक भाषा में उपस्थित होना चाहिए।
बी. एससी (प्रो) लाइफ साइंसेज	उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः रसायन विज्ञान + भौतिकी + जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/जैविक प्रौद्योगिकी/जैविक रसायन विज्ञान। योग्यता उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सी. यू. ई. टी. अंकों पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को सी यू ई टी में लिस्ट ए से किसी एक भाषा में उपस्थित होना चाहिए।
बी. एससी (प्रो) रसायन विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान	उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + रसायन विज्ञान। योग्यता उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सी. यू. ई. टी. स्कोर पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को सी यू ई टी में लिस्ट ए से किसी एक भाषा में उपस्थित होना चाहिए।
बी. एससी (प्रो) रसायन विज्ञान/ सूचना विज्ञान प्रथाओं के साथ भौतिक विज्ञान	उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः संयोजन **I:** भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + रसायन विज्ञान या फिर संयोजन **II:** भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कंप्यूटर विज्ञान/सूचना विज्ञान अभ्यास योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सी. यू. ई. टी. स्कोर पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को सी यू ई टी में लिस्ट ए से किसी एक भाषा में उपस्थित होना चाहिए।

कोर्स	पात्रता
बी. एससी (विशेष) गणित	उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः संयोजन **I:** सूची ए + गणित/अनुप्रयुक्त गणित से कोई भी एक भाषा + सूची बी से कोई भी दो विषय या संयोजन **II:** सूची ए + गणित/अनुप्रयुक्त गणित से कोई भी दो भाषाएँ + सूची बी से कोई भी एक विषय। **2.** योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों से प्राप्त सी. यू. ई. टी. स्कोर पर आधारित होगी।
बी. एससी (विशेष) भौतिक विज्ञान	उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः भौतिकी + रसायन विज्ञान + गणित/अनुप्रयुक्त गणित। योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सी. यू. ई. टी. स्कोर पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को सी यू ई टी में लिस्ट ए से किसी एक भाषा में उपस्थित होना चाहिए।
बी. एससी (विशेष) प्राणी विज्ञान	उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सी. यू. ई. टी. में उपस्थित होना चाहिएः भौतिकी + रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/जैविक प्रौद्योगिकी/जैविक रसायन विज्ञान। योग्यता उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सी. यू. ई. टी. अंकों पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को सी यू ई टी में लिस्ट ए से किसी एक भाषा में उपस्थित होना चाहिए।

दिल्ली विश्वविद्यालय अधिसंख्या कोटा के माध्यम से प्रवेश

बेंचमार्क विकलांग व्यक्ति (पीडब्ल्यूबीडी)

प्रत्येक कार्यक्रम में स्वीकृत कुल संख्या का पांच प्रतिशत (**5** प्रतिशत) पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। पीडब्ल्यूबीडी कोटा के तहत प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों के लिए अलग से आवंटन परिणाम घोषित किए जाएंगे। उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पीडब्ल्यूबीडी प्रमाण पत्र उम्मीदवार के नाम पर है और किसी मान्यता प्राप्त सरकारी अस्पताल द्वारा जारी किया गया है, जिसमें उम्मीदवार की विधिवत सत्यापित तस्वीर है। शुल्क रियायतें प्रदान करता है।

सशस्त्र बलों के कार्मिक बच्चों/विधवाओं (सीडब्ल्यू) के बच्चे/विधवाए

सभी कॉलेजों में कार्यक्रमवार इस श्रेणी के अंतर्गत पाँच प्रतिशत (5%) सीटें आरक्षित हैं। विश्वविद्यालय के सीडब्ल्यू कोटा के अंतर्गत प्रवेश लेना चाहने वाले अभ्यर्थियों को सी यू. ई. टी. (यू. जी.) 2025 में उपस्थित होना अनिवार्य है। ऐसे सभी अभ्यर्थियों को शैक्षणिक रियायत प्रमाणपत्र निर्धारित प्रारूप में अपलोड करना आवश्यक है।

कश्मीरी प्रवासी (केएम)

कश्मीरी प्रवासियों के वार्डों के लिए सभी कॉलेजों में कार्यक्रम के हिसाब से **5** प्रतिशत तक सीटें आरक्षित हैं। कश्मीरी प्रवासियों के सभी वार्डों को संभागीय आयुक्त/राहत आयुक्त द्वारा जारी कश्मीरी प्रवासियों के रूप में पंजीकरण का प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा। कश्मीरी प्रवासी कोटे के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सी. यू. ई. टी. (यू. जी.)-**2025** में उपस्थित होना चाहिए।

प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना

जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सी. यू. ई. टी. (यू. जी.)-**2025** में उपस्थित होना चाहिए।

सिक्किम के छात्रों का नामांकन

सिक्किम नामांकन योजना के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सी. यू. ई. टी. (यू. जी.)-**2025** में उपस्थित होना चाहिए। सिक्किम के छात्रों को सरकार द्वारा नामित किया गया है। सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा कॉलेजों में प्रवेश के लिए विचार किया जाएगा जहां छात्रावास की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

वार्ड कोटा (डब्ल्यूक्यू)

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के वार्ड कोटे के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - **2025** में उपस्थित होना चाहिए और विश्वविद्यालय/कॉलेज द्वारा जारी एक वैध रोजगार प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। प्रवेश क्लस्टर-वार योग्यता (मानविकी, वाणिज्य, विज्ञान) और उम्मीदवार की प्राथमिकताओं पर आधारित है।

अनाथ कोटा

अनाथों के लिए सुपरन्यूमेरी कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सी. यू. ई. टी. (यू. जी.)-**2025** में उपस्थित होना चाहिए। "एक उम्मीदवार जो अनाथ कोटे के तहत प्रवेश लेना चाहता है, उसके पास किसी किसी मान्यता प्राप्त अनाथालय/चैरिटी होम से प्रमाण पत्र या माता-पिता दोनों के मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यकता है।

अतिरिक्त पाठ्येतर गतिविधियाँ (ईसीए) और खेल कोटा

ईसीए या स्पोर्ट्स के लिए अतिरिक्त कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी)-**2025** में उपस्थित होना चाहिए। ईसीए और स्पोर्ट्स अतिरिक्त सीटों में प्रवेश के लिए **25** प्रतिशत वेटेज सीयूईटी स्कोर को और **75** प्रतिशत सर्टिफिकेट/परीक्षण/प्रदर्शन को दिया जाएगा।

सिंगल गर्ल चाइल्ड (इकलौती बालिका)

प्रत्येक कॉलेज के प्रत्येक कार्यक्रम में **01** (एक) सीट एकल बालिका के लिए अतिरिक्त कोटा के तहत आरक्षित है। अभिभावक(यदि माता-पिता मृतक हैं) को यह घोषणा करनी होगी कि बालिका माता-पिता की एकमात्र संतान है जिसके पास बालिका के अलावा कोई अन्य बच्चा नहीं है जिसके लिए आवेदन शैक्षणिक सत्र में प्रवेश के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है। माता-पिता/अभिभावक इस आशय के लिए एक हलफनामे की प्रति अपलोड करेंगे।

प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेजों की सूची :

- दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा का प्रमाण पत्र और मार्कशीट
- बारहवीं कक्षा की मार्कशीट
- बारहवीं कक्षा का प्रोविजनल प्रमाण पत्र/मूल प्रमाण पत्र
- उम्मीदवार के नाम पर एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी/सीडब्ल्यू/केएम/ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र
- सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी उम्मीदवार के नाम पर ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) प्रमाण पत्र (केंद्रीय सूची में ओबीसी उम्मीदके लिए)।
- सक्षम प्राधिकारी से ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र जो प्रमाणित करता है कि आवेदक इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर सकता है।
- हाल ही में लिया गया आय प्रमाण पत्र जहाँ भी लागू हो।
- हाल ही में खींची गई पासपोर्ट आकार की फ़ोटो
- स्थायी पते का प्रमाण (केवल फोटोकॉपी)
- आधार कार्ड की फोटोकॉपी (एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य)

प्रवेश संबंधी समितियां

भूमिका/जिम्मेदारी	सदस्य का नाम
संयोजक	डॉ. प्रीति तिवारी
सह-संयोजक	डॉ. कंचन
सह-संयोजक	डॉ. स्कंद प्रिया
सह-संयोजक	डॉ. मोहन कुमार
सह-संयोजक	डॉ. वनिता चड्ढा
सह-संयोजक	डॉ. सुनील यादव
बी.ए. प्रोग्राम	डॉ. भरत रत्नु (भूगोल)
	डॉ. अरविंदर कौर (हिन्दी)
	श्री राहुल (अर्थशास्त्र)
	डॉ. रितु मदान (अंग्रेजी)
	डॉ. रुद्र प्रताप यादव (इतिहास)
	डॉ रवि (राजनीति विज्ञान)
बीएससी. एलएस कार्यक्रम	श्री मनीष कुमार सचदेवा
	डॉ. किरण बामेल
बीएससीपीएस कार्यक्रम	डॉ. वंदना कटोच
	डॉ. शिव शंकर गौर
बीएससी एपीएस कार्यक्रम	सुश्री आभा वासल
	प्रो सुरभि मदान
बी. कॉम प्रोग्राम	डॉ. किरण चौधरी
सामान्य परामर्श और शिकायत निवारण प्रकोष्ठ	डॉ. चन्द्र प्रकाश
	श्री मोहन कुमार
	श्री अंकुश कुमार
हेल्पडेस्क	डॉ. श्वेताम्बरी
	श्री मनीष कुमार मीना (गणित)
	डॉ. त्सेवांग नामगियाल
एससी, एसटी और ओबीसी परामर्श और कल्याण समिति	डॉ. ममता
	डॉ. संदीप कुमार
	श्री उमेश लांबा
	सुश्री योगिता रानी नेगी
	सुश्री हिमांशी सैनी
	श्री राहुल (अर्थशास्त्र)

भूमिका/जिम्मेदारी	सदस्य का नाम
नॉर्थ ईस्ट सेल	डॉ. चकपरम प्रियंका
	डॉ. एल. थनसांगा
	श्री तयेंजम प्रियोकुमार सिंह
पीडब्ल्यूडी काउंसलिंग	श्री महेश कुमार
	श्री तुगुतला चंद्रशेखर रेड्डी
	श्रीअमित कुमार

खेल और ईसीए सीट मैट्रिक्स

खेल प्रवेश के लिए दी जाने वाली सीटों की कुल संख्या (सभी खेल श्रेणियों में) = 31

क्रमांक	खेल का नाम	सीटों की संख्या
1	शतरंज (महिला)	06
2	शतरंज (पुरुष)	06
3	बास्केटबॉल (महिला)	10
4	वॉलीबॉल (महिला)	09

ईसीए प्रवेश के लिए दी जाने वाली सीटों की कुल संख्या (सभी ईसीए श्रेणियों में) = 45

श्रेणी क्र.सं.	कोटि	उप श्रेणी क्र.सं. (यदि लागू हो)	उप-श्रेणी (यदि लागू हो)	नहीं। सीटों की संख्या पेश
2	डांस	2. ए	नृत्य: भारतीय शास्त्रीय	2
		2. बी	नृत्य: भारतीय लोक	4
		2. सी	नृत्य: पश्चिमी	2
		2.डी	डांस कोरियोग्राफी	1
3	डिबेट	3. ए	डिबेट: हिंदी	2
		3. बी	डिबेट: अंग्रेजी	2
4	डिजिटल मीडिया	4.ए	डिजिटल मीडिया: फोटोग्राफी	2
		4. बी	डिजिटल मीडिया: फिल्म मेकिंग	2
5	ललित कलाएँ	5. ए	ललित कला: स्केचिंग और पेंटिंग	2
		5. बी	ललित कला: मूर्तिकला	1
6	संगीत (वोकल)	6. ए	संगीत (वोकल): भारतीय	4

श्रेणी क्र.सं.	कोटि	उप श्रेणी क्र.सं. (यदि लागू हो)	उप-श्रेणी (यदि लागू हो)	नहीं। सीटों की संख्या पेश
7	संगीत (वाद्य: भारतीय)	7. ए	एक संगीत (वाद्य: भारतीय) तबला	1
		7.एफ	संगीत (वाद्य: भारतीय) हारमोनियम	1
		7.एच	संगीत (वाद्य: भारतीय) सितार	1
8	संगीत (वाद्य: पश्चिमी)	8. ए	एक संगीत (वाद्य: पश्चिमी) ड्रम	1
		8. ई	संगीत (वाद्य: पश्चिमी) गिटार (बास)	1
		8. एफ	संगीत (वाद्य: पश्चिमी) वायलिन	1
		8. जी	संगीत (वाद्य: पश्चिमी) कीबोर्ड	1
9	नाटक	--	--	5
12	एनसीसी	--	--	5
13	एनएसएस	--	--	4
			कुल ईसीए सीटों की पेशकश	**45**

स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के भाग के रूप में शैक्षणिक सत्र 2022-2023 से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (यूजीसीएफ) लागू की गई है। यूजीसीएफ चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है जो अंतःविषय सीखने, कौशल विकास और अनुसंधान को प्रोत्साहित करता है, छात्रों को आधुनिक कार्यबल के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दक्षताओं से लैस करता है। अधिक समग्र और अनुकूलनीय शिक्षा प्रदान करने के लिए, यह कई निकास बिंदु प्रदान करता है जो छात्रों को विविध कैरियर पथ और आजीवन सीखने के लिए तैयार करते हैं।

शिवाजी कॉलेज एकल कोर अनुशासन [बी.एससी. (एच), बी.ए. (एच), और बी.कॉम (एच)], दो कोर विषयों [बी.ए. (प्रोग्राम), और बी.कॉम (कार्यक्रम)], और तीन कोर विषयों [बी.एससी. (प्रोग्राम)] के साथ स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है। उपर्युक्त कार्यक्रमों की संपूर्ण संरचना को समझने के लिए, विश्वविद्यालय द्वारा प्रवाह चार्ट तैयार किए गए हैं।

- **सभी पाठ्यक्रमों की संपूर्ण संरचना का प्रवाह चार्ट (फ्लो चार्ट) अंग्रेजी विवरण पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 41 पर देखें ।**
- **प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एस ई सी), मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (वी ए सी), सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम (जी ई) के प्रश्नपत्रों का विवरण अंग्रेजी विवरण पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 49 पर देखें ।**

विभाग

बी.ए. प्रोग्राम विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज में बी.ए. प्रोग्राम एक अंतःविषय और लचीला स्नातक पाठ्यक्रम है जो विषय संयोजनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। यह छात्रों को उन विषयों में स्नातक करने की अनुमति देता है जो उनकी शैक्षणिक रुचियों और भविष्य की आकांक्षाओं के साथ संरेखित होते हैं। कार्यक्रम को एक व्यापक-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो महत्वपूर्ण सोच, संचार कौशल और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देता है। विभाग विषयों का एक अनूठा संयोजन प्रदान करता है, जिससे छात्र इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र, हिंदी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र और विभिन्न कौशल-आधारित पत्रों जैसे विविध क्षेत्रों का पता लगाने में सक्षम होते हैं।

वर्तमान में, कॉलेज बी.ए. के तहत निम्नलिखित **10** विषय संयोजन प्रदान करता है।

1. अंग्रेजी + समाजशास्त्र (अंग्रेजी विभाग और समाजशास्त्र विभाग)

2. अंग्रेजी + अर्थशास्त्र (अंग्रेजी विभाग और अर्थशास्त्र विभाग)

3. अर्थशास्त्र + भूगोल (अर्थशास्त्र विभाग और भूगोल विभाग)

4. अर्थशास्त्र + राजनीति विज्ञान (अर्थशास्त्र विभाग और राजनीति विज्ञान विभाग)

5. भूगोल + इतिहास (भूगोल विभाग और इतिहास विभाग)

6. भूगोल + राजनीति विज्ञान (भूगोल विभाग और राजनीति विज्ञान विभाग)

7. हिंदी + भूगोल (हिंदी विभाग और भूगोल विभाग)

8. हिंदी + राजनीति विज्ञान (हिंदी विभाग और राजनीति विज्ञान विभाग)

9. हिंदी + इतिहास (हिंदी विभाग और इतिहास विभाग)

10. इतिहास + राजनीति विज्ञान (इतिहास विभाग और राजनीति विज्ञान विभाग)

हमारे अनुभवी और समर्पित संकाय सदस्य विभिन्न विषयों के छात्रों का मार्गदर्शन करते हैं, उन्हें बौद्धिक जिज्ञासा और अंतःविषय जुड़ाव को प्रोत्साहित करते हुए अपने चुने हुए विषयों में विशेषज्ञता विकसित करने में मदद करते हैं। कार्यक्रम सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों, कौशल वृद्धि पाठ्यक्रमों और समुदाय-आधारित परियोजनाओं के माध्यम से मूल्य-वर्धित शिक्षा पर भी जोर देता है। कार्यक्रम से स्नातक शिक्षा, सार्वजनिक नीति, पत्रकारिता, सिविल सेवा, सामाजिक कार्य, अनुसंधान और विभिन्न अन्य क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए आगे बढ़ते हैं। शिवाजी कॉलेज छात्रों को इस जीवंत और समावेशी शैक्षणिक वातावरण का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करता है, जहाँ सीखना कक्षाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक दुनिया की समझ और जिम्मेदार नागरिकता तक फैला हुआ है।

व्यवसायिक अर्थशास्त्र विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस के अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय से संबद्ध बी.ए. (ऑनर्स) व्यवसाय अर्थशास्त्र, व्यवसाय अभ्यास के लिए आर्थिक उपकरण, सिद्धांत और कार्यप्रणाली के अनुप्रयोग बनाने के साथ-साथ तर्कसंगत निर्णय लेने और संगठन में सफल व्यावसायिक रणनीति तैयार करने के लिए डेटा और जानकारी का विश्लेषण करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक कोर्स है। **2005** में अपनी स्थापना के बाद से, यह कॉलेज में सबसे अधिक मांग वाले पाठ्यक्रमों में से एक बन गया है। इसका उद्देश्य प्रबंधन में विश्लेषणात्मक और मात्रात्मक आर्थिक अनुप्रयोगों सहित बदलती कॉर्पोरेट दुनिया की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना है, और छात्रों को बाजार में सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाता है। कक्षा शिक्षण के अलावा, पाठ्यक्रम में सेमिनार, कार्यशालाएँ और पाठ्येतर गतिविधियाँ शामिल हैं, ताकि समग्र तरीके से छात्रों का प्रभावी शिक्षण और समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके। इस कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा करने से छात्रों के लिए जेपी मॉर्गन, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, डेलोइट, मर्सर, एस एंड पी कैपिटल आईक्यू, अमेरिकन एक्सप्रेस, रॉयल बैंक ऑफ़ स्कॉटलैंड, एओएन हेविट, एगॉन ज़ेंडर, प्रोटिविटी, जेनपैक्ट, टीसीएस, डी शॉ और कई अन्य जैसी प्रसिद्ध कंपनियों में आकर्षक रोजगार के अवसर सुनिश्चित होते हैं। छात्र उच्च शिक्षा के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम: एमबीई, एमए (अर्थशास्त्र), और एम.कॉम भी कर सकते हैं।

संकाय सदस्य

डॉ. वनिता चड्ढा, सहायक प्रोफेसर, बी.कॉम (ऑनर्स), एम.कॉम, पीएच.डी.

सुश्री उर्वशी साहित्य, सहायक प्रोफेसर, बी.कॉम (ऑनर्स), एम.कॉम, पीजीडीबीएम, एम.फिल.

वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग, शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, जहाँ नवाचार परंपरा से मिलता है, और उत्कृष्टता की कोई सीमा नहीं है। हमारा विभाग छात्रों के बीच समग्र विकास और उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता के लिए खड़ा है। हमारे प्रस्तावों के केंद्र में प्रतिष्ठित बी. कॉम (ऑनर्स) और बी. कॉम (प्रोग्राम) हैं, जो छात्रों को उनके उद्यमशीलता कौशल और व्यावसायिक कौशल को निखारने के साथ-साथ वाणिज्य की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किए गए हैं। सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभवों के मिश्रण के माध्यम से, छात्र कल के गतिशील नेता और दूरदर्शी बनने की दिशा में एक परिवर्तनकारी यात्रा पर निकलते हैं।

विभाग का नेतृत्व समर्पित संकाय सदस्यों की एक टीम द्वारा किया जाता है जो अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं, शिवाजी कॉलेज में वाणिज्य विभाग मेंटरशिप, सहयोग और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देता है। हमारा विभाग लेखांकन, वित्त, अर्थशास्त्र, व्यवसाय प्रबंधन, मानव संसाधन और विपणन सहित वाणिज्य के विभिन्न पहलुओं को कवर करने वाला एक व्यापक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग पाठ्यक्रम से परे छात्रों को एक्सपोजर प्रदान करने के लिए विभिन्न सेमिनार कार्यशालाओं का आयोजन करता है। विभाग वाणिज्य से संबंधित क्षेत्रों में छात्रों के लाभ के लिए अतिरिक्त पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। अतीत में जी-सूट एप्लिकेशन और डिजिटल फोरेंसिक और साइबर इंटेलिजेंस पर अतिरिक्त पाठ्यक्रम संचालित किए गए हैं। विभाग के उल्लेखनीय पूर्व छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों में स्नातकोत्तर अध्ययन करने गए हैं और प्रमुख कंपनियों में आकर्षक प्लेसमेंट हासिल किया है।

संकाय सदस्य

डॉ. सुमन खरबंदा, प्रोफेसर, एम.ए., अर्थशास्त्र, एम.फिल., पीएच.डी.

प्रो. रबीनारायण सामंतारा, प्रोफेसर, एम.कॉम, एम.फिल., पीएच.डी.

श्री राजेश कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. कॉम

प्रो रमेश मलिक, प्रोफेसर, एम. कॉम, एम.फिल., पीएच.डी.

प्रो.राजिंदर सिंह, प्रोफेसर, एम. कॉम, पीएच.डी.

डॉ. किरण चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. कॉम, पीएच.डी.

डॉ. वनिता चड्ढा, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. कॉम, पीएच.डी.

सुश्री मनीषा, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. कॉम, पीएच.डी. (अध्ययनरत)

सुश्री मनीषा रानी, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. कॉम, बी.एड., पीएच.डी. (अध्ययनरत)

सुश्री योगिता रानी नेगी, सहायक प्रोफेसर, एमबीए, एम.कॉम, एम.फिल., पीएच.डी. (अध्ययनरत)

सुश्री सोनिका शर्मा, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम, बी.एड., पीएच.डी. (अध्ययनरत)

डॉ. मोनिका, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. कॉम, एम.फिल., पीएच.डी

डॉ. सुनील कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. कॉम, एमबीए, पीएच.डी.

सुश्री हरमनप्रीत कौर, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम, एम.फिल., पीएच.डी. (अध्ययनरत)

डॉ. छवि शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. कॉम, एमसीए, पीएच.डी.

डॉ. नीतू धायल, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम, पीएच.डी.

श्री उमेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम, एमबीए, एमसीए

डॉ. सौम्या सिंह, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम, पीएच.डी.

अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग कॉलेज की स्थापना के बाद से ही सबसे महत्वपूर्ण और सबसे अधिक मांग वाले पाठ्यक्रमों में से एक, बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र की पेशकश कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, विभाग अपने सर्वोच्च प्रतिबद्ध संकाय और अत्यंत सक्रिय छात्रों के प्रयासों के कारण विकसित हुआ है। छात्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए, विभाग नियमित रूप से सेमिनार, कार्यशालाएँ और पूर्व छात्र वार्ता आयोजित करता है। ये कार्यक्रम छात्रों को समकालीन आर्थिक मुद्दों, करियर की अंतर्दृष्टि और विचार नेतृत्व से अवगत कराते हैं, जिससे कक्षा में सीखने और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटा जा सकता है।

हमारे छात्रों ने सिविल सेवा, सशस्त्र बलों और यहाँ तक कि दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य कॉलेजों में संकाय के रूप में शामिल होकर सार्वजनिक सेवा में कदम रखा है। हमारे छात्रों ने **IIM, IIFT,** दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय जैसे कुछ सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च अध्ययन का विकल्प भी चुना है। छात्रों के एक अच्छे अनुपात को **JPMorgan, American Express, TCS** और कई अन्य जैसी उच्च प्रतिष्ठा वाली कंपनियों में रोजगार के अवसर मिलते हैं। छात्रों को अपने प्रतिस्पर्धी और संवादात्मक कौशल को प्रदर्शित करने और बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए, विभाग ने एक छात्र निकाय का गठन किया है, जिसका नाम एपिटोम है। यह समाज पूरे वर्ष विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। विभाग के संकाय सदस्य खुद को चल रहे परिवर्तनों और विकास से अवगत रखने के लिए विभिन्न सेमिनारों, कार्यशालाओं और संकाय विकास कार्यक्रमों में भाग लेते हैं।

संकाय सदस्य

सुश्री अंशु चोपड़ा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल
डॉ. इति डंडोना, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल, पीएचडी
श्री सुमीत सिंह रहेजा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.एससी., एम.फिल
डॉ. शिवानी गुप्ता सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल, पीएचडी
सुश्री भूमिका भावनानी, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल
सुश्री मनीषा जयंत, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएचडी। (अध्ययनरत)
सुश्री निकिता गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी. (अध्ययनरत)
सुश्री कविता यादव, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएचडी(अध्ययनरत)
सुश्री निधि सेहरावत, एम.ए., पीएच.डी. (अध्ययनरत)
श्री राहुल, सहायक प्रोफेसर, एम.ए.

अंग्रेजी विभाग

अंग्रेजी विभाग का दायरा बहुत व्यापक है और यह विभिन्न अंतःविषय क्षेत्रों में शोधपत्र प्रस्तुत करता है। संकाय द्वारा नियोजित शैक्षणिक पद्धति का उद्देश्य पाठ्यपुस्तक शिक्षण के प्रतिबंधित मॉडल की सीमाओं से सीखने और ज्ञान को मुक्त करना है। हम शिक्षा के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने का प्रयास करते हैं और छात्रों को विभिन्न समकालीन मुद्दों पर एक सूचित और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने के लिए अध्ययन करने का लक्ष्य देते हैं। कक्षा में चर्चा के माध्यम से, छात्र इतिहास और समाज के बारे में प्रश्नों को विभिन्न वैचारिक दृष्टिकोणों से देखना सीखते हैं।

शिवाजी कॉलेज में बीए अंग्रेजी (ऑनर्स) के छात्र कॉलेज के सबसे गतिशील छात्रों में से हैं। वे अंग्रेजी विभाग की साहित्यिक सोसायटी, पैंडेमोनियम के तत्वावधान में कई साहित्यिक और पाठ्येतर गतिविधियों के आयोजन में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। सम्मेलन, वेबिनार, साहित्यिक प्रश्नोत्तरी, कविता पाठ, रचनात्मक लेखन और साहित्यिक ग्रंथों के सिनेमाई रूपांतरणों की स्क्रीनिंग हर शैक्षणिक सत्र में प्रमुख आकर्षण होते हैं। एनईपी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, विभाग विभिन्न विषयों के छात्रों के लिए विविध प्रकार के पाठ्यक्रम प्रदान करता है। मुख्य छात्रों को वैश्विक साहित्य को व्यापक रूप से जानने का अवसर मिलता है, जिससे उन्हें प्रामाणिक कार्यों की गहन समझ प्राप्त होती है।

संकाय सदस्य

प्रो. अंजलि रमन, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. सोनाली गर्ग, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. सियामलियानवुंग हांग्जो, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. गीतारानी लीसांगथेम, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

डॉ. रितु मदान, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. चकपरम प्रियंका, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
सुश्री प्रीति देसोदिया, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएचडी (अध्ययनरत)
डॉ. दिव्या मदान, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., पीएचडी
डॉ. गुंजन कुमारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएचडी
डॉ. देबोस्मिता पॉल, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएचडी
डॉ. मनीष कुमार मीना, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएचडी
सुश्री हिमांशी सैनी, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएचडी (अध्ययनरत)
सुश्री अंशुला उपाध्याय, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.ए., पीएचडी (अध्ययनरत)

भूगोल विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय का हिस्सा शिवाजी कॉलेज भूगोल में स्नातक ऑनर्स और प्रोग कोर्स प्रदान करने वाले कुछ संस्थानों में से एक है। **39** साल पहले स्थापित, भूगोल विभाग ने **1988** में अपना ऑनर्स कोर्स शुरू किया था। इसमें व्यापक सिद्धांत और व्यावहारिक कक्षाओं के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचे के लिए अत्याधुनिक कार्टोग्राफी लैब और जीआईएस लैब है। मुख्य पुस्तकालय में व्यापक भूगोल संग्रह के अलावा, विभाग छात्र संसाधनों के लिए अपना स्वयं का पुस्तकालय भी बनाए रखता है। कक्षा में सीखने को प्रोजेक्ट वर्क, फील्ड ट्रिप और सेमिनार के माध्यम से बढ़ाया जाता है, जो एक अच्छी तरह से गोल शैक्षिक अनुभव प्रदान करता है। हमारा मिशन छात्रों के बीच आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करना, अंतःविषय अनुसंधान को बढ़ावा देना है जो समकालीन वैश्विक चुनौतियों का समाधान करता है, और एक समावेशी और सहायक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देता है।

हमारे प्रतिष्ठित संकाय सदस्य अपने विद्वत्तापूर्ण योगदान और शिक्षण के प्रति समर्पण के लिए प्रसिद्ध हैं। वे भूगोल के विभिन्न उप-क्षेत्रों में विशेषज्ञता का खजाना लेकर आते हैं। विभाग अत्याधुनिक शोध परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल है और पर्यावरण और सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग करता है। **2024-25** के लिए, विभाग डॉ. उषा रानी की देखरेख में शिवाजी कॉलेज के अनुसंधान और नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा वित्त पोषित एक लघु शोध परियोजना और डॉ. भरत रत्नू और प्रो. तेजबीर सिंह राणा द्वारा क्रमशः प्रधान अन्वेषक और संरक्षक के रूप में देखरेख में **5000000** रुपये की एक **HEFA** परियोजना चला रहा है। वर्तमान में, सात पीएचडी विद्वान प्रो. तेजबीर सिंह राणा, डॉ. राजेंद्र सिंह, डॉ. प्रबुद्ध कुमार मिश्रा और डॉ. उषा रानी के मार्गदर्शन में शोध कर रहे हैं। भूगोल सोसायटी: 'शिवालिक' नामक एक सक्रिय छात्र-नेतृत्व वाला संगठन है जो सेमिनार, कार्यशालाएं, क्षेत्र यात्राएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करता है। हमारे पूर्व छात्र हमारा गौरव हैं, जो शिक्षा, सरकार, निजी क्षेत्र और गैर-सरकारी संगठनों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। वे हमारे समुदाय का एक अभिन्न अंग बने हुए हैं, जो 'विमर्श' की छत्रछाया में वर्तमान छात्रों के लिए मेंटरशिप और नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करते हैं।

संकाय सदस्य
प्रो. तेजबीर सिंह राणा, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. - उप प्राचार्य
डॉ. प्रीति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. राजेंद्र सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी.
डॉ. प्रबुद्ध कुमार मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. अमित कुमार श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., नेट-जेआरएफ, एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. भरत रत्नू, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., नेट-जेआरएफ, पीएच.डी.
डॉ. उषा रानी, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी.
डॉ. मुकेश कुमार मीना, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी.

हिन्दी विभाग

हिंदी विभाग ,शिवाजी कॉलेज का बहुप्रतिष्ठित विभाग है | जिसमें स्नातक (बी.ए) और स्नातकोत्तर (एम .ए) स्तर का अध्यापन कार्य होता है | स्नातक स्तर पर विभाग विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित पाठयक्रम के आधार पर 'हिंदी कविता (आदिकाल से भक्तिकाल तक), हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से मध्यकाल),हिंदी कहानी, हिंदी भाषा का वैश्विक परिदृश्य, हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास आदि प्रश्नपत्र प्रस्तावित करता है । हिंदी विभाग की साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था"साहित्य संगम" है जो वर्ष भर विविध साहित्यिक गतिविधियों के

आयोजन प्रतियोगिता और साहित्य के विभिन्न आयामों के प्रति प्रोत्साहित करती है | विभाग के कई प्राध्यापक शो द गतिविधियों शोध प्रोजेक्ट से जुड़े रहे हैं वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय के कई शोधार्थियों का निर्देशन कर रहे हैं विभाग आगामी अकादमी सत्र में अनुवाद विषय पर एक एड ऑन पाठ्यक्रम आरंभ करने की योजना बना रहा है |

हिंदी विभाग की विपुलता का मानदंड है कि वर्तमान प्राचार्य प्रोफेसर वीरेंद्र भारद्वाज जी विभाग के पूर्व छात्र रहे फिर यहां अध्यापक नियुक्त हुए और वर्तमान में कुशल प्रशासक की भूमिका निभाते हुए प्राचार्य पद पर सुशोभित हैं और निरंतर संस्थानिक सफलता के नए प्रतिमान रच रहे हैं | विभाग के प्रोफेसर दर्शन पाण्डेय जी वर्तमान में राजधानी कॉलेज के प्राचार्य पद पर आसीन हैं | इस विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विविध महाविद्यालय को कुशल प्राध्यापक, मनोरंजन जगत को मंजे हुए कलाकार, देश को श्रेष्ठ जिम्मेदार नागरिक दिए हैं | टेलीविजन पर धूम मचाते मनोरंजन जगत के मामा जी श्री परितोष त्रिपाठी भी इसी विभाग का हिस्सा रहे | पूरे दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदी में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक विजेता बने श्री देवेंद्र सिंह इसी विभाग के विद्यार्थी रहे | विभाग के कई प्राध्यापक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में भारत सरकार की ओर से प्रतिष्ठित सांस्कृतिक राजदूत की भूमिका निभा चुके हैं | वैश्विक अनुभवों से युक्त शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध है |

संकाय सदस्य

प्रो.वीरेंद्र भारद्वाज, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. - प्राचार्य
प्रो.रुचिरा ढींगरा, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी
प्रो.विकास शर्मा, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी
प्रो.ज्योति शर्मा, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी
प्रो.दर्शन पांडेय, प्रोफेसर, एम. ए. ,एम. फिल, पीएच.डी (on Deputation)
डॉ राजकुमारी, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी
डॉ अरविंदर कौर, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी
डॉ कंचन, सहायक प्रोफेसर,एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी
डॉ. तरुण, सहायक प्रोफेसर,एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी
डॉ.संदीप कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी
श्री.महेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी(अध्ययनरत)
सुश्री प्रियंका शर्मा, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी(अध्ययनरत)
डॉ.बबली, सहायक प्रोफेसर,एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी

इतिहास विभाग

शिवाजी कॉलेज का इतिहास विभाग प्रतिबद्ध शिक्षकों और छात्रों का एक संयोजन है जो इस अनुशासन को इसके कई आयामों में सीखने के लिए इच्छुक हैं। शिक्षकों द्वारा अपनाई जाने वाली शिक्षा पद्धति छात्रों को आपस में और शिक्षकों के साथ स्वस्थ बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करती है ताकि वे अपनी कक्षाओं में और उसके बाहर भी अपने व्यक्तित्व को निखार सकें। सेमिनार, हेरिटेज वॉक, संग्रहालयों और ऐतिहासिक स्थलों की अकादमिक यात्राएँ, छात्र प्रतियोगिताएँ और ऐसी अन्य गतिविधियाँ नियमित अंतराल पर आयोजित की जाती हैं ताकि युवा इतिहासकार अपने अनुशासन से कई तरह से जुड़ सकें। छात्रों को इतिहासलेखन के पाठ पढ़ाए जाते हैं ताकि उनके मन में सकारात्मक जाँच की भावना पैदा हो। इतिहास अतीत और वर्तमान के बीच एक संवाद है, और मानवता को भविष्य की ओर ले जाता है, और शिवाजी कॉलेज में इतिहास विभाग इसी दृष्टिकोण का पालन करता है।

संकाय सदस्य

प्रो. खुर्शीद खान, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
श्री मुकेश कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल.
डॉ. निष्ठा श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. रुद्र प्रताप यादव, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
श्री स्कंद प्रिय, सहायक प्रोफेसर, एम.ए.
डॉ. प्रीति, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
श्री टी. चंद्र शेखर रेड्डी, सहायक प्रोफेसर, एम.ए.

शारीरिक शिक्षा विभाग

विभाग का उद्देश्य छात्रों को मानव आंदोलन, शारीरिक गतिविधि और स्वस्थ जीवन शैली जीने के महत्व की व्यापक समझ से लैस करना है। सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के संयोजन के माध्यम से, छात्र शारीरिक गतिविधियों की एक श्रृंखला में दक्षता विकसित करते हैं। इसके अलावा, वे समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में शारीरिक शिक्षा के महत्व के लिए प्रशंसा प्राप्त करते हैं। इसके अतिरिक्त, छात्रों से प्रभावी संचार और नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन करने के साथ-साथ शारीरिक गतिविधि और खेल से संबंधित सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं को समझने की अपेक्षा की जाती है। कुल मिलाकर, शारीरिक शिक्षा विभाग के सीखने के परिणाम छात्रों को शारीरिक साक्षरता को बढ़ावा देने, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर स्क्रीन के समय को कम करने और शारीरिक गतिविधि में आजीवन जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल के साथ सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

संकाय सदस्य

श्री गौरव गोयल, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एड. शारीरिक शिक्षा

डॉ. अमिता हांडा, सहायक प्रोफेसर, मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन, पीएच.डी.

राजनीति विज्ञान विभाग

राजनीति हमारे दिन-प्रतिदिन के जीवन से संबंधित कई सवालों से संबंधित है, जैसे कि एक अच्छा जीवन क्या है? स्वतंत्रता, समानता, न्याय, अधिकार, लोकतंत्र और राष्ट्रीय हित क्या हैं? राजनीति विज्ञान के अध्ययन का उद्देश्य छात्रों के बीच ऐसे सवालों के बारे में व्यापक समझ विकसित करना है। इस पृष्ठभूमि के खिलाफ, विभाग स्नातकोत्तर अवसर के साथ-साथ स्नातक स्तर पर ऑनर्स और प्रोग्राम पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो छात्रों को समकालीन युग की अपनी समस्याओं को हल करने में सक्षम बनाता है। राजनीतिक सिद्धांत, विचार, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, भारत की विदेश नीति और लोक प्रशासन जैसे पारंपरिक क्षेत्रों के अलावा, संवैधानिक मूल्य और मौलिक कर्तव्य, राजनीतिक नेतृत्व और संचार, वार्ता और नेतृत्व: भारतीय राजनीतिक विचार में विचार और संस्थाएँ जैसे शोधपत्रों की पेशकश करके एनईपी के तहत कुछ रोमांचक परिवर्धन भी किए गए हैं। ये शोधपत्र न केवल यूरोसेंट्रिज्म के आधिपत्यवादी पूर्वाग्रह को चुनौती देते हैं, बल्कि उच्च शिक्षा को अधिक समग्र, बहुविषयक और लचीला बनाते हैं, साथ ही सिविल सेवा, कानून, पत्रकारिता (प्रिंट के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया), उद्यमिता, शिक्षण और अनुसंधान जैसे कई क्षेत्रों में सफल करियर के लिए व्यापक अवसर खोलते हैं। प्रमुख स्नातक विशेषताओं का विकास करना, विशेष रूप से कक्षा और पाठ्यक्रम से परे छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना ताकि वे सामाजिक भलाई में योगदान दे सकें, मुख्य उद्देश्य रहा है। विभाग के छात्रों की 'डेमोक्रेट्स' सोसायटी छात्रों को कई सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में शामिल करके उन्हें पर्याप्त अनुभव प्रदान करती है।

संकाय सदस्य

डॉ. अमित कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

डॉ. रवि, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

श्री कुशिक कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी. (अध्ययनरत)

श्री मोहन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. (अध्ययनरत)

डॉ. अलका मुदगल , सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

श्री राहुल मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. (अध्ययनरत)

श्री धारा सिंह कुशावाहा, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. (अध्ययनरत)

डॉ. हिम्मत सिंह देवड़ा, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., पोस्ट-डॉक्टरल

श्री तैयेनजाम प्रियोकुमार सिंह, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी. (अध्ययनरत)

समाजशास्त्र विभाग

समाजशास्त्र का विषय व्यक्तियों, समूहों और संस्थाओं के बीच के अंतरसंबंध का अध्ययन करने के लिए समर्पित है। सामाजिक परिवर्तन और निरंतरता इसका मुख्य विषय है। ऐतिहासिक रूप से, आधुनिक औद्योगिक संबंधों के कारण जटिल, परस्पर विरोधी सामाजिक वास्तविकताओं को समझने के लिए विभिन्न समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण उभरे हैं। समाजशास्त्र के विषय ने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक भिन्नता, सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभाव और जलवायु परिवर्तन को आत्मसात किया है। समाजशास्त्र विभाग शिवाजी कॉलेज स्नातक छात्रों को बीए

कार्यक्रम में निम्नलिखित पेपर प्रदान करता है: समाजशास्त्र के लिए निमंत्रण, भारत का समाजशास्त्र, शास्त्रीय समाजशास्त्रीय विचारक, उत्तर-शास्त्रीय विचारक, समाजशास्त्रीय शोध और समाजशास्त्र के लिए शोध पद्धति।

संकाय सदस्य
डॉ. विक्रांत कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

संस्कृत विभाग

संस्कृत विभाग,शिवाजी महाविद्यालय के सबसे प्राचीनतम विभागों में से एक है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के योग्यतम शिक्षकों से युक्त है। विभागीय सदस्यों की विशेषज्ञता वेद, व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष,साहित्य, धर्म संस्कृति में है। यह युवा शिक्षकों से युक्त एक ऊर्जावान विभाग है।विभाग अपने छात्र-छात्राओं को नवीन अनुभव और ज्ञान की नवदृष्टि प्रदान करता है।विभागीय आचार्य शैक्षणिक गतिविधियों में सतत संलग्न रहते हैं ताकि विभाग को शैक्षिक जगत के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचाया जा सके। विभाग के प्राध्यापक ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में विशेषज्ञता रखते हैं, जैसे वैदिक साहित्य में डॉ. रजनीश, भारतीय दर्शन में डॉ. मेघराज मीणा, व्याकरण में डॉ. सुखराम ,डॉ० नागेन्द्र व्याकरण और ज्योतिष शास्त्र में व संस्कृत साहित्य और भारतीय दर्शन में डॉ. रीना कुमारी। विभाग में स्नातकोत्तर स्तर तक का अध्यापन कार्य होता है एतदर्थ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के साथ सक्रियरूप से सम्बद्धता रहती है। संस्कृत एक दैवीय शास्त्रीय भाषा है इसलिए यह स्वाभाविक रूप से भाषा और पारंपरिक-आध्यात्मिक ज्ञान-विज्ञान मे रूचि रखने वाले विद्यार्थियों को आकर्षित करती है। विभाग के अध्ययनरत छात्र-छात्रा समय-समय पर सक्रियता के साथ विभिन्न अन्तर-महाविद्यालीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता ग्रहण करते हैं। विभागीय छात्रों ने संस्कृत वाद-विवाद, कवितापाठ,प्रश्नोत्तरी इत्यादि प्रतियोगिताओं में अनेक पुरस्कार प्राप्त किए हैं। संस्कृत विभाग १९८७ से अन्तर-महाविद्यालीय संस्कृत-प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन करने वाला प्रथम महाविद्यालय होने पर गर्व करता है। यह एक बड़ी सफलता थी और इसमें अनेक महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने बहुसंख्या में भाग लिया था। परिणामस्वरूप कालान्तर में इस तरह की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं अन्य संस्थानों द्वारा भी शुरू की जाने लगी।

संकाय सदस्य
डॉ. रजनीश, सहायक आचार्य, एम.ए., पीएच.डी.
डॉ. मेघराज मीणा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. (On Lien)
डॉ. सुखराम, सहायक आचार्य, एम.ए., पीएच.डी.
डॉ० नागेन्द्र कुमार, सहायक आचार्य,एम.ए.,पीएच.डी
डॉ. रीना कुमारी,सहायक आचार्य, एम.ए., पीएच.डी

जैव रसायन विभाग

बी.एस.सी. (ऑनर्स) जैव रसायन पाठ्यक्रम बुनियादी जैव रसायन से लेकर अनुप्रयुक्त अनुसंधान तक के क्षेत्रों में व्यापक समझ प्रदान करता है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य जैविक विज्ञान में उन्नत शिक्षा प्रदान करना और उन्हें शिक्षा, अनुसंधान और उससे परे विविध अवसरों का पता लगाने में मदद करना है। विभाग राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) **2020** के उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसे स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (यूजीसीएफ) में लागू किया गया है। छात्र बायोमोलेक्यूल्स, मेटाबॉलिज्म, माइक्रोबायोलॉजी, जीन एक्सप्रेशन, ह्यूमन फिजियोलॉजी, एंजाइम, जेनेटिक्स और इवोल्यूशन में अवधारणाएं, इम्यूनोलॉजी, रिसर्च मेथोडोलॉजी आदि जैसे विविध विषयों का अध्ययन करते हैं। छात्रों को जैव रासायनिक विधियों और आधुनिक जैविक तकनीकों को सीखकर जैव रसायन की समस्याओं को हल करने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। विभाग छात्रों को छोटे शोध प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है।

विभाग ने मई **2019** से डीबीटी-स्टार कॉलेज योजना के तत्वावधान में छात्रों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और शिक्षण कर्मचारियों के लाभ के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए हैं। विभाग के छात्र विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और कॉलेज की विभिन्न सोसाइटियों के सदस्य हैं। इसके अलावा, वे आधुनिक जैविक विज्ञान के क्षेत्र में हाल के नवाचारों और विकास से खुद को अवगत रखने के लिए राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों और सेमिनारों में भी भाग लेते हैं। ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप/प्रशिक्षण कार्यक्रम विभाग द्वारा उनके शोध हितों और क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आयोजित किया जाता है। बायोचैपरोन: बायोकेमिकल सोसाइटी छात्रों को पेशेवर विकास और छात्रों के बेहतर प्लेसमेंट के लिए समग्र शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय सेमिनार, आमंत्रित वार्ता, शैक्षिक दौरे, कार्यशालाएं और प्रतियोगिताओं जैसे विविध कार्यक्रमों का आयोजन करके अपनी प्रतिभा का पता लगाने और पोषण करने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करती है। विभाग विभिन्न धाराओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने की दृष्टि से एक अनुभवात्मक सक्रिय शिक्षण वातावरण प्रदान करने का प्रयास करता है। इसके

अलावा, विभाग "बायोकेमी" नामक वैज्ञानिक पत्रिका का वार्षिक संस्करण भी जारी करता है, जिसमें छात्र अपने लेख प्रकाशित करते हैं और वैज्ञानिक लेखन, ग्रंथ सूची और साहित्यिक चोरी की जाँच के कौशल प्राप्त करते हैं। संकाय सदस्य छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए नियमित रूप से संरक्षक-प्रशिक्षु बैठकें भी आयोजित करते हैं। छात्रों को उनकी रुचियों और जुनून को समझने के लिए करियर परामर्श प्रदान किया जाता है, क्योंकि इससे उन्हें पेशेवर लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम से स्नातक करने वाले छात्रों को भारत और विदेशों में प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थानों जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय, एम्स, आईआईएसईआर, आरसीबी, जेएनयू और विभिन्न अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों; कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय; ड्रेसडेन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी जर्मनी आदि में प्लेसमेंट मिलता है। स्वास्थ्य क्षेत्र, कृषि विज्ञान और जैविक विज्ञान के अन्य तकनीकी क्षेत्रों में विशेषज्ञता की बढ़ती मांग के कारण जैव रसायन विज्ञान में स्नातकों के लिए अनुसंधान और विकास में विभिन्न विश्वविद्यालयों में आशाजनक संभावनाएं हैं।

संकाय सदस्य

डॉ. जयिता ठाकुर, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. रेणु बावेजा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. सुनीता सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. अभिजीत मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. उषा यादव, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. श्वेताम्बरी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.

वनस्पति विज्ञान विभाग

शिवाजी कॉलेज में वनस्पति विज्ञान विभाग अपनी अकादमिक उत्कृष्टता, प्रतिष्ठित संकाय और समृद्ध सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध है। हमारे व्यापक पाठ्यक्रम में जैव विविधता, विकास, माइक्रोबायोलॉजी, माइकोलॉजी, फाइटोपैथोलॉजी, फाइकोलॉजी, प्लांट एनाटॉमी और भ्रूणविज्ञान, प्लांट सिस्टमैटिक्स, आर्थिक वनस्पति विज्ञान, पारिस्थितिकी, कोशिका जीव विज्ञान, आणविक जीव विज्ञान, आनुवंशिकी और जीनोमिक्स, प्लांट बायोलॉजी में विश्लेषणात्मक तकनीक, प्लांट बायोटेक्नोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी और मेटाबॉलिज्म जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। हम जैव सूचना विज्ञान, पौधों में बुद्धिमान प्रणाली, जैव उर्वरक, औद्योगिक माइक्रोबायोलॉजी, प्लांट टिशू कल्चर, बागवानी, प्लांट एरोमैटिक्स और परफ्यूमरी, और बौद्धिक संपदा अधिकार जैसे अनुप्रयुक्त क्षेत्रों में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) और जेनेरिक ऐच्छिक (जीई) भी प्रदान करते हैं, जिसमें एनईपी **2020** ढांचे के तहत और भी अधिक विकल्प उपलब्ध हैं। विभाग में अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं, जिनमें अत्याधुनिक उपकरण और प्रक्षेपण सुविधाएँ हैं जो छात्रों के सीखने को बढ़ाती हैं। विभाग में संग्रहालय और हर्बेरियम नमूनों का एक व्यापक संग्रह भी है, जो व्यावहारिक, हाथों से सीखने के अनुभव प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, हमारे वनस्पति हर्बल गार्डन और खाद बनाने वाली इकाइयाँ छात्रों के प्रकृति से जुड़ने को और भी आसान बनाती हैं। अनुभवात्मक शिक्षा हमारे कार्यक्रम की आधारशिला है, जिसमें फील्ड ट्रिप, अध्ययन दौरे, वनस्पति भ्रमण, औद्योगिक और संस्थागत दौरे और ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप शामिल हैं। बॉटनिकल सोसाइटी, फ्रेगरेंस, सक्रिय रूप से व्याख्यान, कार्यशालाएँ, सेमिनार और प्रतियोगिताएँ आयोजित करती है, जिससे एक जीवंत शैक्षणिक समुदाय को बढ़ावा मिलता है। प्रख्यात वैज्ञानिकों और उद्यमियों को जानकारीपूर्ण और ज्ञानवर्धक वार्ता देने के लिए आमंत्रित किया जाता है। **DBT** स्टार कॉलेज स्कीम और एक्स्ट्रामुरल फ़ंडिंग स्कीम से अनुदान द्वारा समर्थित, कुछ संकाय पीएचडी डिग्री के पर्यवेक्षण में शामिल हैं। हमारा विभाग अनुसंधान और संगठनात्मक कौशल को आगे बढ़ाता रहता है। विभाग ने कई विश्वविद्यालय रैंक धारकों को भी तैयार किया है, और हमारे कई छात्रों ने अतीत में भारत के साथ-साथ विदेशों में भी विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा में करियर बनाया है। हमारे कुछ पूर्व छात्र वर्तमान में कई सरकारी संगठनों/संस्थानों जैसे भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान-पूसा, पादप एवं आणविक जीव विज्ञान विभाग, साउथ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारतीय वन सेवा आदि में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। हमारे स्नातकों ने उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और विभिन्न सरकारी एवं शोध संस्थानों में प्रतिष्ठित पदों पर हैं, जो शिवाजी कॉलेज में वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षा की उच्च क्षमता को दर्शाता है। वनस्पति विज्ञान में बीएससी करने से कई रोमांचक और पुरस्कृत करियर के अवसर खुलते हैं। स्नातक वैज्ञानिक बन सकते हैं, अभूतपूर्व शोध में संलग्न हो सकते हैं, या शिक्षक बन सकते हैं, शिक्षक या व्याख्याता के रूप में अगली पीढ़ी को प्रेरित कर सकते हैं। कई लोग **IFS, IAS,** या **IPS** अधिकारियों के रूप में सरकारी सेवाओं में संतोषजनक भूमिकाएँ पाते हैं। खाद्य निरीक्षकों के रूप में **FSSAI** जैसी नियामक संस्थाओं में भी अवसर प्रचुर मात्रा में हैं, जो खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं। पोस्टडॉक्टरल फेलो और रिसर्च एसोसिएट वैज्ञानिक ज्ञान को आगे बढ़ाने में योगदान करते हैं, जबकि उच्च तकनीक प्रयोगशालाओं में तकनीकी सहायक अभिनव प्रयोगों का समर्थन करते हैं। बायोटेक कंपनियों में करियर और जीनोम विश्लेषक के रूप में भूमिकाएँ तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में अत्याधुनिक पद प्रदान करती हैं। इसके अतिरिक्त, वनस्पति विज्ञान स्नातक प्रासंगिक कौशल प्राप्त करने के बाद खाद्य कंपनियों में माइक्रोबायोलॉजिस्ट/शोधकर्ता के रूप में

भी अवसर पा सकते हैं। वे खुद को पर्यावरणविद या पारिस्थितिकीविद के रूप में भी देख सकते हैं, जो प्राकृतिक आवासों की रक्षा और उन्हें बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं। उद्यमी कृषि और बायोटेक क्षेत्रों में नवाचार कर सकते हैं, जबकि बागवानी विशेषज्ञ पौधों की खेती और परिदृश्य डिजाइन में अपनी विशेषज्ञता लागू करते हैं। ये विविध मार्ग वनस्पति विज्ञान स्नातकों द्वारा समाज में किए जा सकने वाले विशाल क्षमता और प्रभावशाली योगदान को उजागर करते हैं।

संकाय सदस्य

प्रो. विजय कुमार, प्रोफेसर,एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
प्रो. प्रतिमा रानी सरदार, प्रोफेसर,एम.एससी., पीएच.डी.
प्रो. प्रभावती, प्रोफेसर,एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. स्मिता त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. किरण बामेल, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. मीशा यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएचडी
डॉ. सीमा तलवार, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएचडी
डॉ. अनुराग मौर्य, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएचडी
डॉ. प्रियंका ओझा, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएचडी
डॉ. पवन कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएचडी
डॉ. गुंजन सिरोही, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएचडी
डॉ. देवेंद्र सिंह मीना, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएचडी

रसायन विज्ञान विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज में रसायन विज्ञान विभाग, वैज्ञानिक जांच और शिक्षा के एक जीवंत केंद्र के रूप में खड़ा है, जो रसायन विज्ञान के सार को "केंद्रीय विज्ञान" के रूप में दर्शाता है। हमारा विभाग एक मजबूत शैक्षिक आधार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो पदार्थों की आणविक समझ के माध्यम से जीव विज्ञान से लेकर ठोस अवस्था भौतिकी तक की अवधारणाओं को सहजता से जोड़ता है।

संकाय और शिक्षण उत्कृष्टता: हमारे समर्पित और उच्च योग्य संकाय नवीन शिक्षण पद्धतियों का उपयोग करते हैं, जिससे छात्रों के बीच रसायन विज्ञान की व्यापक और वैचारिक समझ सुनिश्चित होती है। शिक्षण तकनीकों और पाठ्यक्रम सामग्री में नियमित अपडेट छात्रों को उभरते वैज्ञानिक रुझानों और उन्नति से अवगत रहने में सक्षम बनाते हैं।

अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ और पुस्तकालय: विभाग आवश्यक रसायनों, कांच के बने पदार्थ और उन्नत उपकरणों से सुसज्जित आधुनिक प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है, जो छात्रों को व्यावहारिक, हाथों से सीखने के अनुभव प्रदान करता है। इसके पूरक के रूप में एक विभागीय पुस्तकालय है जिसमें पाठ्यपुस्तकों, वैज्ञानिक पत्रिकाओं और पत्रिकाओं की एक विस्तृत श्रृंखला है, जो छात्रों को शैक्षणिक और शोध गतिविधियों के लिए पर्याप्त संसाधन प्रदान करती है।

शोध और शैक्षणिक उपलब्धियाँ: हमारे संकाय सदस्य अत्याधुनिक शोध में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं, नियमित रूप से उच्च प्रभाव वाले राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में अपने काम को प्रकाशित करते हैं। वे प्रतिष्ठित सम्मेलनों में भी भाग लेते हैं, वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में योगदान देते हैं।

कुशल और प्रतिबद्ध प्रयोगशाला कर्मचारी: प्रयोगशाला कर्मचारी न केवल अच्छी तरह से प्रशिक्षित हैं, बल्कि एक सुरक्षित और कुशल प्रयोगशाला वातावरण बनाए रखने के लिए भी समर्पित हैं। उनकी अटूट प्रतिबद्धता सभी छात्रों के लिए एक सहज और समृद्ध प्रयोगशाला अनुभव सुनिश्चित करती है।

करियर-उन्मुख पाठ्यक्रम और कौशल विकास: पाठ्यक्रम को रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है, जो छात्रों को आवश्यक वैज्ञानिक और तकनीकी कौशल से लैस करता है। "सॉफ्टवेयर का उपयोग करके रसायन विज्ञान को समझना" नामक एक ऐड-ऑन कोर्स आणविक मॉडलिंग में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है, सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुप्रयोगों के साथ जोड़ता है।

प्रतिष्ठित पूर्व छात्र: हमारे पूर्व छात्र नेटवर्क विभाग के लिए गर्व का स्रोत हैं। उनमें से उल्लेखनीय हैं डॉ. आदर्श स्वाइका (बैच **1992-1995),** एक भारतीय विदेश सेवा अधिकारी जो वर्तमान में कुवैत में भारत के राजदूत के रूप में कार्यरत हैं।

केमिकल सोसाइटी-रासटेंट्रम: यह विभाग रसायन विज्ञान विभाग की केमिकल सोसाइटी, रासटेंट्रम का घर है, जो वैज्ञानिक जिज्ञासा और सहकर्मी संपर्क को बढ़ावा देते हुए शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला का आयोजन करता है।

रसायन विज्ञान विभाग में यह गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करता है कि हमारे छात्र शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग में सफल करियर के लिए अच्छी तरह से तैयार हों।

संकाय सदस्य

प्रो. अनिल कृष्ण अग्रवाल,प्रोफेसर, एम.एस.सी., पीएच.डी.
प्रो. प्रशांत कुमार साहू, प्रोफेसर, एम.एस.सी., एम.फिल., पीएच.डी.
प्रो. रजनी कनौजिया, प्रोफेसर,एम.एस.सी., पीएच.डी.
श्री महेंद्र कुमार मीना, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एस.सी.
डॉ. भास्कर मोहन कांडपाल, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एस.सी., पीएच.डी.
डॉ. नीना खन्ना, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
प्रो. नंद गोपाल गिरि,प्रोफेसर, एम.एस.सी., पीएच.डी.
प्रो. राहुल सिंघल,प्रोफेसर, एम.एस.सी., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. वंदना कटोच, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. प्रीति कुमारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. सुनील यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
श्री दीपेश सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. रिचा अरोड़ा, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. सीमा, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. प्रियंका कुमारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. रंगनाथ रवि, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. रीता, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. योगेश कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
सुश्री तमन्ना, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.एससी.

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

कंप्यूटर विज्ञान विभाग छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए लगन से काम कर रहा है। इसका ध्यान समग्र शिक्षा और छात्रों को सभी स्तरों पर महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सशक्त बनाने पर है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत, विभाग **UGCF 2022** के तहत कंप्यूटर विज्ञान के साथ अध्ययन का एक बहु-विषयक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान में एक मजबूत आधार तैयार करता है और छात्रों के समस्या-समाधान कौशल को विकसित करने में एक अनुप्रयोग-उन्मुख दृष्टिकोण का उपयोग करता है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को रोजगार योग्य बनाना और उद्योग की कम्प्यूटेशनल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार करना है। पूरा होने पर, छात्र **M.C.A., M.Sc.** कंप्यूटर विज्ञान, **MBA, M.Sc.** डेटा विज्ञान जैसी स्नातकोत्तर डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। विभाग **NEP** के तहत एक सामान्य वैकल्पिक विकल्प और कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम के रूप में कंप्यूटर विज्ञान भी प्रदान करता है।

विभाग में चार विशाल और अच्छी तरह से सुसज्जित वातानुकूलित कंप्यूटर लैब हैं, जो छात्रों के लिए एक आरामदायक और कुशल शिक्षण वातावरण बनाते हैं। नवीनतम कॉन्फ़िगरेशन वाले लगभग **150** कंप्यूटरों के साथ, सभी सिस्टम हाई-एंड सर्वर से सहज रूप से जुड़े हुए हैं। प्रत्येक कंप्यूटर सुरक्षित लैन नेटवर्क के माध्यम से आवश्यक सॉफ़्टवेयर और हाई-स्पीड इंटरनेट तक पहुँच प्रदान करता है। इंटरैक्टिव लर्निंग का समर्थन करने के लिए, प्रत्येक लैब प्रोजेक्टर से सुसज्जित है। एक ऑनलाइन **UPS** सिस्टम निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करता है, जिससे छात्र बिना किसी व्यवधान के काम कर सकते हैं।

वेबस्टर, शिवाजी कॉलेज की कंप्यूटर साइंस सोसाइटी, कंप्यूटर और प्रौद्योगिकी के निरंतर विकसित होने वाले क्षेत्र में छात्रों की रुचि को प्रज्वलित करने और पोषित करने के लिए स्थापित की गई थी। छात्रों को नवीनतम तकनीकी रुझानों से अवगत रखने के लिए सोसाइटी सक्रिय रूप से सेमिनार, कार्यशालाएँ और व्यावहारिक सत्र आयोजित कर रही है। इसका वार्षिक तकनीकी उत्सव, 'टेकेलन्स', बहुत उत्साह

और ऊर्जा के साथ मनाया जाता है। कई प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो छात्रों को नेतृत्व और संगठनात्मक क्षमताओं को विकसित करते हुए अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।

संकाय सदस्य
श्री राकेश यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.सी.ए.
सुश्री प्रीति शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.सी.ए.
सुश्री आभा वासल, सहायक प्रोफेसर, एम.सी.ए., एम.फिल
डॉ. कृष्ण कांत सिंह गौतम, सहायक प्रोफेसर, एम.सी.ए., एमटेक, पीएच.डी.
श्री पवन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.सी.ए.
सुश्री योगेश कुमारी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.

पर्यावरण अध्ययन विभाग

पर्यावरण अध्ययन विभाग शिवाजी कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) का सबसे युवा विभाग है और इसकी स्थापना **2017** में की गई थी। इस विभाग की स्थापना दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सभी कॉलेजों को पर्यावरण अध्ययन पर एक अनिवार्य पाठ्यक्रम शुरू करने के निर्देश के जवाब में की गई थी। शैक्षणिक वर्ष **2022-23** के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के घटक कॉलेजों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की शुरूआत के परिणामस्वरूप, पर्यावरण विज्ञान अब एक **4**-क्रेडिट क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी) है जो दो सेमेस्टर में फैला है।

पर्यावरण अध्ययन विभाग कॉलेज के सभी विभागों में नामांकित सभी छात्रों को पर्यावरण विज्ञान पर एईसी पाठ्यक्रम का समन्वय और शिक्षण करता है। विभाग शिक्षण के लिए कक्षा, क्षेत्र और परियोजना-आधारित दृष्टिकोण अपनाता है और यह सुनिश्चित करता है कि छात्र विषय की समग्र समझ विकसित करें। विभाग में ऐसे संकाय सदस्य शामिल हैं जो अपनी विशेषज्ञता के संबंधित क्षेत्रों में अत्यधिक योग्य हैं।

संकाय सदस्य
डॉ. अश्विनी शर्मा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. योगेंद्र सिंह, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.

जीव विज्ञान विभाग

जीव विज्ञान विभाग जैविक विज्ञान के अध्ययन के लिए एक व्यापक और अंतःविषयक दृष्टिकोण प्रदान करता है। इस गतिशील विभाग में तीन मुख्य विषय शामिल हैं: वनस्पति विज्ञान, या पादप विज्ञान; जंतु विज्ञान; और रसायन विज्ञान, या रासायनिक विज्ञान। बहु-विषयक होने के कारण, छात्र विज्ञान के तीन अलग-अलग विषयों से संबंध रखते हैं, और डिज़ाइन किया गया पाठ्यक्रम छात्रों में एक एकीकृत विज्ञान दृष्टिकोण को विकसित करता है। यहाँ, छात्र आधुनिक वैज्ञानिक परिदृश्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार होते हैं और साथ ही जीव विज्ञान में ज्ञान के विकास में योगदान देते हैं। जीव विज्ञान विभाग अकादमिक उत्कृष्टता का एक प्रतीक है; इसकी शैक्षणिक संरचना छात्रों को उनके करियर में सफलता के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है और उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं के लिए अर्हता प्राप्त करने में मदद करती है। पाठ्यक्रम के विभिन्न शैक्षणिक वर्षों के दौरान, अनुशासन विशिष्ट कोर (डी एस सी) और वैकल्पिक (डीएसई) पाठ्यक्रमों के अलावा, छात्र कई सामान्य वैकल्पिक (जी ई), मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम (वी ए सी) और कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एस ई सी) भी सीखेंगे। यहां छात्र सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों तरह की शिक्षा लेते हैं, तथा टैक्सोनॉमी, फिजियोलॉजी, विकासात्मक जीव विज्ञान, पारिस्थितिकी, आनुवंशिकी और आणविक जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, अनुसंधान पद्धति, वन्यजीव संरक्षण और रसायन विज्ञान के तीनों डोमेन अर्थात कार्बनिक, अकार्बनिक और भौतिक रसायन जैसे विषयों का अन्वेषण करते हैं। पाठ्यक्रम संबंधी व्याख्यानों के अलावा, विभिन्न विभागीय गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जिनमें सेमिनार, व्यावहारिक कार्यशालाएँ, औद्योगिक और शैक्षणिक विशेषज्ञों द्वारा वार्ता, क्षेत्र यात्राएँ और शोध संस्थानों का दौरा शामिल हैं। नियोजित शिक्षाशास्त्र छात्रों के लिए आकर्षक और सम्मोहक सीखने के अनुभवों को सुनिश्चित और बढ़ावा देता है। खोजपूर्ण पहलुओं में छात्रों की रुचि को प्रज्वलित करने और शोध योग्यता विकसित करने के लिए, विभाग छात्रों को अल्पकालिक, इन-हाउस या इंट्राम्यूरल शोध परियोजनाओं और शोध-आधारित आउटरीच कार्यक्रमों में शामिल करता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज के जीव विज्ञान विभाग से स्नातक, शिक्षा के विविध करियर पथों जैसे स्कूल-स्तर या विश्वविद्यालय-स्तर के शिक्षण और अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवा, सिविल सेवा और सतत पर्यावरण प्रबंधन के लिए अच्छी तरह से तैयार होते हैं। इसके अतिरिक्त, एनईपी-2020 के तहत, छात्र चौथे शैक्षणिक वर्ष को पूरा करने और आवश्यक क्रेडिट प्राप्त करने के बाद ऊपर वर्णित तीन विषयों में से किसी एक में विशेष या प्रमुख डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। एनईपी-2020 छात्रों को अपने चौथे शैक्षणिक वर्ष में शोध प्रबंध के माध्यम से छह

आवश्यक क्रेडिट प्राप्त करने के बाद शोध के साथ डिग्री प्राप्त करने का अवसर भी प्रदान करता है। इसलिए, जीव विज्ञान के छात्र रुचि के किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं और एक शोध घटक के साथ अपनी डिग्री पूरी करने के लिए उस पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

गणित विभाग

शिवाजी कॉलेज में गणित विभाग में गणित के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले उच्च योग्य और समर्पित संकाय सदस्यों की एक टीम शामिल है। विभाग सेमिनार, छात्र परियोजनाओं और ऐड-ऑन पाठ्यक्रमों के माध्यम से अकादमिक विकास को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है। संकाय सदस्य शोध में भी लगे हुए हैं और नियमित रूप से अनुशासन में नवीनतम प्रगति के साथ खुद को अपडेट करते हैं।

विभाग में लगभग **50** कंप्यूटरों के साथ एक अच्छी तरह से सुसज्जित, वातानुकूलित गणित प्रयोगशाला है, जो मैथेमेटिका, लेटेक्स, आर और अन्य सांख्यिकीय उपकरणों जैसे उन्नत सॉफ़्टवेयर द्वारा समर्थित है। यह बुनियादी ढांचा व्यावहारिक सीखने और व्यावहारिक समस्या-समाधान के अनुभवों को सक्षम करके शैक्षणिक पाठ्यक्रम को बढ़ाता है।

स्नातक कार्यक्रम छात्रों की आलोचनात्मक और तार्किक सोच को विकसित करने के लिए संरचित है, जो उन्हें वास्तविक दुनिया के संदर्भों में गणितीय तर्क को लागू करने के लिए सुसज्जित करता है। यह शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित दोनों में एक मजबूत आधार प्रदान करता है, जिसमें कैलकुलस, वास्तविक और जटिल विश्लेषण, अमूर्त बीजगणित, विभेदक समीकरण, संभाव्यता और सांख्यिकी, गणितीय सांख्यिकी, संख्यात्मक विश्लेषण, गणितीय मॉडलिंग, संख्या सिद्धांत, ग्राफ सिद्धांत, क्रिप्टोग्राफी, गणितीय वित्त, वैदिक गणित, आईटी कौशल, डेटा एनालिटिक्स, गणितीय पायथन और रैखिक प्रोग्रामिंग जैसे विषय शामिल हैं। स्नातक उच्च अध्ययन और शिक्षण, अनुसंधान, डेटा विज्ञान, वित्त, बैंकिंग, बीमा और अन्य संबंधित क्षेत्रों में पेशेवर करियर के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। विश्लेषणात्मक क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए, विभाग ने "तार्किक तर्क की अवधारणाएँ" नामक एक ऐड-ऑन कोर्स शुरू किया, जो सभी विषयों के छात्रों के लिए खुला है। पाठ्यक्रम को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और यह छात्रों के शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास में सार्थक योगदान दे रहा है।

संकाय सदस्य

प्रो. शिव कुमार सहदेव एम .एससी एम.फिल पीएच.डी (on Deputation)
डॉ. बबीता गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. अपर्णा जैन, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
प्रो. मृदुला बुद्धराजा ,प्रोफेसर, एम.फिल., पीएच.डी.
प्रो. सुरभि मदान, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
श्री अशेष कुमार झारवाल, सहायक प्रोफेसर, एम.ए.
प्रो. कुमारी प्रियंका, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
श्री जितेन्द्र सिंह एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., एम.टेक.
डॉ. वंदना, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
श्री मनीष कुमार मीना, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. नीतू रानी, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. उत्तम सिंह सिन्हा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. जितेन्द्र अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. दीप्ति, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. सुबेदार राम, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., सीएसआईआर-नेट, पीएच.डी.
डॉ. रश्मि अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
श्री नितेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
सुश्री सुनीता, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी. एम.फिल.
श्री अंकुश कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. चंद्र प्रकाश, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.

बी.एससी. (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान रसायन विज्ञान के साथ

यह कार्यक्रम छात्रों की विश्लेषणात्मक सोच, दक्षता, चपलता, लचीलापन और संचार कौशल विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे वे जटिल संज्ञानात्मक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो सकें। मुख्य विषयों में सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक दक्षता के

मिश्रण के माध्यम से, छात्र नवीन शैक्षणिक दृष्टिकोणों से जुड़ते हैं जो प्रत्येक विषय की उनकी ऊर्ध्वाधर समझ को गहरा करते हैं। इस कोर्स के स्नातक तीन मुख्य विषयों में से किसी में भी स्नातकोत्तर अध्ययन कर सकते हैं। वे बैंकिंग, रक्षा सेवाओं, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, सरकारी संगठनों और कई अन्य क्षेत्रों में विविध कैरियर के अवसरों के लिए भी अच्छी तरह से सुसज्जित हैं।

भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग में प्रेरक शिक्षक, रचनात्मक छात्र और समान रूप से निपुण पूर्व छात्र हैं। साथ ही, विभाग में नवीनतम उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं। सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए कक्षा कक्षों के साथ-साथ प्रयोगशालाएँ भी प्रोजेक्टर सुविधाओं से सुसज्जित हैं। विभाग के संकाय सदस्य किसी न किसी तरह से शोध गतिविधियों में शामिल रहते हैं। विभाग के छात्र भी शोध परियोजनाओं में शामिल रहे हैं और उन्होंने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। हमारे उत्कृष्ट और दृढ़ता से समर्पित संकाय हमेशा छात्रों को वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के साथ विषय को गहराई से समझने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। बीएससी (ऑनर्स) भौतिकी का पाठ्यक्रम छात्रों को मौलिक भौतिकी के वैचारिक ज्ञान में गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। पाठ्यक्रम यह सुनिश्चित करता है कि एक मजबूत सैद्धांतिक आधार प्रदान करने के अलावा, नामांकित छात्रों को पूरी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ प्रदान की जाती हैं ताकि वे जटिल भौतिकी प्रयोगों को आसानी से करने के लिए ज्ञान और विशेषज्ञता प्राप्त कर सकें। इसका मुख्य उद्देश्य उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करना है, तथा ऐसे सुशिक्षित स्नातक तैयार करना है जो विद्वत्तापूर्ण गतिविधियों के माध्यम से भौतिकी और इससे संबंधित विषयों में ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने में दृढ़ता से संलग्न होंगे। विभाग की सोसायटी इनवेनियो छात्रों को पाठ्यक्रम शिक्षा से परे जाने और कार्यशालाओं, वार्षिक उत्सव और उच्च प्रतिष्ठा वाले शोध संस्थानों की शैक्षिक यात्राओं का आयोजन करके नए क्षितिज तलाशने के लिए एक मंच प्रदान करती है। सोसायटी विभिन्न क्षेत्रों के प्रख्यात भौतिकविदों द्वारा वार्ता भी आयोजित करती है जो युवा मन को प्रेरित और प्रोत्साहित करती है। विभाग राष्ट्रीय स्नातक भौतिकी परीक्षा (एनजीपीई) भी आयोजित करता है, जो भारतीय भौतिकी शिक्षक संघ (आईएपीटी) द्वारा हर साल अत्यधिक मेधावी भौतिकी छात्रों के लिए एक अनूठी परीक्षा है।

संकाय सदस्य

डॉ. भारती, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएचडी
डॉ. ममता, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएचडी
डॉ. शिव शंकर गौड़, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएचडी
डॉ. रवींद्र सिंह, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल, पीएचडी
श्री अनिल अवासिया, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
सुश्री नीतू वर्मा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. नीति गोयल, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
श्री निहाल कुमार बैरवा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. एल. थानसांगा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
श्री पार्थ कुमार कसाना, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. निधि त्यागी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. शोभा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. सुरेंद्र कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. नीरू शर्मा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.

प्राणी विज्ञान विभाग

1961 में स्थापित, शिवाजी कॉलेज में प्राणीशास्त्र विभाग के पास शैक्षणिक उत्कृष्टता और छात्र-केंद्रित शिक्षा की समृद्ध विरासत है। यह **1973** में पूरी तरह से स्वतंत्र विभाग बन गया और तब से यह जूलॉजी और संबंधित विषयों में एक व्यापक पाठ्यक्रम पेश कर रहा है। विभाग बीएससी (ऑनर्स) जूलॉजी, बीएससी लाइफ साइंसेज (प्रोग्राम), और अन्य सहायक पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों को सेवा प्रदान करता है। एक मजबूत अकादमिक आधार के साथ, पाठ्यक्रम में गैर-कॉर्डेट्स, कॉर्डेट्स, तुलनात्मक शारीरिक रचना, फिजियोलॉजी, विकासवादी जीव विज्ञान, विकासात्मक जीव विज्ञान, परजीवी विज्ञान, वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन, और पारिस्थितिकी जैसे मुख्य विषयों के साथ-साथ जैव रसायन, जैव प्रौद्योगिकी, इम्यूनोलॉजी, जेनेटिक्स और सेल और आणविक जीव विज्ञान जैसे आधुनिक क्षेत्र शामिल हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) **2020** के अनुरूप अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क (यूजीसीएफ) **2022** के तहत, विभाग छात्रों के बीच नवाचार और रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए बहु-विषयक शिक्षा, शोध-आधारित शिक्षा, कौशल विकास और महत्वपूर्ण सोच पर जोर देता है सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव के साथ पूरक बनाने के लिए, विभाग मधुमक्खी पालन, स्वस्थ और संधारणीय खाद्य विकल्प, जीनोमिक डीएनए का अलगाव और सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण जैसे कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) प्रदान करता है। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य तकनीकी कौशल विकसित करना और छात्रों को जीवन विज्ञान क्षेत्र में विविध कैरियर के अवसरों के लिए तैयार करना है। इसके अतिरिक्त, व्यक्तिगत रुचि के क्षेत्रों में छात्रों के सीखने को समृद्ध करने के लिए ऐड-ऑन पाठ्यक्रम भी पेश किए जाते हैं।

विभाग की एक विशिष्ट विशेषता इसका सुव्यवस्थित प्राणी संग्रहालय है, जिसमें जानवरों के नमूनों, कंकालों और खोपड़ियों का व्यापक संग्रह है, जो शारीरिक और अस्थि विज्ञान संबंधी अध्ययनों के लिए बहुमूल्य सहायता प्रदान करता है। विभाग में आधुनिक उपकरणों जैसे कि जेल डॉक्यूमेंटेशन यूनिट, हाई-स्पीड कूलिंग सेंट्रीफ्यूज, यूवी-विज़िबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, लेमिनर फ्लो हुड, बीओडी इनक्यूबेटर, माइक्रोटोम, डीप फ़्रीज़र, ऑर्बिटल शेकर, वाटर डिस्टिलेशन प्लांट और मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर से सुसज्जित उन्नत प्रयोगशालाएँ भी हैं, जो एक व्यावहारिक और शोध-उन्मुख शैक्षणिक अनुभव सुनिश्चित करती हैं। कक्षा से परे, विभाग सक्रिय रूप से आउटरीच और विस्तार गतिविधियों को बढ़ावा देता है, छात्रों को प्राणि उद्यानों, राष्ट्रीय उद्यानों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं की शैक्षिक यात्राओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। कॉलेज आईक्यूएसी और डीबीटी स्टार कॉलेज योजना के समर्थन से, विभाग नियमित रूप से छात्रों, संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए आमंत्रित व्याख्यान, कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। जूलॉजिकल सोसाइटी, ऑयस्टर, वार्षिक कार्यक्रमों का आयोजन करके और क्विज़, मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों और नारा लेखन जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से जूलॉजिकल-थीम वाले दिनों को मनाकर विभागीय जीवन में एक गतिशील भूमिका निभाती है। छात्रों को नियमित रूप से वैज्ञानिक लेखन में संलग्न होने, शोध पोस्टर प्रस्तुत करने और अकादमिक चर्चाओं में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे उनकी शोध योग्यता और संचार कौशल में वृद्धि होती है।

विभाग अपने जीवंत शैक्षणिक वातावरण पर गर्व करता है, जो समर्पित और उच्च योग्य संकाय सदस्यों की एक टीम द्वारा संचालित है, जो छात्रों को विशेषज्ञ मार्गदर्शन और व्यक्तिगत ध्यान के साथ सलाह देते हैं। विभाग के कई स्नातकों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में उच्च शिक्षा और शोध किया है, जो अकादमिक उत्कृष्टता, नवाचार और समग्र छात्र विकास के पोषण के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

संकाय सदस्य

प्रो. सुनीता गुप्ता, एम.एससी., पीएच.डी.
प्रो. दीपिका यादव, एम.एससी., पीएच.डी.
सुश्री निमिता कांत, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी. (अध्ययनरत)
श्री मनीष के. सचदेवा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी. (अध्ययनरत)
डॉ. जितेन्द्र के. चौधरी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ.ऐषणा निगम, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. साम्या दास, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. त्सेवांग नामगियाल, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. राकेश रोशन, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. अंकिता दुआ, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. निधि गर्ग, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. मानस के. ढल, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
संकाय सदस्य बी.एससी. (ऑनर्स) जूलॉजी, बी.एससी. लाइफ साइंसेज पढ़ाने में शामिल है।

प्रभारी शिक्षकों की सूची 2025-26

क्रम संख्या	विभाग	शिक्षक का नाम
1	बी.ए. प्रोग्राम	डॉ. भरत रत्नु
2	अर्थशास्त्र	सुश्री मनीषा जयंत
3	बीबीई	डॉ. वनिता चड्ढा
4	अंग्रेज़ी	डॉ. सियामलियानवुंग हांग्ज़ो
5	भूगोल	डॉ. अमित कुमार श्रीवास्तव
6	हिंदी	डॉ. राज कुमारी
7	इतिहास	डॉ. निष्ठा श्रीवास्तव
8	शारीरिक शिक्षा	श्री गौरव गोयल
9	राजनीति विज्ञान	डॉ. अमित कुमार
10	संस्कृत	डॉ.नागेन्द्र कुमार
11	समाजशास्त्र	डॉ. विक्रांत कुमार
12	वाणिज्य	डॉ. राजिंदर सिंह
13	बी.कॉम प्रोग्राम कोर्स	डॉ. किरण चौधरी
14	जैव रसायन	डॉ. ऊषा यादव
15	वनस्पति-शास्त्र	डॉ. स्मिता त्रिपाठी
16	रसायन शास्त्र	प्रो राहुल सिंघल
17	कंप्यूटर विज्ञान	सुश्री आभा वासल
18	पर्यावरण अध्ययन	डॉ. योगेंद्र सिंह
19	गणितशास्त्र	प्रो मृदुला बुधराजा
20	भौतिक विज्ञान	डॉ. शिव शंकर गौर
21	बी.एस सी. प्रोग्राम (लाइफ साइंसेज)	श्री मनीष कुमार सचदेवा
22	बी.एस सी. भौतिक विज्ञान पाठ्यक्रम	डॉ. वंदना कटोच
23	प्राणीविज्ञान	सुश्री निमिता कांत

प्रशासन

प्राचार्य	प्रो. वीरेंद्र भारद्वाज
उप- प्राचार्य	प्रो. तेजबीर सिंह राणा
बर्सर	डॉ. किरण चौधरी
लोक सूचना अधिकारी	प्रो. दीपिका यादव
ए.ओ. (लेखा)	श्री प्रवीण कुमार
ए.ओ. (प्रशासन)	श्री हेमंत लांबा
नोडल अधिकारी	डॉ. नीतू रानी
लाइब्रेरियन	श्री भूपेंद्र सिंह

संपर्क (डीलिंग) सहायक

सभी बीए (विशेष) पाठ्यक्रम और एमए (बीए (विशेष) अंग्रेजी को छोड़कर)	श्री राजीव कपूर जूनियर सहायक
गणित को छोड़कर सभी विज्ञान पाठ्यक्रम-	सुश्री नेहा भटनागर, जूनियर सहायक
वाणिज्य और गणित	श्री आशीष ढींगरा, सहायक
बी.ए. प्रोग्राम, बी.ए. (विशेष) अंग्रेजी., बी.ए. (विशेष) संस्कृत	श्री संतोष मिश्रा, जूनियर सहायक

छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति का नाम	पात्रता मापदंड
शिवाजी रत्न पुरस्कार	यूनिवर्सिटी टॉपर गोल्ड मेडलिस्ट
स्टूडेंट ऑफ द ईयर अवार्ड	सभी तीन पाठ्यक्रमों विज्ञान, कला एवं वाणिज्य और विशेष श्रेणी के छात्र (समान अवसर सेल)
डॉ. उषा अग्रवाल ट्रस्ट स्कॉलरशिप	बी कॉम (प्रोग्राम) द्वितीय और तृतीय वर्ष के जो विद्यार्थी उच्चतम 70% से अधिक अंक प्राप्त करते है |
सुल्तान चंद द्रोपदी देवी एजुकेशन फाउंडेशन (डॉ. सुश्री उषा अग्रवाल)	बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष का विद्यार्थी , जिसने बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष में 70% से अधिक अंक प्राप्त कर दूसरा सर्वाधिक प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं |
सुल्तान चंद द्रोपदी देवी एजुकेशन फाउंडेशन (डॉ. सुश्री उषा अग्रवाल)	बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथम सेमेस्टर विश्वविद्यालय परीक्षा में कॉलेज के सभी पेपरों में प्रथम सर्वोच्च प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को रु. 2500/- की छात्रवृत्ति दी जाएगी।
श्री सुल्तान चंद द्रोपदी देवी स्मारक छात्रवृत्ति योजना	नए संशोधित पाठ्यक्रम के तहत बी.कॉम (ऑनर्स) के छात्र को दूसरे सेमेस्टर के परिणाम के लिए 3500/- रुपये की एक छात्रवृत्ति।
सुल्तान चंद द्रोपदी देवी एजुकेशन फाउंडेशन (डॉ. सुश्री उषा अग्रवाल)	नए संशोधित पाठ्यक्रम के तहत बी.कॉम (ऑनर्स) के छात्र को चतुर्थ सेमेस्टर के परिणाम के लिए 3600/- रुपये की एक छात्रवृत्ति।
श्रीमती स्वर्ण कांत नैय्यर पत्नी स्वर्गीय डॉ. एस. के. नैय्यर	बीएससी (ऑनर्स) जूलॉजी के लिए जूलॉजी विभाग में दो पुरस्कार, उनके डिग्री कोर्स के अंतिम वर्ष में दो शीर्ष छात्रों के लिए, क्रमशः 2/3 और 1/3 का अनुपात |
श्री सतपाल बंसल मेमोरियल स्कॉलरशिप (डॉ. सोनाली गर्ग)	बीए (कार्यक्रम) प्रथम वर्ष का सर्वश्रेष्ठ छात्र।
श्रीमती सविता मिश्रा स्मृति पुरस्कार (डॉ. कुमारी प्रियंका द्वारा गणित विभाग (शिवाजी कॉलेज) द्वारा उनकी माता की स्मृति में स्थापित किया गया)	बीएससी (ऑनर्स) गणित की छात्रा, जिसने स्नातक डिग्री कोर्स के अपने 6 वें सेमेस्टर तक उच्चतम अंक प्राप्त किये है |
सुश्री संतोष दुग्गल अपने माता-पिता की याद में	बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान के लिए प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों में सर्वश्रेष्ठ |
डॉक्टर सर्वेश कुमार दुबे गोल्ड मेडल	जिसने एम.ए. हिंदी अंतिम वर्ष की परीक्षा में कॉलेज के सभी प्रश्नपत्रों में प्रथम उच्चतम अंक प्राप्त किए.

छात्रवृत्ति का नाम	पात्रता मापदंड
शंकर मजूमदार अपने चाचा स्वर्गीय डॉ. आर. एम. पाल और उनके बड़े भाई स्वर्गीय श्री एन.सी. की याद में	बीए (ऑनर्स) इतिहास अंतिम वर्ष की एक छात्रवृत्ति, जो स्नातक डिग्री कोर्स के अपने 6 वें सेमेस्टर तक उच्चतम अंक प्राप्त करती है
सुनील-भाई रवि छात्रवृत्ति" प्रो. खुर्शीद खान, इतिहास विभाग	बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास अंतिम वर्ष के एक छात्र को छात्रवृत्ति, जिसने स्नातक स्तर पर अधिकतम अंक प्राप्त किए हों।
रविमोहन भारती छात्रवृत्ति, प्रो प्रीति तिवारी, भूगोल विभाग द्वारा	बीए (ऑनर्स) भूगोल (अंतिम वर्ष) के छात्र को 10000 / - रुपये की एक छात्रवृत्ति जो विश्वविद्यालय परीक्षा में उच्चतम अंकों के साथ स्नातक है।
प्रो. रमेश गौतम, स्मृति उद्गीत पुरस्कार	तीनों स्ट्रीम यानी विज्ञान,कला और वाणिज्य के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी |
प्रो रबिनारायण सामंतरा मेरिटोरियस अवार्ड	बी कॉम (ऑनर्स) अंतिम वर्ष के टॉपर छात्र
प्रोफेसर अनिल कृष्ण अग्रवाल मेधावी पुरस्कार	बीएससी(ऑनर्स) रसायन विज्ञान अंतिम वर्ष के टॉपर छात्र

अध्यादेश

अध्यादेश XV-B

विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना :

(10062022_University-Calendar-123-321.pdf)

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियों कुलपति में निहित हैं।
2. कुलपति सभी या ऐसी शक्तियां जो वह उचित समझे कुलानुशासक (प्रॉक्टर) और ऐसे अन्य व्यक्तियों को सौंप सकतें है, जिन्हें वह इस संबंध में निर्दिष्ट कर सकतें है।
3. अध्यादेश के तहत अनुशासन लागू करने की शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना निम्नलिखित को अनुशासनहीनता का कार्य माना जाएगा
   - (i) किसी भी संस्थान / विभाग के शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ के किसी भी सदस्य और दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर किसी भी छात्र के खिलाफ शारीरिक हमला, या शारीरिक बल का उपयोग करने की धमकी देना ।
   - (ii) किसी भी हथियार को ले जाना, उपयोग करना या उपयोग करने की धमकी देना ।
   - (iii) नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानो का कोई भी उल्लंघन करना ।
   - (iv) अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों की स्थिति, गरिमा एवं सम्मान का उल्लंघन करना ।
   - (v) कोई भी प्रथा (मौखिक या अन्य कोई) जो महिलाओं का अपमान करने वाली हो ।
   - (vi) किसी भी प्रकार से भ्रष्टाचार लाने या लाने का प्रयास ।
   - (vii) संस्थागत संपत्ति का जानबूझकर विनाश ।
   - (viii) धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर द्वेष या असहिष्णुता पैदा करना।
   - (ix) विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कामकाज में किसी भी प्रकार से व्यवधान उत्पन्न करना।
   - (x) अध्यादेश XV-सी के अनुसार रैगिंग पर प्रतिबंध ।

4. अनुशासन बनाए रखने से संबंधित अपनी शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई करना जो उसे उचित लगे, कुलपति अपने प्रयोग में ऐसा कर सकता है। उपरोक्त शक्तियाँ आदेश या निर्देश देती हैं कि कोई भी छात्र या छात्राएँ-

   (i) निष्कासित की जाए।

   (ii) एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित किया जाए ।

   (iii) किसी निर्दिष्ट अवधि के लिए विश्वविद्यालय के किसी कॉलेज, विभाग या संस्थान में किसी कार्यक्रम या अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।

   (iv) निर्दिष्ट रुपये की राशि का जुर्माना लगाया जाएगा।

   (v) एक या अधिक वर्षों के लिए विश्वविद्यालय या कॉलेज या विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में भाग लेने से वंचित किया जाएगा या संबंधित छात्र या छात्रा जिस परीक्षा में शामिल हुए हैं उसका परिणाम रद्द कर दिया जाए।

5. कॉलेजों के प्राचार्यों, संकायों के डीन, विश्वविद्यालय में शिक्षण विभागों के प्रमुखों, प्रिंसिपल, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग और लाइब्रेरियन को अपने संबंधित कॉलेजों, संस्थानों में छात्रों पर ऐसी सभी अनुशासनात्मक शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार होगा।, विश्वविद्यालय में संकाय और शिक्षण विभाग, जो संबंधित विभागों में संस्थानों, और शिक्षण के उचित संचालन के लिए आवश्यक हो सकते हैं, वे अपने कॉलेजों, संस्थानों या विभागों में ऐसे शिक्षकों के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं या उन्हें अधिकार सौंप सकते हैं जिन्हें वे इन उद्देश्यों के लिए निर्दिष्ट कर सकते हैं ।

6. जैसा कि ऊपर कहा गया है, कुलपति और प्रॉक्टर की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएंगे। इन नियमों को, जहां आवश्यक हो, इस विश्वविद्यालय में कॉलेजों के प्राचायी, संकायों के डीन और शिक्षण विभागों के प्रमुखों द्वारा पूरक किया जा सकता है। प्रत्येक छात्र से अपेक्षा की जाएगी कि वह स्वयं इन नियमों की एक प्रति उपलब्ध कराए ।

7. प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को एक घोषणा पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होगी कि प्रवेश पर वह खुद को कुलपति और विश्वविद्यालय के कई अधिकारियों के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के अधीन प्रस्तुत करता है, जिनके पास अनुशासन का अभ्यास करने का अधिकार निहित हो सकता है ।

शिवाजी कॉलेज की अनुशासन और छात्र सलाहकार समितियां

अनुशासन समिति

संयोजक	डॉ. राजेंद्र सिंह
सदस्य	डॉ. अश्विनी शर्मा
	डॉ. रवि
	प्रो नंद गोपाल गिरि
	श्री मुकेश कुमार मीना
	डॉ. अमित श्रीवास्तव
	श्री कुशिक कुमार
	डॉ. योगेंद्र सिंह
	श्री स्कंद प्रिया
	डॉ. सुनील कुमार
पद एनसीसी प्रभारी	डॉ. राजिंदर सिंह
पद एनसीसी प्रभारी	डॉ. दीप्ति
पद खेल संयोजक	श्री गौरव गोयल
पद एनएसएस संयोजक	डॉ. निष्ठा श्रीवास्तव
छात्र सलाहकार समिति	

सदस्य	डॉ. राजेंद्र सिंह (संयोजक)
	डॉ. रेणु बावेजा
	डॉ. रवि
	डॉ. किरण चौधरी
	डॉ. भारती
	श्री अशेष कुमार झरवाल
	डॉ. रुद्र प्रताप यादव
	श्री उमेश कुमार
	श्री नागेन्द्र कुमार
	श्री पार्थ कुमार कसाना
	डॉ. रंगनाथ रवि
छात्र शिकायत समिति	
संयोजक	प्रो. तेजबीर सिंह राणा
सदस्य	प्रो. सुमन खरबंदा
	प्रो. अनिल कृष्ण अग्रवाल
	प्रो. अनिल कृष्ण अग्रवाल
	प्रो. मृदुला बुधराजा
	श्री गौरव गोयल
	डॉ. राजेंद्र सिंह

अध्यादेश XV-B

रैगिंग के लिए निषेध और सजा

अध्यादेश XV-सी

1. कॉलेज/विभाग या संस्थान के परिसर और दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी हिस्से के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन पर किसी भी रूप में रैगिंग सख्ती से प्रतिबंधित है।
2. रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता है और इससे इस अध्यादेश के तहत निपटा जाएगा।
3. इस अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए रैगिंग का मतलब सामान्यतः ऐसा कोई कार्य, आचरण या अभ्यास है जिसके द्वारा वरिष्ठ छात्रों की प्रमुख शक्ति या स्थिति को नए नामांकित छात्रों या उन छात्रों पर लागू किया जाता है जिन्हें किसी भी तरह से अन्य छात्रों द्वारा जूनियर या हीन माना जाता है: और इसमें व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या प्रथाएँ शामिल हैं
   (i) इसमें शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी शामिल है।
   (ii) महिला छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन।
   (iii) अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों की स्थिति, गरिमा एवं सम्मान का उल्लंघन करना।
   (iv) छात्रों का उपहास और अवमानना के लिए उजागर और उनके आत्मसम्मान को प्रभावित ।
   (v) इसमें मौखिक दुर्व्यवहार, आक्रमकता, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार शामिल हैं।
4. किसी कॉलेज के प्राचार्य, विभाग या संस्थान के प्रमुख, कॉलेज या विश्वविद्यालय छात्रावास या निवास हॉल के अधिकारी रैगिंग की घटना की किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।
5. उपरोक्त खंड (4) में किसी भी बात के बावजूद, प्रॉक्टर रैगिंग की किसी भी घटना की स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच कर सकता है और रैगिंग में शामिल लोगों की पहचान और घटना की प्रकृति के बारे में कुलपति को रिपोर्ट कर सकता है।
6. प्रॉक्टर रैगिंग के अपराधियों की पहचान और रैगिंग घटना की प्रकृति स्थापित करने वाली एक प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है।
7. यदि किसी कॉलेज के प्राचार्य या विभाग या संस्थान के प्रमुख या प्रॉक्टर इस बात से संतुष्ट हैं कि किसी कारण से, लिखित रूप में दर्ज किए जाने पर, इस तरह के अधर्म को पकड़ना उचित रूप से व्यावहारिक नहीं है, तो वह कुलपति को सलाह दे सकते हैं।

8. जब कुलपति संतुष्ट हो जाए कि ऐसी जाँच कराना समीचीन नहीं है, तो उनका निर्णय अंतिम होगा।
9. खंड (5) या (6) के तहत एक रिपोर्ट की प्राप्ति पर या सखंड (7) के तहत संबंधित प्राधिकारी द्वारा खंड 3 (ए), (बी) और (सी) में वर्णित रैगिंग की घटनाओं का खुलासा करने वाले निर्धारण पर कुलपति किसी छात्र या छात्राओं को विशिष्ट वर्षों के लिए निष्कासित करने का निर्देश या आदेश देगा।
10. कुलपति रैगिंग के अन्य मामलों में आदेश या निर्देश दे सकते हैं कि किसी भी छात्र या छात्रा को निष्कासित कर दिया जाए या एक निश्चित अवधि के लिए कॉलेज में अध्ययन के कार्यक्रम में प्रवेश न दिया जाए, एक या अधिक वर्षों के लिए विभागीय परीक्षा को अनुमति न दी जाए या संबंधित छात्र या छात्राएँ जिस परीक्षा में शामिल हुए थे, उसका परिणाम रद्द कर दिया जाए।
11. यदि दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करने वाला कोई भी छात्र दोषी पाया जाता है: इस अध्यादेश के तहत विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री को वापस लेने पर धारा 15 के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।
12. इस अध्यादेश के प्रयोजन के लिए, चाहे वह किसी कार्य, अभ्यास या रैगिंग के लिए उकसाना हो, भी रैगिंग की श्रेणी में आएगा।
13. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत सभी संस्थान इस अध्यादेश के तहत जारी किए गए निर्देशों को पूरा करने और अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन को प्राप्त करने के लिए कुलपति को सहायता देने के लिए बाध्य होंगे।

नोट : अध्यादेश XV-सी के अनुसरण में कुलपति का आदेश जहां इस अध्यादेश के तहत किसी भी प्राधिकारी द्वारा रेगिंग की घटनाओं की सूचना कुलपति को दी जाती है, रैगिंग में छात्र को निष्कासित कर दिया जाएगा। रैगिंग की रिपोर्ट में शामिल गैर-छात्रों पर भारत के आपराधिक कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी संस्थान में नामांकन लेने से पाच साल की अवधि के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। जिन छात्रों के खिलाफ इस नोट के तहत आवश्यक कार्रवाई की गई है, उन्हें प्राकृतिक न्याय के नियमों का सख्ती से पालन करते हुए निर्णय के बाद सुनवाई का मौका दिया जाएगा

शिवाजी कॉलेज की रैगिंग विरोधी समिति

संयोजक	डॉ. रवि
सदस्य	प्रो सुनीता गुप्ता
	डॉ. प्रीति (इतिहास)
	श्री स्कंद प्रिया
	श्री कुशिक कुमार
	डॉ. सुनील कुमार
	डॉ. संदीप कुमार

दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के भीतर सभी संस्थानों को इस अध्यादेश के तहत जारी किए गए अनुदेशों/निर्देशों का पालन करने और अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन को प्राप्त करने के लिए कुलपति को सहायता और सहायता देने के लिए बाध्य किया जाएगा।

टिप्पणी अध्यादेश XV-C के अनुसरण में कुलपति का आदेश जहां इस अध्यादेश के तहत किसी प्राधिकारी द्वारा कुलपति को रैगिंग की घटना (घटनाओं) की सूचना दी जाती है, रैगिंग में शामिल छात्र (छात्रों) को आदेश में नामित एक निर्दिष्ट अवधि के लिए निष्कासित कर दिया जाएगा। रैगिंग की रिपोर्ट में शामिल गैर-छात्रों के खिलाफ भारत के आपराधिक कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी; उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी संस्थान में नामांकन प्राप्त करने से पांच साल की अवधि के लिए भी अयोग्य घोषित किया जाएगा। जिन छात्रों के खिलाफ इस नोट के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाती है, उन्हें प्राकृतिक न्याय के नियमों के सख्त पालन के साथ निर्णय के बाद सुनवाई दी जाएगी।

अध्यादेश XV-डी

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (कानून और न्याय मंत्रालय)

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने और यौन उत्पीड़न की शिकायतों के निवारण और उसके साथ जुड़े मामलों के लिए एक अधिनियम। जबकि लैंगिक उत्पीड़न के परिणामस्वरूप भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के अधीन समानता के लिए किसी स्त्री के मौलिक अधिकारों का और संविधान के अनुच्छेद 21 के अधीन उसके जीवन जीने और गरिमा के साथ जीने के अधिकार तथा किसी वृत्त का अभ्यास करने या कोई व्यवसाय, व्यापार या कारबार करने के अधिकार का, जिसके अंतर्गत यौन उत्पीड़न से मुक्त सुरक्षित वातावरण का अधिकार भी है, का उल्लंघन होता है; और जबकि यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा और गरिमा के साथ काम करने का अधिकार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और उपकरणों द्वारा सार्वभौमिक रूप से मान्यता प्राप्त मानवाधिकार हैं जैसे कि महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन पर कन्वेंशन, जिसकी भारत सरकार द्वारा 25 जून 1993 को पुष्टि की गई है। और जबकि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ महिलाओं के संरक्षण के लिए उक्त कन्वेंशन को प्रभावी करने के लिए प्रावधान करना समीचीन है।

शिवाजी कॉलेज में, हम एक सुरक्षित और सम्मानजनक शैक्षणिक वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पोश (POSH) के सिद्धांतों को कायम रखते हुए, हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि हमारे कॉलेज समुदाय के सभी सदस्य सहायक और उत्पीड़न मुक्त सेटिंग में सीख सकें, सिखा सकें और काम कर सकें।

हमारी पॉश नीति के बारे में अधिक जानकारी के लिए या किसी घटना की रिपोर्ट करने के लिए, कृपया icc@shivaji.du.ac.in संपर्क करें या नीचे दिए गए दस्तावेज़ को देखें।

सदस्य का नाम	मोबाइल नं.	ईमेल आईडी
शिक्षण सदस्य		
Prof. Surbhi Madan गणित विभाग (संयोजक)	9711140225	surbhi@shivaji.du.ac.in
डॉ. रितु मदन अंग्रेजी विभाग (सह-संयोजक)	9818230105	ritumdan@gmail.com
डॉ. अनिल कृष्ण अग्रवाल - रसायन विज्ञान विभाग	9582585994	anilkrishan.aggarwal1729@gmail.com
गैर-शिक्षण सदस्य		
सुश्री नेहा भटनागर कनिष्ठ सहायक	9990427733	saxenanaina87@gmail.com
सुश्री पूजा उज्जैनवाल पुस्तकालय परिचारक	9891379557	poojaujjainwal123@gmail.com
कानूनी और गैर सरकारी संगठन के प्रतिनिधि		
सुश्री सुमिता वकील	9899077660	-
छात्र सदस्य		
मानसी	7217811368	maanasimanish@gmail.com
रूपेश यदुवंशी	9572040515	rup.yaduv@gmail.com
मुस्कान बीए (विशेष) हिंदी	-	-

विवरण के लिए, कृपया वेबसाइट देखें: https://www.shivajicollege.ac.in/committee/committee_sexual_harassment.php

अध्यादेश VIII-E: आंतरिक मूल्यांकन

(https://www.du.ac.in/du/uploads/rti/Annexure-VII.pdf)

[EC संकल्प संख्या 60-1/(60-1-13) दिनांक 03.02.2023]

यूजीसीएफ 2022 के तहत सक्षम अधिकारियों द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रमों के मूल्यांकन के उद्देश्य से अपनाया जाने वाला मूल्यांकन पैटर्न निम्नानुसार होगा:

- किसी भी पाठ्यक्रम में जहां 01 क्रेडिट ट्यूटोरियल के लिए है, एक उद्देश्य मूल्यांकन प्रक्रिया को एक पाठ्यक्रम में एक छात्र द्वारा अर्जित क्रेडिट के रूप में विकसित किया जाएगा | इसलिए, यह जरूरी है कि एक छात्र द्वारा अर्जित प्रत्येक क्रेडिट का पर्याप्त रूप से मूल्यांकन किया जाए और तदनुसार दर्ज किया जाए।
- उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, ट्यूटोरियल के घटकों को सूचीबद्ध किया गया है ताकि इनमें से कम से कम कुछ गतिविधियों (नीचे बिंदु संख्या 3 पर सूचीबद्ध) को इस उद्देश्य के लिए तैयार किए गए नियमों के अनुसार, शिक्षक के परामर्श से एक छात्र द्वारा उठाया जा सके। आयोजित गतिविधियों का मूल्यांकन निरंतर मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।
  - i) ट्यूटोरियल के घटक के रूप में की जा सकने वाली कुछ गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:
    - ☞ साहित्य समीक्षा
    - ☞ पुस्तक समीक्षा
    - ☞ फिल्म समीक्षा
    - ☞ परियोजना गतिविधि (समूह)
    - ☞ अनुसंधान सह प्रस्तुति

- ☞ रचनात्मक लेखन/कागज लेखन
- ☞ समूह चर्चा
- ☞ समस्या समाधान अभ्यास

  अद्यतन किया गया 20.02.23
- ☞ कोई भी रचनात्मक उत्पादन (एक समूह में किया जा सकता है)
- ☞ अभिनव परियोजना
- ☞ के आवेदन से संबंधित कोई अन्य शैक्षिक कार्य
- ☞ विषय की वैचारिक समझ।

ii) इसके अलावा, ट्यूटोरियल के निरंतर मूल्यांकन के लिए आवंटित चालीस अंकों में से, पांच अंक उपस्थिति के लिए होंगे, जिन्हें निम्नानुसार वितरित किया जाएगा:

- ☞ 67% से अधिक उपस्थिति लेकिन 70% से कम उपस्थिति - 1 अंक
- ☞ 70% से अधिक उपस्थिति लेकिन 75% से कम उपस्थिति - 2 अंक
- ☞ 75% से अधिक उपस्थिति लेकिन 80% से कम उपस्थिति - 3 अंक
- ☞ 80% से अधिक उपस्थिति लेकिन 85% से कम उपस्थिति - 4 अंक
- ☞ 85% से अधिक उपस्थिति - 5 अंक

प्रैक्टिकल के लिए सतत मूल्यांकन में उपस्थिति के लिए अंक नहीं होंगे।

(i) आंतरिक मूल्यांकन (आईए) में कक्षा परीक्षण, असाइनमेंट / प्रस्तुतियों और उपस्थिति में प्राप्त अंक शामिल होंगे। उदाहरण के लिए, 25 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन के लिए, कक्षा की परीक्षा में 10 अंक होंगे, असाइनमेंट / प्रस्तुतियों में 10 अंक होंगे और उपस्थिति 5 अंकों की होगी। इसी तरह, 30 अंकों के आईए के लिए, उपस्थिति के लिए 6 अंक, कक्षा परीक्षा के लिए 12 अंक और असाइनमेंट / प्रेजेंटेशन के लिए 12 अंक होंगे।

(ii) उपस्थिति के लिए छह अंक निम्नानुसार वितरित किए जाएंगे:

- ☞ 67% से अधिक उपस्थिति लेकिन 70% से कम उपस्थिति - 1.2 अंक
- ☞ 70% से अधिक उपस्थिति लेकिन 75% से कम उपस्थिति - 2.4 अंक
- ☞ 75% से अधिक उपस्थिति लेकिन 80% से कम उपस्थिति - 3.6 अंक
- ☞ 80% से अधिक उपस्थिति लेकिन 85% से कम उपस्थिति - 4.8 अंक
- ☞ 85% से अधिक उपस्थिति - 6.0 अंक

शिवाजी कॉलेज की आंतरिक मूल्यांकन निगरानी और मॉडरेशन समिति

संयोजक	डॉ. जीतेंद्र अग्रवाल
सदस्य	डॉ. निष्ठा श्रीवास्तव
	डॉ. सीमा तलवार
	डॉ. तरुण गुप्ता
	डॉ. इति दंडोना
	डॉ. चन्द्र प्रकाश
सचिव, कर्मचारी परिषद (पद)	प्रो मृदुला बुद्धराजा
बर्सर (पद)	डॉ. किरण चौधरी

(i) आंतरिक मूल्यांकन और सतत मूल्यांकन को निष्पक्ष और औचित्यपूर्ण बनाने के लिए, खंड 5

(ii) विश्वविद्यालय के अध्यादेशों का अध्यादेश VIII-ङ। यह समिति कॉलेज में आंतरिक मूल्यांकन की पूरी प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार होगी, जिसमें शिकायतों का निवारण, यदि कोई हो, शामिल है। यही समिति सतत मूल्यांकन की प्रक्रिया की भी जांच करेगी और शिकायतों, यदि कोई हो, का निवारण करेगी।

(iii) कोई छात्र जो आंतरिक मूल्यांकन/सतत मूल्यांकन से संबंधित उसके द्वारा प्रस्तुत शिकायत के संबंध में कॉलेज के आंतरिक मूल्यांकन के लिए निगरानी समिति द्वारा लिए गए निर्णय से असंतुष्ट है, वह एक अपीलीय निकाय के समक्ष अपील दायर कर सकता है जिसमें कॉलेज के प्रधानाचार्य, विभाग के शिक्षक-प्रभारी/वरिष्ठ संकाय सदस्य, संबंधित शिक्षक जिसने पीड़ित छात्र का मूल्यांकन किया है और जिसकी अध्यक्षता कॉलेजों के डीन या निदेशक दक्षिण दिल्ली परिसर के नामिती द्वारा की जाएगी, जिसके अधिकार क्षेत्र में संबंधित कॉलेज आता है।

सिद्धांत परीक्षा और आंतरिक मूल्यांकन सिद्धांत के साथ-साथ ट्यूटोरियल कक्षाओं में किए गए शिक्षण-अधिगम का संचयी मूल्यांकन होगा।

विभिन्न क्रेडिट वितरणों के पाठ्यक्रमों के लिए मूल्यांकन पैटर्न तालिका – 1 में प्रदान किया गया है।

कुल चार क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के लिए प्रैक्टिकल अंक, शामिल होंगे

(i) सतत मूल्यांकन (25%),

(ii) अंतिम अवधि की प्रायोगिक परीक्षा (50%) और

(iii) हैंड्स-फ्री (25%)

कुल दो क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के लिए प्रैक्टिकल अंक शामिल होंगे

(i) सतत मूल्यांकन (25%),

(ii) अंतिम अवधि प्रैक्टिकल/लिखित परीक्षा (50%) और

(iii) हैंड्स-फ्री (25%)

एलटीपी संरचना के विभिन्न संयोजनों में कुल अंकों के विचरण को " ऐवरेज वेटेज" की सहायता से संरेखित किया जाएगा, जिसकी गणना अंकों को ग्रेड में बदलने के लिए उचित रूप से तैयार किए गए फार्मूले के माध्यम से की जाएगी।

मूल्यांकन के निरंतर मोड के लिए उपस्थिति की आवश्यकता विश्वविद्यालय के अध्यादेशों के अध्यादेश VII के अनुसार होगी

छात्रों को अपने ग्रेड में सुधार करने में सक्षम बनाने के लिए, निम्नलिखित को अपनाया जा सकता है:

पाठ्यक्रम/पेपर में प्राप्त ग्रेड	थ्योरी में प्राप्त ग्रेड	प्रैक्टिकल/ट्यूटोरियल में प्राप्त ग्रेड	पुनः पंजीकरण करें	ग्रेड में सुधार के लिए कार्रवाई का कोर्स
F (एफ)	संतुष्ट नहीं*	संतुष्ट	नहीं	आवश्यक दोहराने के लिए उस पाठ्यक्रम / पेपर की अंतिम अवधि सिद्धांत परीक्षा में उपस्थित होने के लिए
F से अधिक	संतुष्ट नहीं*	संतुष्ट	नहीं	सुधार के लिए उस पाठ्यक्रम/पेपर की अंतिम अवधि सिद्धांत परीक्षा में उपस्थित होना
F से अधिक	संतुष्ट नहीं (IA अंक संतुष्ट)	संतुष्ट	नहीं	सुधार के लिए उस पाठ्यक्रम/पेपर की अंतिम अवधि सिद्धांत परीक्षा में उपस्थित होना
F से अधिक	संतुष्ट नहीं IA सहित	संतुष्ट	हाँ	पाठ्यक्रम में भाग लेने और सुधार के लिए आईए और अंतिम अवधि सिद्धांत परीक्षा के लिए उपस्थित होने के लिए
F से अधिक	संतुष्ट	संतुष्ट नहीं	हाँ	पाठ्यक्रम में भाग लेने और सुधार के लिए अपने सीए और आईए के साथ सिद्धांत और व्यावहारिक दोनों परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए

संतुष्ट न होना थ्योरी/प्रैक्टिका के लिए निर्धारित उत्तीर्ण अंकों से नीचे ग्रेड को दर्शाता है।

2022-2023 से स्नातक करने वाले छात्रों के लिए अंकों (%) के अंतिम प्रतिशत की गणना ग्रैंड सीजीपीए (संचयी ग्रेड बिंदु औसत) के रूप में गुणा की जाएगी

टॉल क्रेडिट	बड़ा	टन	P	एंड टर्म थ्योरी परीक्षा के अंक	आंतरिक मूल्यांकन (आईए) अंक	थ्योरी परीक्षा और आईए का कुल योग	थ्योरी परीक्षा की अवधि	ट्यूटोरि-यल सीए	प्रैक्टिकल मार्क्स				कुल अंक
									सीए	अंत में प्रैक्टि-कल/लिखित परीक्षा	हाथों से मुक्त	कुल	
4	3	1	0	90	30	120	3 घंटे	40	0	0	0	0	160
4	3	0	1	90	30	120	3 घंटे	0	10	20	10	40	160
4	0	0	4	0	0	0	ना	0	40	80#	40	160	160
4	1	0	3	30	10	40	1 घंटा	0	30	60	30	120	160
4	2	0	2	60	20	80	2 घंटा	0	20	40	20	80	160
2	1	0	1	30	10	40	1 घंटा	0	10	20**	10	40	80
2	0	0	2	0	0	0	ना	0	20	40**	20	80	80
2	2	0	0	60	20	80	21 घंटा	0	0	0	0	0	80

यदि किसी भी 4 क्रेडिट कोर्स के लिए कोई अंतिम अवधि की परीक्षा नहीं है, जिसमें केवल प्रैक्टिकल घटक है, तो इस अंक को प्रैक्टिकल के निरंतर मूल्यांकन में जोड़ा जाएगा और प्रैक्टिकल के लिए सीए का कुल योग 120 होगा।

** दो क्रेडिट के पाठ्यक्रम के मामले में जिनमें प्रैक्टिकल घटक हैं, या तो अंतिम अवधि की प्रैक्टिकल परीक्षा या अंतिम अवधि लिखित परीक्षा होगी।

एल-रीडिंग

टी-ट्यूटोरियल

पी-प्रैक्टिकल

सीए सतत मूल्यांकन

IA-आंतरिक मूल्यांकन

चिकित्सा प्रमाण पत्र

नियमितता के लिए दिए गए अंकों के लिए क्रेडिट की गणना करते समय चिकित्सा प्रमाणपत्रों को बाहर रखा जाएगा, हालांकि अध्यादेश VII.2.9 के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए पात्रता की गणना के उद्देश्य से ऐसे प्रमाणपत्रों को ध्यान में रखा जाना जारी रहेगा।

पास प्रतिशत और पदोन्नति मानदंड

एक सेमेस्टर में किसी भी पेपर को पास करने के लिए आवश्यक न्यूनतम अंक थ्योरी में 40% और प्रैक्टिकल में 40% होंगे, जहां भी लागू हो। छात्र को अंत सेमेस्टर परीक्षा में 40% और अंत सेमेस्टर परीक्षा और पेपर के आंतरिक मूल्यांकन के कुल में 40% सुरक्षित करना होगा, दोनों सिद्धांत और व्यावहारिक दोनों के लिए अलग-अलग।

प्रथम वर्ष से द्वितीय वर्ष तक पदोन्नति

एक छात्र पाठ्यक्रम के पहले वर्ष से दूसरे वर्ष तक पदोन्नति के लिए पात्र होगा बशर्ते कि उसने I और II सेमेस्टर के 50% पेपर एक साथ उत्तीर्ण किए हों।

2 वर्ष से 3 वर्ष तक पदोन्नति

इसी प्रकार, एक छात्र (भाग I परिणाम के बावजूद) पाठ्यक्रम के दूसरे वर्ष से तीसरे वर्ष तक पदोन्नति के लिए पात्र होगा बशर्ते कि उसने III और IV सेमेस्टर के 50% पेपर एक साथ उत्तीर्ण किए हों।

पदोन्नति मानदंडों को पूरा करने में विफल

जो छात्र पदोन्नति मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं (जैसा कि अंक 10 और 11 में कहा गया है) को संबंधित भाग में असफल घोषित किया जाएगा। हालांकि, उनके पास उन पेपरों में अंकों को बनाए रखने का विकल्प होगा जिनमें उन्होंने क्लॉज 9 के अनुसार उत्तीर्ण अंक हासिल किए हैं।

परीक्षाओं में फिर से उपस्थित होना

एक छात्र जिसे सेमेस्टर I/III/V के लिए निर्धारित पेपर में फिर से उपस्थित होना है, वह केवल नवंबर/दिसंबर में आयोजित होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं में ऐसा कर सकता है। एक छात्र जिसे सेमेस्टर II/IV/VI के लिए निर्धारित पेपर में फिर से उपस्थित होना है, वह केवल अप्रैल/मई में आयोजित होने वाली परीक्षा में ऐसा कर सकता है।

उत्तीर्ण पत्रों में पुनः प्रकट होना

एक छात्र एक सेमेस्टर के लिए निर्धारित किसी भी सिद्धांत पत्र में उपस्थित हो सकता है, संबंधित पेपर (पेपरों) में अपने पिछले प्रदर्शन को लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता है। यह केवल तत्काल बाद की सेमेस्टर परीक्षा में किया जा सकता है (उदाहरण के लिए, सेमेस्टर I परीक्षा के लिए निर्धारित पेपर में फिर से उपस्थित होने वाला छात्र बाद के सेमेस्टर III परीक्षा के साथ ऐसा कर सकता है और सेमेस्टर V के कागजात के साथ नहीं)।

भाग बीमार समाशोधन के बाद फिर से प्रकट

एक उम्मीदवार जिसने भाग III (V और VI सेमेस्टर) के कागजात को मंजूरी दे दी है, वह V या VI सेमेस्टर के किसी भी पेपर में केवल एक बार फिर से उपस्थित हो सकता है, तत्काल बाद की परीक्षा में, संबंधित पेपर (एस) में अपने पिछले प्रदर्शन को लिखित रूप में लिखने से पहले, निर्धारित अवधि के भीतर।

(नोट: इस श्रेणी के उम्मीदवार को किसी भी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी)।

पुन: प्रकट होने के लिए परिणाम की तैयारी

एक पेपर में फिर से उपस्थित होने के मामले में, परीक्षा में उम्मीदवार के वर्तमान प्रदर्शन के आधार पर परिणाम तैयार किया जाएगा।

चुनने के बाद फिर से प्रकट होने में विफलता

किसी उम्मीदवार के मामले में जो पूर्वोक्त प्रावधानों के तहत किसी भी पेपर (पेपरों) में फिर से उपस्थित होने का विकल्प चुनता है, अपने पहले के प्रदर्शन को जमा करने पर, लेकिन संबंधित पेपर (पेपरों) में फिर से उपस्थित होने में विफल रहता है, उम्मीदवार द्वारा पहले से सुरक्षित अंक पेपर (पेपरों) में जिसमें वह फिर से उपस्थित होने में विफल रहा है, वर्तमान में आयोजित परीक्षा के परिणाम का निर्धारण करते समय ध्यान में रखा जाएगा।

गतिविधियों में भागीदारी के लिए विशेष विचार

एक छात्र के मामले में जिसे वार्षिक एनसीसी शिविरों में भाग लेने के लिए एनसीसी के सदस्य के रूप में चुना गया है या नागरिक सुरक्षा कार्य या संबद्ध कर्तव्यों को करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है, या एक छात्र के मामले में जो राष्ट्रीय सेवा योजना में नामांकित है और संबंधित संस्था के प्रमुख द्वारा या उसके अनुमोदन से विभिन्न सार्वजनिक असाइनमेंट के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है, या एक छात्र जिसे अंतर-विश्वविद्यालय बोर्ड द्वारा आयोजित खेल या अन्य गतिविधियों में भाग लेने के लिए चुना गया है या कुलपति द्वारा अनुमोदित खेलों और खेलों में राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय जुड़नार में, या एक छात्र जिसे अंतर-विश्वविद्यालय युवा महोत्सव में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने की आवश्यकता है, या एक छात्र जिसे प्रादेशिक सेना में आवधिक प्रशिक्षण में भाग लेने की आवश्यकता है, या एक छात्र जो इंटर कॉलेज के खेल जुड़नार, वाद-विवाद, सेमिनार, संगोष्ठी, या सामाजिक कार्य परियोजनाओं में भाग लेने के लिए कॉलेज द्वारा प्रतिनियुक्त किया जाता है, या एक छात्र जिसे बहस और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों में संबंधित कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने की आवश्यकता होती है अन्य विश्वविद्यालयों या कुलपति द्वारा अनुमोदित ऐसी अन्य गतिविधियां, निम्नलिखित प्रावधान लागू होंगे:

ऊपर सूचीबद्ध श्रेणियों में एक छात्र को लिखित असाइनमेंट और प्रोजेक्ट्स/टर्म पेपर/सेमिनार/फील्डवर्क की आवश्यकता को लचीलेपन के साथ पूरा करना होगा, हालांकि, यदि आवश्यक हो, तो उसे लिखित असाइनमेंट जमा करने के लिए अतिरिक्त समय दिया जा सकता है।

ऊपर सूचीबद्ध श्रेणियों में एक छात्र, जो ऐसी गतिविधियों में उसकी भागीदारी के कारण हाउस एग्जामिनेशन / क्लास टेस्ट (एस) / क्विज़ लिखने में असमर्थ है, कॉलेज द्वारा वैकल्पिक मोड के माध्यम से मूल्यांकन किया जा सकता है। यह केवल असाधारण परिस्थितियों में किया जा सकता है।

ऊपर सूचीबद्ध श्रेणियों में एक छात्र को अध्यादेश VII.2 (9) (a) (I) के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार छूटी कक्षाओं के लिए आंतरिक मूल्यांकन के लिए उपस्थिति का लाभ मिलेगा।

आंतरिक मूल्यांकन अंकों की समीक्षा और मॉडरेशन

विश्वविद्यालय किसी भी कॉलेज / विभाग में किसी भी पेपर / पेपर में आंतरिक मूल्यांकन में अंकों की समीक्षा करने और यदि आवश्यक हो, तो मॉडरेट करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। यहां दी गई जानकारी हमारे ज्ञान का सबसे अच्छा है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in देखें ।

उपस्थिति की आवश्यकता

प्रत्येक छात्र को प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में अपने अध्ययन के पाठ्यक्रम के लिए कॉलेज में दिए गए कम से कम दो-तिहाई व्याख्यान और व्यावहारिक में भाग लेने की आवश्यकता होती है।

चिकित्सा प्रमाणपत्रों पर विचार

कॉलेज के प्रिंसिपल, उत्पादित मेडिकल सर्टिफिकेट के आधार पर, उन छात्रों के असाधारण मामलों पर विचार कर सकते हैं जो गंभीर रूप से बीमार पड़ गए थे या दुर्घटना के शिकार हो गए थे। विश्वविद्यालय किसी भी कॉलेज / विभाग में किसी भी पेपर / पेपर में आंतरिक मूल्यांकन में अंकों की समीक्षा करने और यदि आवश्यक हो, तो मॉडरेट करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

व्याख्यान को न मानना

अध्यादेश VII.2. (9)(a)(i) में विचारित व्याख्यानों को न मानने का लाभ, या तो अलग से या संयुक्त रूप से, किसी भी मामले में दिए गए व्याख्यानों की कुल संख्या का एक तिहाई से अधिक नहीं होगा। अधिक स्पष्टता के लिए, अध्यादेश VII से परामर्श किया जाना चाहिए।

*यूजीसीएफ 2022-2023 योजना के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई आगे की अधिसूचना/संशोधन के अधीन।

पहचान-पत्र

छात्रों को एक पहचान पत्र जारी किया जाता है जिसे उनसे अपेक्षा की जाती है कि जब भी मांग की जाए, वे इसे प्रस्तुत करें। नए सत्र की शुरुआत में आई-कार्ड एकत्र किए जा सकते हैं। कॉलेज छोड़ने के समय इसे सरेंडर करना होगा। मूल पहचान पत्र के खोने/चोरी होने की स्थिति में, 100/- रुपये के भुगतान पर डुप्लीकेट कार्ड प्राप्त किया जा सकता है। इसकी सूचना देने वाले थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई जाए।

जमा शुल्क के लिए आहरण नियमों के साथ:

(छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे इस संबंध में आगे के अपडेट के लिए विश्वविद्यालय और कॉलेज की वेबसाइट देखें।

जो छात्र कॉलेज छोड़ना चाहते हैं, उन्हें लाइब्रेरियन, एनसीसी अधिकारी, ओपीई, कैशियर और शिक्षक प्रभारी और साइंस लैब्स (विज्ञान के छात्रों के लिए) से क्लीयरेंस स्लिप के उत्पादन पर कॉलेज छोड़ने का प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा, इस आशय के लिए कि वह कॉलेज के लिए कुछ भी बकाया नहीं है।

सुरक्षा प्रतिधारण अवधि

सुरक्षा प्रतिधारण अवधि पाठ्यक्रम पूरा करने या बीच में पाठ्यक्रम छोड़ने के बाद दो वर्ष के लिए है, जो भी लागू हो।

- ☞ शुल्क एक महीने के बाद वापस कर दिया जाएगा।
- ☞ जो छात्र अपना पंजीकरण वापस लेना चाहते हैं, उन्हें चेक जारी होने की तारीख के तीन महीने के भीतर चेक को भुनाना होगा। चेक जारी होने के 3 महीने बाद अमान्य होने की स्थिति में कॉलेज कोई जिम्मेदारी नहीं लेगा।

शुल्क संरचना

शुल्क संरचना पाठ्यक्रम वार - 2025-26									
क्रम संख्या	शुल्क प्रमुख (विश्वविद्यालय के अनुसार)	शुल्क प्रमुख (कॉलेज के अनुसार)	बीए (एच) पाठ्यक्रम बीए (पी), बीए (एच) अंग्रेजी, संस्कृत, इतिहास, इको, हिंदी और राजनीतिक विज्ञान. और बी कॉम (प्रोग्राम)	बी कॉम (ऑनर्स)	बीए (ऑनर्स) भूगोल	सभी विज्ञान पाठ्यक्रम बी एससी वनस्पति विज्ञान, जूलॉजी, फिजिक्स, रसायन शास्त्र गणित, बी एससी जीवन विज्ञान, फिजिकल विज्ञान के साथ रसायन और , बी एससी फिजिकल-विज्ञान। कंप्यूटर के साथ	बी एससी (ऑनर्स) बायोकेम।	एम.ए. हिंदी संस्कृत और पोल। विज्ञान	बीए (ऑनर्स) व्यावसायिक अर्थशास्त्र (बीबीई)
	जनरल फंड (ए)								
1	जेनरल फंड (ट्यूशन फीस + विश्वविद्यालय शुल्क)	ट्यूशन शुल्क	180	180	180	180	180	220	12000
2		विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	250	250	250	250	250	250	250
3		विश्वविद्यालय विकास निधि	1500	1500	1500	1500	1500	1500	1500
4		विश्वविद्यालय सुविधाएं और सेवा	1500	1500	1500	1500	1500	1500	1500
5		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग विश्वविद्यालय निधि का समर्थन करता है	250	250	250	250	250	250	250
6		दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ कोष	40	40	40	40	40	40	40
7		पुस्तकालय सुरक्षा शुल्क (पीजी)						1000	
		कुल शुल्क जनरल फंड (ए)	3,720	3,720	3,720	3,720	3,720	4,760	15,540
	छात्र निधि (बी)	छात्र निधि (बी)							
		अकादमिक सोसायटी शुल्क सम्मेलन सेमिनार, कार्यशालाएं, प्रतियोगिता का आयोजन और प्रतिभागियों का शुल्क आदि।	500	500	500	500	500	500	1,000
		अनुसंधान संवर्धन और छात्र इंटरशिप	800	800	800	800	800	800	800
		प्रवेश शुल्क	50	50	50	50	50	50	50
		पूर्व छात्र शुल्क	100	100	100	100	100	100	100
		सुविधा शुल्क	3,000	3,000	3,000	3,000	3,000	2,000	3,205
		वार्षिक दिन शुल्क	100	100	100	100	100	100	100
		कैरियर प्लेसमेंट शुल्क	200	200	200	200	200	200	200
		कॉलेज छात्र संघ शुल्क	100	100	100	100	100	100	100
		काउंसलर शुल्क	100	100	100	100	100	100	100
		सांस्कृतिक गतिविधि शुल्क	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,500
8	कॉलेज छात्र कल्याण	ई-सेल	100	100	100	100	100	100	100
		इको क्लब	50	50	50	50	50	50	50
		पहचान पत्र शुल्क	100	100	100	100	100	100	100
		बीमा शुल्क	100	100	100	100	100	100	100

शुल्क संरचना पाठ्यक्रम वार - 2025-26									
क्रम संख्या	शुल्क प्रमुख (विश्वविद्यालय के अनुसार)	शुल्क प्रमुख (कॉलेज के अनुसार)	बीए (एच) पाठ्यक्रम बीए (पी), बीए (एच) अंग्रेजी, संस्कृत, इतिहास, इको, हिंदी और राजनीतिक विज्ञान. और बी कॉम (प्रोग्राम)	बी कॉम (ऑनर्स)	बीए (ऑनर्स) भूगोल	सभी विज्ञान पाठ्यक्रम बी एससी वनस्पति विज्ञान, जूलॉजी, फिजिक्स, रसायन शास्त्र गणित, बी एससी जीवन विज्ञान, फिजिकल विज्ञान के साथ रसायन और , बी एससी फिजिकल-विज्ञान। कंप्यूटर के साथ	बी एससी (ऑनर्स) बायोकेम।	एम.ए. हिंदी संस्कृत और पोल। विज्ञान	बीए (ऑनर्स) व्यावसायिक अर्थशास्त्र (बीबीई)
		पत्रिका शुल्क	100	100	100	100	100	100	100
		चिकित्सा शुल्क	120	120	120	120	120	120	120
		एनसीसी शुल्क	50	50	50	50	50	50	50
		एनएसएस शुल्क	50	50	50	50	50	50	50
		अभिविन्यास शुल्क	20	20	20	20	20	20	20
		पी.ए.एस.एच	40	40	40	40	40	40	40
		सुरक्षा जमा (वापसी योग्य)	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000
		खेल शुल्क	300	300	300	300	300	300	300
		छात्र सहायता कोष	20	20	20	20	20	20	20
		टेड एक्स	50	50	50	50	50	50	50
		महिला विकास प्रकोष्ठ	300	300	300	300	300	300	300
		कुल कॉलेज छात्र कल्याण	9,350	9,350	9,350	9,350	9,350	8,350	10,555
9	कॉलेज विकास निधि	विकास रखरखाव शुल्क	4,500	4,500	4,500	4,500	4,500	4,500	4,500
		सामान्य रखरखाव शुल्क							3,500
		उद्यान रखरखाव शुल्क	500	500	500	500	500	500	300
		वेब रखरखाव शुल्क	200	200	200	200	200	200	200
		कुल कॉलेज विकसित होते हैं। निधि	5,200	5,200	5,200	5,200	5,200	5,200	8,500
	कॉलेज सुविधाएं और सेवा प्रभार	पुस्तकालय शुल्क	500	500	500	500	500	500	500
		बिजली शुल्क	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000
		पानी का शुल्क	800	800	800	800	800	800	500
10		लैब शुल्क (यूजीसी)	-	-	-	120	120	-	-
		प्रयोगशाला रखरखाव शुल्क	-	-	1,000	2,000	3,000	-	-
		कंप्यूटर रखरखाव शुल्क	-	1,000	-	1,000	1,000	-	1,000
		कुल कॉलेज सुविधाएं और सेवा।	2,300	3,300	3,300	5,420	6,420	2,300	3,000
		कुल शुल्क छात्र निधि (बी)	16,850	17,850	17,850	19,970	20,970	15,850	22,055
		कुल प्रवेश शुल्क (ए + बी)	20,570	21,570	21,570	23,690	24,690	20,610	37,595

SHIVAJI COLLEGE

(Accredited with 'A' Grade by NAAC)
University of Delhi
Raja Garden, New Delhi - 110027
shivajicollege.ac@gmail.com